हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, शनिवार | 19 अप्रैल 2025 | वर्ष : 03 | अंक : 106 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया मणिपुर का दौरा, विकास के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी

नई दिल्ली:केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री (एमडीओएनईआर) ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मणिपुर के इंफाल का एक दिवसीय दौरा किया, जिससे क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को बल मिला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे के बाद यह मणिपुर में उच्च स्तरीय मंत्रियों का पहला दौरा है, जो राज्य की प्रगति के लिए केंद्र की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। सिंधिया ने मणिपुर की विकास यात्रा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए केंद्र की भूमिका को दोहराया। सिंधिया ने कहा कि हम मणिपुर के साथ प्रगति में भागीदार बनना चाहते हैं। उन्होंने विकास संबंधी प्राथमिकताओं को तेजी से आगे बढ़ाने और जमीनी स्तर पर चुनौतियों का समाधान करने में मंत्रालय की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। अपनी यात्रा के दौरान, सिंधिया ने मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, मणिपुर सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय ।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिला संवाद अभियान शुरू किया

सीएम ने महिला संवाद रथ किया रवाना, 2 करोड़ महिलाएं होंगी शामिल,

दो महीने में राज्य के 70 हजार स्थानों पर महिला संवाद होगा। इसमें दो करोड़ से अधिक महिलाएं भाग लेंगी। राज्य के सभी गांवों में महिला संवाद होगा। इसमें गांव की सभी महिलाओं को बुलाया जाएगा

एजेंसी

पटना:मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को महिला संवाद का शुभारंभ किया। सरकार संवाद के माध्यम से महिलाओं का सुझाव और उनकी समस्याओं को जानेगी। आगे किस प्रकार की योजना और नीति की जरूरत है, इस पर महिलाओं से अधिकारी चर्चा करेंगे। सरकार इसके अनुरूप आगे नीति और योजनाएं बनाएगी। साथ ही महिला सशक्तीकरण को लेकर चल रही योजनाओं-कार्यक्रमों के प्रति उन्हें जागरूक करना भी संवाद का मुख्य मकसद है। मुख्यमंत्री ने एक अणे मार्ग से जागरूकता रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिलाधिकारी कार्यक्रम से जुड़े रहे।अगले दो महीने में राज्य के 70 हजार स्थानों पर महिला संवाद होगा। इसमें दो करोड़ से अधिक महिलाएं भाग लेंगी। 'महिला संवाद कार्यक्रम' को आगामी विधानसभा चुनाव 2025 के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से नीतीश सरकार लगभग 3 करोड़ 72 लाख 57 हजार 477 महिला मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश कर रही है, जो इस साल

जनवरी में प्रकाशित संशोधित मतदाता सूची के अनुसार बिहार की कुल मतदाता आबादी 7 करोड़ 80 लाख 22 हजार 933 का 47.75% है।

मालूम हो कि प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा निर्देश दिया गया था कि जिले के सभी गांवों में योजनाओं की स्थिति की जानकारी लेने एवं समस्याओं का निदान करने के लिए वरीय पदाधिकारियों को स्थल पर भेजा जाए। इसी क्रम में महिला संवाद का आयोजन किया जा रहा है, जहां वरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में समुदाय की समस्याओं पर चर्चा होगी। स्थल पर जाकर वरीय पदाधिकारी वहां की समस्याओं से अवगत होंगे एवं उसका समाधान भी करेंगे। अपने गांवों और टोलों की समस्याओं और आकांक्षाओं को चिह्नित कर उसकी प्राथमिकता निर्धारण करने का अवसर भी महिलाओं को प्रदान किया जाएगा।

समस्याओं का त्वरित समाधान होगा

संवाद के दौरान प्राप्त समस्याओं का विभिन्न स्तरों पर त्वरित समाधान किया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त सुझावों एवं अपेक्षाओं को संकलित किया जाएगा। सुझावों एवं अपेक्षाओं को प्रखंड इकाई द्वारा जिला इकाई को भेजा जाएगा। जो अपेक्षाएं जिला स्तर पर पूर्ण की जा सकती हैं या जिनका समाधान किया जा सकता है, उन्हें तत्काल कार्रवाई के लिए संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया जाएगा। जिन अपेक्षाओं को विभाग स्तर से पूरा किया जा सकता है, उन्हें संबंधित विभागों को भेजा जाएगा। जो अपेक्षाएं नीतिगत विषय से संबंधित हैं, उन्हें सरकार के समक्ष आवश्यक निर्णय के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

सभी गांवों में होगा महिला संवाद

राज्य के सभी गांवों में महिला संवाद होगा। इसमें गांव की सभी महिलाओं को बुलाया जाएगा। कार्यक्रम में राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए जितने कार्य किए गए हैं, उन सभी बातों की जानकारी दी जाएगी। सरकार द्वारा किए गए कार्यों को वीडियो फिल्म के माध्यम से भी दिखाया जाएगा। इसके लिए हर कार्यक्रम स्थल पर जागरुकता वाहन तैनात किया जाएगा, जिसमें बड़े टीवी स्क्रीन पर वीडियो फिल्म दिखाई जाएगी। बड़े टेलीविजन के साथ लगभग 600 जागरुकता वाहन का प्रयोग किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सभी माताओं, बहनों व बेटियों को संबोधित किये गये पत्र का विमोचन भी किया गया।

इस महीने के अंत तक BJP को मिल सकता है नया अध्यक्ष, मंत्रिमंडल के विस्तार की भी संभावना

एजेंसी

नई दिल्ली:भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस महीने के अंत तक नए पार्टी अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर सकती है। सूत्रों ने शुक्रवार को इस बात की जानकारी दी है। इसके साथ ही दावा किया जा रहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल भी हो सकता है। एनसीपी, शिवसेना और बिहार के सहयोगियों जैसे एनडीए के प्रमुख सहयोगियों से नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। अगले भाजपा अध्यक्ष के चयन के लिए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव के नाम चर्चा में हैं। सूत्रों ने बताया कि भाजपा अगले सप्ताह किसी समय इस पर आरएसएस से राय मांगेगी। भाजपा द्वारा इस सप्ताहांत तक अपनी राज्य इकाइयों का पुनर्गठन पूरा कर लेने की उम्मीद है - भाजपा अध्यक्ष के नाम की घोषणा से पहले पार्टी द्वारा 4-5 नए राज्य अध्यक्षों की घोषणा की जा सकती है। भाजपा अगले सप्ताह नए भाजपा अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया के लिए अधिसूचना जारी कर सकती है। इसके बाद नामांकन प्रक्रिया होती है और हमेशा की तरह, भाजपा अध्यक्ष की घोषणा इसके तुरंत बाद ही कर दी जाती है क्योंकि निर्णय बिना किसी विवाद के सर्वसम्मति से होता है। यदि किसी केंद्रीय मंत्री को, जैसा कि अपेक्षित था, अगला भाजपा अध्यक्ष चुना जाता है, तो इससे मंत्रिमंडल में एक और रिक्ति पैदा हो जाएगी, जिसके लिए मंत्रिमंडल विस्तार या फेरबदल की आवश्यकता होगी। महाराष्ट्र में गठबंधन की बड़ी जीत के बाद एनसीपी और शिवसेना दोनों ही केंद्र सरकार में पूर्ण कैबिनेट पद की इच्छा रखते हैं। बिहार चुनाव से पहले भाजपा उपेंद्र कुशवाह जैसे बिहार में अपने सहयोगी दलों के सदस्यों को भी कैबिनेट में शामिल।

लोकसभा अध्यक्ष एवं राज्यसभा के सभापति किसी पार्टी के प्रवक्ता नहीं हो सकते: सिब्बल

एजेंसी

नई दिल्ली:राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा न्यायपालिका को लेकर की गई टिप्पणियों की आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा कि यह ह्यह्यअसंवैधानिक है और राज्यसभा के किसी सभापति को कभी भी इस तरह का ह्यह्यराजनीतिक बयानदेते नहीं देखा गया था ।सिब्बल ने यह भी कहा कि लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति विपक्ष और सत्तारूढ़ दल के बीच समान दूरी बनाए रखते हैं और वेपार्टी प्रवक्ता नहीं हो सकते ।उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ह्यह्यहर कोई जानता है कि लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी बीच में होती है। वह सदन के अध्यक्ष होते हैं, किसी एक पार्टी के अध्यक्ष नहीं। वे भी वोट नहीं करते हैं, वे केवल तब वोट करते हैं जब बराबरी होती है। उच्च सदन के साथ भी यही बात है। आप विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच समान दूरी पर हैं ।सिब्बल का कहना था, आप जो कुछ भी कहते हैं वह समान दूरी बनाए रखने वाली होनी चाहिए।

राहुल ने कर्नाटक के सीएम को लिखा पत्र, वेमुला एक्ट नाम लागू करने मांग की, सिद्धारमैया ने भी कही बड़ी बात

एजेंसी

नई दिल्ली:कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर राज्य सरकार से रोहित वेमुला एक्ट नाम से एक कानून बनाने का आग्रह किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शिक्षा प्रणाली में किसी को भी जाति-आधारित भेदभाव का सामना न करना पड़े। कर्नाटक के सीएम को लिखे अपने पत्र में गांधी ने बीआर अंबेडकर के साथ उनके जीवनकाल में हुए भेदभाव को उजागर किया। राहुल ने एक्स पर लिखा कि हाल ही में संसद में मेरी मुलाकात दलित, आदिवासी और इइउ समुदाय के छात्रों और शिक्षकों से हुई थी। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें किस तरह

कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाति के आधार पर भेदभाव झेलना पड़ता है ।कांग्रेस नेता ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर ने दिखाया था कि शिक्षा ही वह साधन है जिससे वंचित भी सशक्त बन कर जातिभेद को तोड़ सकते हैं। लेकिन यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि दशकों बाद भी लाखों छात्र हमारी शिक्षा व्यवस्था में जातिगत भेदभाव का सामना कर रहे ?हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसी भेदभाव ने रोहित वेमुला, पायल तड़वी और दर्शन सोलंकी जैसे होनहार छात्रों की जान ली है। ऐसी भयावह घटनाएं किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। अब इस अन्याय पर पूरी तरह से रोक लगाने का वक्त है।? मैंने सिद्धारमैया जी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि कर्नाटक में रोहित वेमुला एक्ट लागू किया जाए। भारत के किसी भी बच्चे को वो जातिवाद नहीं झेलना चाहिए, जिसे बाबासाहेब अंबेडकर, रोहित वेमुला और करोड़ों लोगों ने सहा है।

नीतीश कुमार को नसीहत ना दें ममता बनर्जी, बंगाल सीएम को जदयू ने क्यों दी सलाह?

एजेंसी

पटना:वक्फ बिल को लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा पर बिहार में सियासत सुलग गई है। नीतीश कुमार और चंद्र बाबू नायडू को लेकर दिए गए ममता बनर्जी के बयान पर जनता लद यूनाइटेड गर्म हो गयी है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता नीरज कुमार सिंह ने ममता बनर्जी के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा है कि नीतीश कुमार को ममता बनर्जी कोई नसीहत नहीं दें तो अच्छा होगा ।दरअसल वेस्ट बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद की हिंसा

के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया है। इस मामले में उन्होंने नीतीश कुमार और चंद्र बाबू नायडू को भी लपेटने की कोशिश की। उन्होंने कहा है कि नीतीश कुमार और चंद्र बाबू नायडू इस में चुप्पी साध रखे हैं। इसे सब लोग देख रहे हैं। उन्होंने वक्फ बिल पर जेडीयू की ओर से नरेंद्र मोदी सरकार और बीजेपी को जेडीयू द्वारा समर्थन देने की भी चर्चा की ।इस पर जदयू के कई नेता भड़क गए हैं। पार्टी के मुख्य प्रवता नीरज कुमार सिंह ने कहा है कि दीदी नीतीश कुमार को नसीहत नहीं दें। बिहार में अमन चैन बहाल है जबकि वेस्ट बंगाल का हाल पूरा देश देख रहा है। नीतीश कुमार के आने के बाद बिहार में कोई बड़ा सांप्रदायिक हिंसा नहीं हुई जबकि बंगाल में की घटनाएं हुईं। नीतीश कुमार जी को कम से कम ममता बनर्जी को नसीहत देने की जरूरत नहीं है। बीजेपी के नेता रामकृपाल यादव ने भी प्रतिक्रिया दी ।

1 साल फायदा देख लो, दिक्कत होगी तो वक्फ कानून में फिर संशोधन होगा: भाजपा अध्यक्ष

एजेंसी

पटना:वक्फ कानून पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के बिहार अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मुसलमानों से कहा कि एक साल नए वक्फ कानून का फायदा देख लीजिए, अगर दिक्कत होगी तो दोबारा इसमें संशोधन कर दिया जाएगा। बता दें कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने संसद के हालिया बजट सत्र में वक्फ संशोधन बिल को पारित किया था। इस पर विपक्ष और कुछ मुस्लिम संगठनों

ने कड़ी आपत्ति जाहिर की थी ।बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने गुरुवार को पटना के विद्यापति भवन में 'वक्फ बिल पास, नया दौर नया इंसाफ शुक्रिया मोदी जी' कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने वक्फ कानून में जरूरत पड़ने पर दोबारा संशोधन करने का दावा किया। उन्होंने इस कानून को गरीब मुसलमानों के हक में बताया ।इस कार्यक्रम में बोलते हुए उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून को लेकर विपक्ष गलत अफवाह फैला रहा है। उन्होंने दावा किया कि सरकार न तो कब्रिस्तान और न ही मस्जिद की जमीन पर हस्तक्षेप करेगी।

'ये गुंडागर्दी नहीं चलेगी', अवैध ढाबे और मीट की दुकानों पर फूटा मंत्री मनजिंदर सिरसा का गुस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली:दिल्ली के राजौरी गार्डन में दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिरसा के आदेश के बाद कई अवैध मीट की दुकानें बंद कर दी गईं। कार्रवाई के बाद गली नंबर 5 में तनावपूर्ण माहौल देखा गया, मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अनुमान लगाया कि सरकार कोई कार्रवाई कर सकती है। उन्होंने मीट की दुकानें बंद होने पर निराशा व्यक्त की। सिरसा ने इलाके में 'आवश्यकता से अधिक' मीट की दुकानों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बहुत ज्यादा अवैध काम हो रहा है। जगह-जगह मीट के ढाबे खुल गए हैं। खुलेआम मीट बिक रहा है, खुले तंदूर हैं। सिरसा ने आगे कहा कि मैंने प्रशासन को आदेश दिया है कि अगले 24 घंटे में सभी अवैध काम बंद कर दिए जाएं और मीट की दुकानें बंद कर दी जाएं। हर जगह मीट बिक रहा है। ये गुंडागर्दी नहीं चलेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि रिहायशी इलाकों में मीट की दुकानें बनाकर लोगों को घर बेचने के लिए मजबूर किया जा रहा है। ये दुकानें बंद होंगी। दिल्ली के मंत्री सिरसा ने आरोप लगाया कि ये मीट की दुकानें स्थानीय निवासियों को अपने घर देखने और इलाका छोड़ने के लिए मजबूर करने की एक 'रणनीति' हैं। उन्होंने कहा कि वे रिहायशी इलाकों में मीट की दुकानें खोलकर लोगों को छोड़ने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

गीता और नाट्यशास्त्र UNESCO ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल, पीएम बोले- हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण

एजेंसी

नई दिल्ली:श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित किया गया है। यह एक वैश्विक पहल है जो उत्कृष्ट मूल्य की दस्तावेजी विरासत को संरक्षित करती है। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि दुनिया भर में हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है ! यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल किया जाना हमारी शाश्वत बुद्धिमत्ता और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता है। गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है। उनकी अंतर्दृष्टि दुनिया को प्रेरित करती रहती है ।अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि दुनिया भारत के ज्ञान को संजोकर रखती है। गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में शामिल किए जाने के भव्य अवसर पर प्रत्येक भारतीय को बधाई। ये शास्त्र

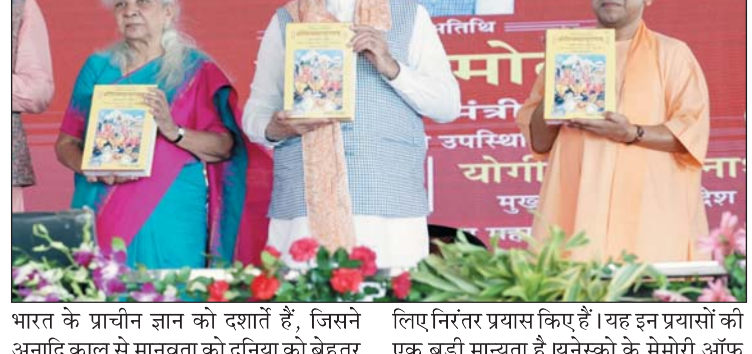

भारत के प्राचीन ज्ञान को दशार्ते हैं, जिसने अनादि काल से मानवता को दुनिया को बेहतर बनाने और जीवन को अधिक सुंदर बनाने का प्रकाश दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपने सांस्कृतिक ज्ञान को वैश्विक कल्याण के केंद्र में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। यह इन प्रयासों की एक बड़ी मान्यता है ।यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में उन महत्वपूर्ण ऐतिहासिक ग्रंथों, पांडुलिपियों और दस्तावेजों को मान्यता दी गई है, जिन्होंने पीढ़ियों से समाज को प्रभावित किया है। भगवद गीता, भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच एक पवित्र संवाद है, जिसे लंबे समय से आध्यात्मिक और दार्शनिक आधारशिला माना जाता है। इस बीच, प्राचीन ऋषि भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र को प्रदर्शन कलाओं, विशेष रूप से रंगमंच, नृत्य और संगीत पर आधारभूत ग्रंथ माना जाता है। 18 अध्यायों में 700 श्लोकों वाली भगवद् गीता महाकाव्य महाभारत के भीष्मपर्व (अध्याय 23-40) में समाहित है। यह भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच संवाद का रूप लेती है, जिसमें सेनाएँ अर्जुन को निराशा से मुक्त करने के उद्देश्य से महायुद्ध के लिए तैयार हैं। भगवद गीता निरंतर, संचयी प्राचीन बौद्धिक भारतीय परंपरा में एक केंद्रीय ग्रंथ है, जो वैदिक, बौद्ध, जैन और चार्वाक जैसे विभिन्न विचार आंदोलनों का संश्लेषण करता है। अपनी दार्शनिक व्यापकता और गहराई के कारण, भगवद गीता को दुनिया भर में सदियों से पढ़ा जाता रहा है और कई भाषाओं में इसका अनुवाद किया गया है।

बिहार युवा कांग्रेस ने पटना के सचिवालय हाल्ट स्थित रेल रोको प्रदर्शन किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025आज दिनांक 18 अप्रैल को अपराह्न 12 बजे बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास के नेतृत्व में युवा कांग्रेस के साथियों ने नेशनल हेरल्ड मामले में दाखिल चार्जशीट में श्रीमति सोनिया गांधी जी और राहुल गांधी जी को नामजद किए जाने को बेबुनियाद बताते हुए ट्रेन का परिचालन पटना स्थित गर्दनीबाग हाल्ट पर बाधित किया ।यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीबदास ने बताया कि ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का कैसे किया है लेकिन इसमें कोई भी बैंकिंग ट्रांजैक्शन नहीं हुआ है, यह कंपनी धारा 25 के अंतर्गत खोला गया है जिसमें नोट पर प्रॉफिट के अंतर्गत आता है और जिसमें कंपनी को डिविडेंड भी नहीं मिलता ।है उसके बावजूद मोदी सरकार नेता प्रतिपक्ष के छवि को धूमिल करने की कोशिश करना चाहते है , दर्ज चार्जशीट बिल्कुल ही निराधार है।

प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास का कहना था कि पिछले कुछ दिनों में जिस तरह श्री राहुल गांधी जी देशभर में भारतीय जनता पार्टी की सरकार की संविधान विरोधी गतिविधियों और मोदी सरकार में पिछड़ी जातियों की लगातार हो रही अव्हेलना पर अपना स्वर बुलंद कर रहे थे इसी से घबराकर ये चार्जशीट दाखिल की गई है ताकि उनकी आवाज दबाई जा सके। आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि ये सिर्फ बानगी भर है यदि मोदी सरकार अपनी ओछी हरकतों से बाज नहीं आएगी तो प्रदर्शन और भी ज्यादा उग्र होंगे। कांग्रेस सदैव सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाया की नीति में विश्वास करती है और इसी क्रम में दलितों, पिछड़ों, वंचितों की आवाज उठाना कांग्रेस नेतृत्व के लिए कुछ भी नया नहीं है और किसी भी सूरत में युवा कांग्रेस अपने नेता श्री राहुल गांधी जी के नेतृत्व में समान अवसर और सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ती रहेगी ।इस अवसर पर बिट्टू यादव ,कुमार रोहित , मुकुल यादव, अमरदीप कुमार, आशुतोष त्रिपाठी, नीरज झा , सद्दाम , बदाल, सोनू कुमार ठाकुर , युवा कांग्रेस साथी उपस्थित थे

महिला संवाद को सफल बनाने के लिए निकला जागरूकता वाहन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शुक्रवार को समाहरणालय सभा कक्ष में महिला संवाद का शुभारंभ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कर कमलों द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। बताया जाता है कि महिला संवाद कार्यक्रम बिहार के सभी 38 जिलों में यह कार्यक्रम आयोजित की गई। इसी कड़ी में आज समस्तीपुर में भी महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने 27 जागरूकता वाहन को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। महिला संवाद कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्रियान्वित योजनाओं / कार्यों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आये सकारात्मक बदलाव पर विस्तृत संवाद किये जाने एवं सरकार के स्तर पर योजनाओं के सूत्रण एवं नीति निर्धारण में महिलाओं की आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से समाहित करने हेतु राज्य सरकार द्वारा महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किए जाने का निर्णय लिया गया है।

महिला संवाद का आयोजन दिनांक 18 अप्रैल 2025 से ग्राम संगठन स्तर पर प्रारंभ किया गया जो आगामी 17 जून तक चलता रहेगा। जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में निवासित सभी महिलाओं को भाग लेने हेतु प्रेरित किया जाना है। यह कार्यक्रम सभी प्रखंडों में जीविका के कुल 3303 ग्राम संगठनों में तिथिवार आयोजित किया जाना है। महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण से सम्बंधित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के विषय में जागरुकता हेतु एलईडी स्क्रीन युक्त जागरुकता वाहन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर आधारित फिल्मों की प्रदर्शनी की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को जागरुक करने हेतु महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं से सम्बंधित लीफलेट भी वितरित की जाएगी। इसी संदर्भ में इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी रौशन कुशवाहा, अपर समाहर्ता अजय कुमार तिवारी, उप विकास आयुक्त संदीप शेखर प्रियदर्शी एवं जिला परियोजना प्रबंधक (जीविका) बिक्रांत शंकर सिंह के द्वारा हरी झंडी दिखाकर महिला संवाद कार्यक्रम हेतु जागरूकता रथ को सभी प्रखंडों हेतु रवाना की गई।

महिलाओं की मांगों को घोषणा पत्र में शामिल करने को प्रखंडों में जाएगी महिला कांग्रेस: अलका लांबा

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- **कांग्रेस का चुनावी घोषणा पत्र बनेगा बिहार की महिलाओं की आवाजः अलका लांबा**

पटना, शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025 आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर महिला कांग्रेस ने महिलाओं की जरूरतों, उनकी आकांक्षाओं और उम्मीदों को चुनावी घोषणा पत्र में शामिल कराने हेतु "महिला की बात, कांग्रेस के साथ" कैंपेन लांच किया। इस कैंपेन में महिलाओं के बीच सीधा संवाद करने के लिए महिला कांग्रेस की कॉर्डिनेटर प्रखंडों तक महिलाओं की आकांक्षाओं को सीधा संवाद करके उसे चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करेगी। ये बातें बिहार कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में संवाददाता सम्मेलन में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमिटी की अध्यक्ष अलका लांबा ने कही। उन्होंने कहा कि हम भारतीय जनता पार्टी की तरह बंद कमरों और एसी कार्यालयों में बैठकर घोषणा पत्र नहीं बनाते हैं, बल्कि गांवों और सड़कों पर जाकर सीधा संवाद स्थापित करके चुनावी घोषणापत्र का निर्माण करते हैं। इस कैंपेन के माध्यम से महिला कांग्रेस के कार्यकर्ता महिलाओं से लोकसभा वार, जिला वार, विधानसभा वार और प्रखंड वार जाकर सीधा संवाद स्थापित करेंगी। महंगाई, कमाई, दवाई, पढ़ाई और सुरक्षा पर महिलाओं से खुला संवाद, समूह संवाद और सुझाव (पर्सनल/डिजिटल) लेने के लिए संवाद कार्यक्रम स्थापित करके

उनके द्वारा उठाएं गए मुद्दों को चुनावी घोषणा पत्र में स्थान देंगे। इसके लिए पटना में दो दिनों का प्रशिक्षण शिविर महिला कांग्रेस संचालित करेगी और उसके बाद क्षेत्रों में प्रशिक्षित कार्यकताओं को भेजेंगे। ये कार्यक्रम डेढ़ महीने यानी मई के अंत तक चलेगी। इस दौरान सोशल मीडिया पर भी अभियान को महिला कांग्रेस विभिन्न हैशटैग के साथः

#महिला की बात
#कांग्रेस के साथ
#घोषणापत्र महिलाओं के लिए के माध्यम से रोजाना सोशल मीडिया पर उपलब्ध कराएगी ।संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार महिलाओं के उत्थान के लिए संघर्ष करती रही है। कांग्रेस पार्टी ने महिलाओं के आवाज को अपने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करेगी जिससे बिहार के महिलाओं को महागठबंधन की सरकार बनने के बाद उनकी उम्मीदों के अनुसार काम करेगी। महिलाओं के उत्थान के लिए कांग्रेस लगातार संघर्ष करती आई है और आगे भी करने को प्रतिबद्ध है ।संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस विधान मंडलदल के नेता डॉ शकील अहमद खान, विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डॉ मदन मोहन झा, विधायक प्रतिमा कुमारीदास ,मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, प्रदेश महिला अध्यक्ष सरवत जहां फातिमा, पूर्व विधायक अमिता भूषण, सहित अन्य नेतागण मौजूद रहें।

वक़्फ की पेशी, जब अदालत ने मिल्लत की तरफ देखा

जौवाद हसन (स्वतंत्र पत्रकार)

- कभी-कभी इंसाफ की अदालतें वो सवाल पूछ लेती हैं जो सदियों से जबानों पर कांटे बनकर अटके होते हैं। 16 अप्रैल 2025 को सुप्रीम कोर्ट की एक सख़्त लेकिन संजीदा सुबह में एक ऐसा ही सवाल उठाया गया-एक ऐसा सवाल जो न सिर्फ.सरकार की नीयत को बेनकाब करता है, बल्कि मुसलमानों की खामोशी और बेहिसी को भी आईने की तरह सामने रख देता है :
- अगर वक़्फ काउंसिल में हिन्दू सदस्य हो सकते हैं, तो क्या हिन्दू धार्मिक बोर्ड में किसी मुसलमान को सदस्य बनने की इजाजत है?₹
- ये महज एक सवाल नहीं था-ये एक तहजीबी तंज था, एक कानूनी तमाचा, और एक सियासी नकाबकशी। अदालत ने जिस सहजता और सादगी से यह बात कही, उसमें सदियों की सियासी चालबाज़ियों, कानूनी छल-कपट और मजहबी हस्तक्षेपों की पूरी इबारत छुपी थी।
- दो घंटे तक चली सुनवाई में जब याचिकाकताओं की ओर से पेश हुए वकील अपने तर्कों के पायदान पर चढ़ते गए, तो अदालत की आंखों में सिर्फ.तर्क की नहीं, बल्कि इंसाफ की चमक दिखाई दी। दूसरी तरफ, सरकार की ओर से जो सफाई पेश की जा रही थी, वो जमीन पर पड़े धूल भरे परदों जैसी थी-जिन्हें झाड़ा तो गया, मगर साफ कुछ भी न हुआ।
- अदालत ने ₹वक़्फ बाय यूजर जैसे प्रावधान पर सवाल उठाया, जो मुसलमानों की मीरास को ₹कब्जे की सहूलियत₹ बना देने की सरकारी कोशिश का सबसे बदनुमा चेहरा है। अदालत का यह कहना कि ₹हम अगले आदेश तक इस कानून में किसी भी बदलाव की इजाजत नहीं देंगे, एक ऐसा पड़ाव है जहां इंसाफ ने वक़्फ की रूह को जख्म देने से पहले मरहम लगाने की कोशिश की है।
- आप सोचिए, जिस कानून को लाने का दावा बड़े-बड़े फाइलों और दावों के साथ किया गया था, उसी पर सरकार 24 घंटे में जवाब तक न दे सकी। क्या ये अजीब इत्तिफाक है, या सोची-समझी रणनीति? अदालत ने सात दिन का वक़्त दिया है-मगर यह सात दिन सिर्फ.सरकार के लिए नहीं हैं; यह वह मुद्दत है जिसमें मिल्लत की ज़िम्मेदारी और तंजीमों की जवाबदेही का भी इम्तिहान होने वाला है।
- वक़्फ बाय यूजर का मतलब सीधा-सीधा यह है कि जिन जमीनों पर सालों से कोई बैठा है-चाहे गैर-कानूनी हो या सियासी ताकत से लैस-उसे वहां का 'हकदार' मान लिया जाए। और ये कब्जे अक्सर उन्हीं के होते हैं जिनके पास नीयत नहीं, लेकिन नेटवर्क होता है-सरकारी कुर्सियों से लेकर बिल्डर लॉबी तक।
- और ऐसे में, जब सुप्रीम कोर्ट सवाल उठाता है, तब मुसलमानों की सियासी तंजीमें खामोश हैं, वक़्फ बोर्ड मुन्तज़िर है, और मिल्लत अपने ही वजूद से बेखबर मालूम होती है। हजारों करोड़ की वक़्फ जायदाद, मस्जिदें, कब्रिस्तान, मदरसे-सब आज कानून की उलझनों और सियासी साज़िशों की जद में हैं। मगर वो कौम जो कभी इन इमारतों की रूह थी, आज किसी फाइल का हिस्सा तक नहीं बन पा रही।
- वहां हैं वो आवाजें जो कौम के नाम पर चंदा लेती हैं? वहां हैं वो मजलिसें जो इत्तिहाद की बातें करती हैं? क्या वक़्फ के नाम पर सिर्फ.सालाना रिपोर्ट और दौरे ही रह गए हैं? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने अगर कुछ साबित किया है, तो यही कि अदालतें जाग रही हैं, लेकिन कौम अब भी ख़्वाब में है।
- वक़्फ कानून पर यह अदालतनामा एक शुरूआत है, एक दरवाजा है, एक रोशनी की किरन है। अगर मिल्लत अब भी उस दरवाजे से ना गुजरी, तो आने वाली नस्लें वक़्फ की इमारतें तो देख लेंगी, लेकिन उस तहजीब और तालीम की रूह से हमेशा महरूम रहेंगी जिसके लिए ये वक़्फ वजूद में आए थे।
- तो आइए, आज जब अदालतें हमारी जमीन की आवाज बन रही हैं, हम अपनी जमीर की आवाज को भी ज़िंदा करें। ये वक़्त अदालत से बाहर निकलकर इंसाफ की राह पर चलने का है-वरना वक़्फ की दीवारों के साथ हमारी तहजीब भी ढह जाएगी, और हमारी चुप्पी उसका सबसे बड़ा सबूत बन जाएगी।

मोर्दिवा में आयोजन हुआ महिला संवाद कार्यक्रम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन समस्तीपुर जिले के सदर प्रखंड के मोर्दिवा पंचायत के मोर्दिवा गाँव में प्रगति ग्राम संगठन के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी रोशन कुशवाहा, अपर समाहर्ता अजय कुमार तिवारी, उप विकास आयुक्त संदीप शेखर प्रियदर्शी, कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं जीविका के राज्य परियोजना प्रबंधक तथा जिला परियोजना प्रबंधक (जीविका) द्वारा महिला संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण से सम्बंधित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के विषय में जागरुकता हेतु एलईडी स्क्रीन युक्त जागरुकता वाहन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर आधारित फिल्मों की प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को जागरुक करने हेतु महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं से सम्बंधित लीफलेट भी वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

रवीन्द्र बनें महावीरी विद्यालय बरहन गोपाल नए प्रधानाचार्य

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान : विद्या भारती विद्यालय महावीरी सरस्वती विद्या मंदिर, बरहन गोपाल, सिवान में नए प्रधानाचार्य के रूप में रविन्द्र राय ने अपना योगदान दिया है।
विदित हो कि सीबीएसई से मान्यता प्राप्त विद्यालय महावीरी सरस्वती विद्या मंदिर, बरहन गोपाल के प्रधानाचार्य ज्ञानेश्वर श्रीवास्तव का स्थानांतरण बेतिया होने के बाद, लोक शिक्षा समिति बिहार के प्रदेश सचिव रामलाल सिंह के द्वारा सारण जिले के राणा प्रताप नगर , भगवान बाजार निवासी रवीन्द्र राय को महावीरी विद्यालय बरहन गोपाल का प्रधानाचार्य नियुक्त किया गया है।
बताते चलें कि रवीन्द्र राय विद्या भारती योजना में वर्ष 2018 से जुड़े हैं। वे सरस्वती विद्या मंदिर, सदातपुर, मुजफ्फरपुर में आचार्य के पद पर नियुक्त

हुए थे। फिलहाल अभी सतातपुर विद्यालय में ही प्रभारी प्रधानाचार्य के रूप में कार्य देख रहे थे ।श्री राय के महावीरी विद्यालय बरहन गोपाल के नए प्रधानाचार्य के रूप में योगदान देने पर विद्या भारती योजना के सिवान विभाग निरीक्षक राजेश कुमार रंजन, विद्या भारती के क्षेत्रीय मीडिया समन्वयक नवीन सिंह परमार, विद्यालय प्रबंधकारिणी के अध्यक्ष डॉ शरद

विदित हो कि सीबीएसई से मान्यता प्राप्त विद्यालय महावीरी सरस्वती विद्या मंदिर,बरहन गोपाल के प्रधानाचार्य ज्ञानेश्वर श्रीवास्तव का स्थानांतरण बेतिया होने के बाद, लोक शिक्षा समिति बिहार के प्रदेश सचिव रामलाल सिंह के द्वारा सारण जिले के राणा प्रताप नगर , भगवान बाजार निवासी रवीन्द्र राय को महावीरी विद्यालय बरहन गोपाल का प्रधानाचार्य नियुक्त किया गया है।

चौधरी, उपाध्यक्ष द्वय राजीव कुमार सिंह उर्फ पिंकू जी व शैलेन्द्र कुमार वर्मा, प्रभारी सचिव अनुराधा गुप्ता, कोषाध्यक्ष विजय कुमार ने बधाई देते हुए यह विश्वास व्यक्त किया है कि ने प्रधानाचार्य के नेतृत्व में विद्यालय दिनों-दिन चतुर्दिक विकास करेगा।। :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 24 अप्रैल को बिहार आ रहें हैं

जिसका मै स्वागत करता हूं :शीतलांबर झा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- मधुबनी जिला के झंझारपुर अनुमंडल अन्तर्गत विंदेश्वर स्थान में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस पर त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मेलन को संबोधित करने के लिए आ रहें है जिसका मै स्वागत करता हूं :शीतलांबर झा

प्रो. शीतलांबर झा पूर्व जिलाध्यक्ष कांग्रेस सह प्रदेश प्रतिनिधि ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि मिथिला के पावन भूमि मधुबनी जिला के झंझारपुर अनुमंडल अन्तर्गत विंदेश्वर स्थान में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस पर त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मेलन को संबोधित करने के लिए आ रहें है जिसका मै स्वागत करता हूं ये सरकारी कार्यक्रम है लेकिन चुनावी वर्ष में जिस तरह से सरकारी संसाधन से डबल इंजन के नेताओं एवं मंत्रियों

ने त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मेलन को आगामी विधानसभा चुनाव की तरह प्रचार प्रसार कर रहे है उसका मै घोर निंदा करता हूं सूत्रों से जानकारी मिली है कि इस कार्यक्रम के लिए आठ सौ करोड़ रुपए खर्च किया जा रहा है प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम के लिए पांच सौ एकड़ जमीन में तैयारी की जा रही है जिसमें सभा स्थल , हेलीपैड एवं पार्किंग किया जायेगा ये सभी जमीन विंदेश्वर स्थान एवं भैरव स्थान के किसान मजदूरों का है जिसमें फसल था उनका फसल को बर्बाद कर दिया गया है , जमीन के मेड़ों को तोड़कर समतल कर दिया गया किसान लोग चिंतित हैं उन्हें न ही फसल क्षति मिलने का भरोसा है न ही जमीन का सीमांकन कर फिर से उन्हें हस्तगत कैसे होगा उसका चिंता सता रहा है सरकारी अमला के आगे किसान मजदूर असहाय महसूस कर रहें है कार्यक्रम के बाद कौन जवाबदेही लेंगे ।प्रो झा ने कहा है क्या प्रधानमंत्री जी त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों को जो अधिकार पूर्व से मिला था जो डबल इंजन की सरकार ने अधिकार छीन लिया है उसे वापस कराएंगे स्व राजीव गांधी जी ने 73 वें संविधान संशोधन कर त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों को संपूर्ण अधिकार सौंपा था जिसे आज वापस लेकर बिहार सरकार ने पंगु बना दिया ।प्रो झा ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी इससे पहले 2014 के चुनाव में मधुबनी आए थे बड़ी बड़ी घोषणा हुआ था मधुबनी एवं मिथिला का सभी उद्योग बंद है चीनी मिल आज भी बंद पड़े हैं बल्कि बेच दिया जा रहा है, पंडौल के सुता फैक्ट्री , गुलकोज फैक्ट्री सभी समाप्त हो गए लोग रोजगार के लिए पलायन कर रहें है क्या प्रधानमंत्री जी बाढ़ सुखाड़ का स्थाई निदान का आदेश इस बार देंगे,

माननीय मुख्यमंत्री ने किया महिला संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा,सारण जिला में कुल 2116 स्थलोंं पर 18 महिला संवाद" रथ के माध्यम से होगा कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी ने महिला संवाद रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना।

छपरा, ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत जीविका के माध्यम से पूरे बिहार राज्य में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन आज से किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ आज माननीय मुख्यमंत्री बिहार श्री नीतीश कुमार के द्वारा पटना में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में किया गया। इस कार्यक्रम का लाइव वेबकास्टिंग सभी जिलों में किया गया जिसमें जिलाधिकारी, उपविकास आयुक्त सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं एवं कार्यों के विषय में महिलाओं को जानकारी प्रदान करना है। महिलाओं को अपने गांव या टोलों की समस्याओं एवं आकांक्षाओं

को चिन्हित कर उसकी प्राथमिकता निर्धारण करने हेतु अवसर प्रदान करना भी एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। संवाद के दौरान प्राप्त समस्याओं का विभिन्न स्तरों पर त्वरित समाधान किया जाएगा। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर सरकार की योजनाओं के सूत्रण एवं नीति निर्धारण में महिलाओं की आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से समाहित करने का प्रयास सरकार द्वारा किया जाएगा। इस उद्देश्य से "महिला संवाद रथ" के माध्यम से विभिन्न स्थलों पर कार्यक्रम का आयोजन कर महिलाओं के साथ संवाद किया जाएगा। सारण जिला में 18 "महिला संवाद रथ" के माध्यम से इस कार्यक्रम का आयोजन 2116 निर्धारित स्थलों पर किया जाएगा। आगामी दो महीनों में सभी निर्धारित 2116 स्थलों पर इस कार्यक्रम का आयोजन जीविका के सक्रिय सहयोग से सुनिश्चित किया जाएगा।

कार्यक्रम के उद्घाटन के उपरांत जिलाधिकारी श्री अमन समीर ने समाहरणालय परिसर से "महिला संवाद" रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपविकास आयुक्त, डीपीएम जीविका सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

बिहार पसमांदा फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'शुक्रिया मोदी जी' का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने किया उद्घाटन

वक्फ कानून बनने के बाद पसमंदा मुसलमान आज पीएम मोदी को शुक्रिया कह रहे है: दानिश इकबाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- कार्यक्रम में उपस्थित पसमंदा मुसलमानों ने वक्फ कानून के लिए पीएम मोदी को दिया धन्यवाद*
- पसमांदा मुसलमानों के हित में है वक्फ कानून: डॉ. दिलीप जायसवाल
- वक्फ कानून से 'सबका साथ, सबका विकास' का संकल्प साकार हुआ: डॉ. दिलीप जायसवाल*
- वक्फ कानून को लेकर मुसलमानों को बरगलाया जा रहा है: डॉ. दिलीप जायसवाल*
- पीएम नरेंद्र मोदी ने सामाजिक न्याय के आधार पर पसमंदा मुसलमानों को मुख्य धारा में लाने का काम किया: दानिश इकबाल*

पटना 18 अप्रैल,बिहार पसमंदा फाउंडेशन के उपाध्यक्ष नूर आलम धोबी ने कहा पसमांदा मतलब अंसारी नहीं, पसमंदा में एक नहीं अनेक जाती हैं अंसारी समाज तो पहले से ही अल्पसंख्यक के बड़े जातियों के बराबर हैं भारत के सभी राज्यों में लगभग अल्पसंख्यक समाज में पसमंदा के नाम पर अंसारी लाभ उठाते आ रहे हैं, लेकिन हमेशा पसमांदा के नाम पर धोबी,कलाल, साईं, फकीर, नाल बंद, चूड़ी हार, मदारी, माली, बक्खो, मंसूरी, कुजड़ा, सब्जी फरोश, मिसकार इत्यादि पसमंदा मुसलमान को ठगते हुए हमेशा अंसारी समाज बोर्ड,निगम तथा सरकार में बने रहते हैं, भारत को आजादी के बाद आज तक पसमांदा मुसलमान में सिर्फ और सिर्फ अंसारी ही लाभ उठाते रहे हैं बाकी के अन्य जातियों को हमेशा पीछे दबाने का कार्य किया गया है आज भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने वक़्फ बिल संशोधन करते हुए हम सभी पसमांदा छोटी जातियों को हक दिलाने का कार्य किया है, हम सभी जाति के लोग माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी,माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी एवं केंद्रीय नेतृत्व तथा बिहार के उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री दिलीप जायसवाल जी के साथ-साथ बिहार के विकास पुरुष माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी का आभार प्रकट करते हैं,बिहार पसमांदा फाउंडेशन के अध्यक्ष और बिहार भाजपा के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल के पारित होने से अब गरीब मुसलमानों के साथ अन्याय नहीं होगा। इससे 'सबका साथ, सबका विकास' का संकल्प साकार होगा।भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि वक्फ एक तरह का ट्रस्ट है, जो मुसलमानों के हित में काम करने के लिए बनाया गया था। इस ट्रस्ट को मुसलमानों के सभी वर्गों के साथ न्याय करने का अधिकार है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसका लाभ कुछ लोगों तक सीमित रह गया। कमजोर मुसलमान इस लाभ से वंचित रहे। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वक्फ संशोधन विधेयक दोनों सदनों में पास किया गया।

उन्होंने कहा, "इस विधेयक के पास होने के बाद देश के करोड़ों मुसलमान आज प्रधानमंत्री को धन्यवाद दे रहे हैं। धन्यवाद दे भी तो क्यों नहीं।इस कानून में वक्फ की जायदाद और मजबूत होगी। इससे किसी को खतरा नहीं होगा।इसमें महिलाओं को प्रतिनिधित्व मिलेगा। वक्फ गरीबों और अनाथों के लिए होता है। इसका लाभ कोई और ले रहा था, उनसे जरूर हक छीनेगा और आम मुसलमान तक ये पहुंचेगा। भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने आगे कहा कि आज इस वक्फ कानून को लेकर मुसलमानों को बरगलाया जा रहा है, जबकि हकीकत है कि लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पर हो रही चर्चा में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने हिस्सा नहीं लिया। इधर, बिहार पसमांदा फाउंडेशन के अध्यक्ष और बिहार भाजपा के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड द्वारा कभी भी गरीब मुसलमानों को उसका हक देने की कोशिश नहीं की गई। लेकिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सामाजिक न्याय के आधार पर पसमंदा मुसलमानों को मुख्य धारा में लाने का काम किया और उन लोगों के साथ जो इनके हक और हुकूक को छिनने की मंशा रखते थे, उनके सपनों को तोड़ दिया।उन्होंने उपस्थित उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से बिहार वक्फ बोर्ड को और मजबूत बनाने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा कि इस बोर्ड को इतना मजबूत बनाइए कि यह अस्पताल बना सके, स्कूली बच्चों के लिए स्कूल बने, बेवा महिलाओं को सुविधा मिल सके। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर वक्फ बोर्ड के लाभ का पैसा गया कहाँ? आज यह सबसे बड़ा सवाल है और सही में जिन्होंने वक्फ को लेकर गड़बड़ किया वही लोग आज मुसलमानों को बरगला भी रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वक्फ कानून बनने के बाद पसमंदा मुसलमान आज पीएम मोदी को शुक्रिया कह रहा है। उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि आज यह सोचने की जरूरत है। यह पसमांदा समाज वही है जो पाकिस्तान का भी विरोध किया था। आज भी हम हिंदुस्तान के हैं और इसी के विकास के लिए खपेंगे।

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री जनक राम एवं पसमांदा फाउंडेशन के उपाध्यक्ष मो. नूर आलम धोबी, डॉ अमन हवारी, फैयाज काजमी, फिरोज सकारी, दिलशाद कलाल, कासिम हवारी, सेराज अहमद, शमशाद अंसारी, मो. इसराइल, मौलाना इकबाल खलील, नूरजहां, इकबाल अंसारी, मौलाना फिरोज, शाहबाना परवीन , रुकसाना परवीन, फातिमा खातून, रहमती खातून, फौजुद्दीन मंसूरी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।

विगत24 घंटे में विशेष अभियान चलाकर 50 अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए 146 वारंट एवं 12 कुर्की का किया गया निष्पादन

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा,पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों /अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन / बिक्री/भण्डारण / निर्माण/परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्ठी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए दिनांक-17.04.2025 को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-50 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें शराब कारोबार में-05, शराब सेवन-13, वारंट में-25, हत्या का प्रयास में-01, खनन में-01, अपहरण में-02 एवं जालसाजी में-03 अभियुक्त शामिल हैं।पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देशन में विगत 24 घंटे में विशेष अभियान चलाकर 50 अभियुक्त को गिरफ्तार कर 146 वारंट, 12 कुर्की, 69 इस्तेहार एवं 08 सम्मन का निष्पादन किया गया।जिले में अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल 73 वाहनों से 2,01,500 रु0 जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत देशी शराब-124 ली0, विदेशी शराब-2.25 ली०, अपहृता-03 एवं स्कूटी-01 बरामद ।

युवा समाजसेवी भाई राजू सहनी को स्थानीय सांसद व बिहु समिति के लोगों ने किया सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। असम राज्य के गुवाहाटी महानगर चांदमारी स्थित, पूर्व गुवाहाटी बिहू समिति के द्वारा बिहू सम्मेलन के दौरान गुवाहाटी की वर्तमान सांसद बिजुली कलीता मेधी व पुर्व सांसद कुईन ओझा के द्वारा संयुक्त रूप से हजारों लोगों की मौजूदगी में समस्तीपुर जिला के चर्चित युवा समाजसेवी राजू सहनी को असामिस परंपरा के अनुसार सराय, प्रशस्ती पत्र, बुकलेट, जापी, असमिया गमछा देकर सम्मानित किया गया। समस्तीपुर जिले के उजियारपुर प्रखंड मुख्यालय से सटे भगवानपुर कमला गांव निवासी सह सौरव इंडस्ट्रीज के संस्थापक महान समाजवादी विचारधारा के पुरोधा, गरीबों के मसीहा हरदिल अजीज राजू साहनी को सांसद कुईन ओझा के द्वारा सम्मानित किए जाने की खबर मात्र से उनके पैतृक जिला के साथ साथ उनके गांव में भी हर्ष का माहौल व्याप्त है। बधाई देने वालों में रामश्रेष्ठ सहनी, शिवकुमारी देवी, खुशबू कुमारी आदि लोगों का नाम शामिल है

आपरेशन उपलब्ध के अंतर्गत कार्यवाही

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

अपराध आसूचना शाखा छपरा जं व रेसुब पोस्ट छपरा की संयुक्त कार्यवाही में काउंटर रेलवे तत्काल टिकट की दलाली में संलग्न एक अभियुक्त की गिरफ्तारी की गई।18-04-25 को मै निरीक्षक संजय कुमार मिश्र साथ उनि संजय कुमार राय ,स उ नि ब्रिज सुंदर कुमार,हेका रामसूरत यादव सभी अपराध आसूचना शाखा छपरा जंक्शन एवं स उ नि आनंद मोहन सिंह , हेड कांस मुनेंद्र राय , सभी रेसुब पोस्ट छपरा की संयुक्त टीम द्वारा टिकट दलालों के विरुद्ध अभियान के क्रम में छपरा रेलवे आरक्षण केंद्र रेलवे के काउंटर तत्काल टिकट की दलाली में संलग्न एक टिकट दलाल रणधीर कुमार पुत्र मोहन प्रसाद, उम्र 48वर्ष, निवासी वार्ड नंबर 34 बड़ा तेलपा पुलिस लाइन हनुमान मंदिर के पास , थाना - टाउन छपरा जिला - छपरा (बिहार), को रेलवे स्टेशन छपरा आरक्षण के गेट के पास से 01 तत्काल काउंटर टिकट व02अदद रेलवे आरक्षित काउंटर टिकट के साथ गिरफ्तार किया गया ।उसके पास से बनवाये गए तत्काल टिकट 01 अदद कीमती रुपए 1685/- रु यात्रा तिथि 19-4-25 , तथा आगे की तिथियो का 02 अदद रेलवे आरक्षित काउंटर टिकट कीमत कीमत रुपया 1735 /- यात्रा तिथि 07- 5 -25 व रुपया 3470/- यात्रा तिथि 30 -4-25 फॉर्म 03 अदद सदा रेलवे आरक्षित काउंटर टिकट मांग पत्र मिला बरामदगी कर पूंछताछ के क्रम में व मोबाइल चेकिंग करने पर पूर्व में यात्रा किए जा चुके टोटल 19 टिकट जिसमें आठ तत्काल काउंटर टिकट कीमत रुपया 47735 /- तथा 11 अदद रेलवे आरक्षित टिकट कीमत रुपया 9840 /- टोटल टिकटों का कीमत एक तत्काल व दो समान लाइव काउंटर आरक्षित रेलवे टिकटों का कीमत रुपया रु6890 /- 19 तत्काल सामान्य रेलवे टिकटों की कीमत 575 75 टोटल 22 टिकट का कुल कीमत रुपया 64465 /- मिला उक्त के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त को रेसुब पोस्ट छपरा पर सुपुर्द किया गया है जिस पर मु0अ0 संख्या 215/25 धारा 143 रेल0 अधि0 सरकार बनाम रणधीर कुमार दिनांक18-04-25 पंजीकृत किया गया।मामले की जाँच-उपनिरीक्षक आरपीएफ पोस्ट छपरा सुंदर जीत राम के द्वारा की जरा रही है ।

मारपीट की घटना में महिला जख्मी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में गांव की ही एक महिला जख्मी हो गई, परिजनों के सहयोग से जख्मी महिला को सामुदायिक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। घायल महिला की पहचान 27 वर्षीय शहाना खातून पति महफूज आलम के रूप में की गई है। चिकित्सकों ने स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया।इसकी जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर हैदर ने दी है।

भारतीय इंसान पार्टी कर सकती है बिहार विधानसभा में छोटे दलों के साथ गठबंधन :-समीउल्लाह अहमद

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

। संवाददाता, रोजनामा इंडो गल्फ पटना भारतीय इंसान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री समीउल्लाह अहमद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि बिहार में अपराध बहुत ही ज्यादा बढ़ चुका है डबल इंजन की सरकार बिहार में बिल्कुल ही फेल है 2005 के पहले बिहार को जैसे लोगों ने देखा था उसी प्रकार फिर से डबल इंजन की सरकार को भी लोग देख रहे हैं लालू राबड़ी की सरकार जब बिहार में थी उस वक्त भी अपराध का ग्राफ बहुत ही बढ़ चुका था भ्रष्ट सरकार थी और आज डबल इंजन की सरकार भी भ्रष्ट है किसी प्रकार का बिहार में कोई कार्य नहीं किया जा रहा है आम जनमानस को सुरक्षा नहीं है इसे देखते हुए भारतीय इंसान पार्टी छोटे दलों के साथ तीसरा मोर्चा बनाकर लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी तथा तेजस्वी प्रसाद यादव की राजद और डबल इंजन की भाजपा,नीतीश की सरकार को बिहार की सत्ता से हटाने के लिए तीसरे मोर्चे की बिहार में जरूरत है, श्री अहमद ने बताया कि बिहार से लोग पलायन कर रहे हैं जल नल योजना बिहार में बिल्कुल लूट योजना बंद कर रह गई है दाखिल खारिज के नाम पर राजस्व कर्मचारी रुपए की वसूली कर रहे हैं शिक्षा और स्वास्थ्य बिल्कुल ही बिहार में फेल है पेपर लीक होना बिहार में आम बात हो गई है, पूर्व की राजद सरकार में जैसे चारा घोटाला हुआ था उसी प्रकार से नीतीश की सरकार में जल नल योजना के नाम पर बहुत बड़ा घोटाला है, बिहार में तीसरे मोर्चे की सरकार आती है तो सभी बिहार वासियों को शिक्षा स्वास्थ्य बेहतर से बेहतर देने का काम किया जाएगा तथा जल नल योजना की जांच भी सरकार कराएगी, श्री अहमद ने कहा की वक़्फ बिल संशोधन 2025 लाकर केंद्र सरकार अपनी नाकामी छुपा रही है, भाजपा की केंद्र सरकार सबका साथ सबका विकास के नाम पर गरीब किसान मजदूर लोगों को दीगभ्रमित कर रही है,

भारत-नेपाल जिलास्तरीय समन्वय समिति की बैठक एसएसबी कैंप जयनगर में आयोजित हुई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

भारत-नेपाल जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक एसएसबी कैंप जयनगर में आयोजित हुई। बैठक में दोनों पक्षो के प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में दोनों पक्षो के अधिकारियों द्वारा बारी-बारी से विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत रूप से द्विपक्षीय चर्चा की गई। माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार की राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर 24अप्रैल को मधुबनी में संभावित आयोजित कार्यक्रम के अवसर सुरक्षा व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा के अतिरिक्त दोनों देश के बॉर्डर पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, मानव तस्करी, शराब के भारतीय सीमा में प्रवेश पर नियंत्रण, बिहार में शराब बंदी को प्रभावी रूप से लागू करने में नेपाल के सीमावर्ती जिलों का महत्वपूर्ण सहयोग,बॉर्डर पर अतिक्रमण, जाली नोटों पर अंकुश, अपराधियों की धड़पकड़ असामाजिक तत्वों द्वारा खुली सीमा का दुरुपयोग, प्रतिबंधित दवाओं का दुरुपयोग,सूचनाओं का आदान-प्रदान सहित कई अन्य महत्वपूर्ण विषयो पर व्यापक चर्चा हुई,एवं संबधित अधिकारियों ने अपनी-अपनी बात रखी।जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने सर्वप्रथम नेपाली प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी बात विस्तार से रखी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ पूरी तरह से सजग होकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के संबंध सदियों से अत्यंत प्रगाढ़ रहे हैं।दोनों देशों के बीच बेटी-रोटी का सम्बंध है। उक्त बैठक में जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा, पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी जयनगर वीरेंद्र कुमार, अनुमंडल पुलिस पर अधिकारी जयनगर अनुमंडल पुलिस अधिकारी बेनीपट्टी,एसएसबी के अधिकारी आदि सहित नेपाली प्रतिनिधि मंडल में नेपाल के सभी संबंधित सीमांत जिलों के सीडीओ, पुलिस अधीक्षक आदि कई वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

भाजयुमो ने किया सोनिया राहुल का पुतला दहन

भाजयुमो ने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ किया प्रदर्शन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

भाजयुमो कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर आक्रोश व्यक्त कर रहे है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा के नेतृत्व में युवा मोर्चा कार्यकताओं ने सोनिया और राहुल गांधी द्वारा नेशनल हेराल्ड में किए गए घोटाले के विरुद्ध में इनकम टैक्स गोलंबर पर विरोध प्रदर्शन कर आक्रोश व्यक्त किया।

इस मौके पर भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा ने कहा कि भ्रष्टाचार और कांग्रेस का रिश्ता जन्मजात है। खुद पार्टी के दो पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी और श्री राहुल गांधी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं, फिर भी कांग्रेस का उनके बचाव में उतरना बेहद शर्मनाक है। हम सभी युवाओं की तरफ से सोनिया गांधी और राहुल गांधी से यह पूछना चाहते है कि ऐसा कौन सा बिजनेस मॉडल है, जिसमें ?50 लाख रुपए देखते ही देखते ?2000 करोड़ बन जाते हैं? राज्यभर में सभी जिला केंद्रों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करती है। जो भी गलत करेगा उसको सजा अवश्य मिलेगी। कांग्रेस को यह पता है कि उनके नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के विरुद्ध साक्ष्य पुख्ता हैं। गांधी परिवार को अब यह मान लेना चाहिए कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। ऐसे मामलों में बचाव की कोशिश कोर्ट में करना चाहिये, न कि सड़क पर। वैसे भी सबको यह पता है कि नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार फिलहाल अभी भी जमानत पर है। जिन लोगों ने भ्रष्टाचार किया और किसानों की जमीन हड़पी, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सलाखों के पीछे डालेगी।

कार्यक्रम में भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा, महामंत्री सीमांत शेखर, उपाध्यक्ष कुलभूषन, अभिषेक बंटी, राहुल झा, प्रदेश मंत्री जितेंद्र सिंह, गौरव पटेल, अंकेश सक्सेना, मुकेश यादव, विशाल प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी शिवम् सिंह, ऋषभ नारायण, महानगर अध्यक्ष मयंक जायसवाल, महामंत्री सनी मिक्की सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

केन्द्रीय विद्यालय सुतिहारा के खेल शिक्षक रोहित कुमार सिंह को मिला प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

सीतामढ़ी । केन्द्रीय विद्यालय संगठन, पटना संभाग के द्वारा केन्द्रीय विद्यालय जवाहर नगर, सुतिहारा के शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा शिक्षक रोहित कुमार सिंह को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

यह सम्मान उन्हें विद्यालय के छात्रों द्वारा के.वि.स. राष्ट्रीय खेल-कूद प्रतियोगिता सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु प्रदान किया गया है। जिसमें छात्रों ने 17 मेडल एवं 72 हजार नगद पुरस्कार जीता। रोहित सिंह ने न केवल अपने छात्रों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान किया, बल्कि अपने कर्तव्यों का निर्वहन भी पूर्ण निष्ठा, कार्यकुशलता एवं उच्च उत्पादकता के साथ किया।

इस उपलब्धि के लिए रोहित सिंह खेल शिक्षक को क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से उपायुक्त अनुराग भटनागर एवं सहायक आयुक्त पूर्णेन्दु मण्डल द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया गया। जिससे विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है और विद्यालय के प्राचार्य पंकज अग्रवाल, सहायक शिक्षिका रिजवाना अली एवं समस्त शिक्षक गण ने इस सम्मान के लिए उन्होंने बधाई दी है।

इस उपलब्धि के लिए रोहित सिंह खेल शिक्षक को क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से उपायुक्त अनुराग भटनागर एवं सहायक आयुक्त पूर्णेन्दु मण्डल द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया गया। जिससे विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है

दो दिवसीय अखंड अष्टयाम के विसर्जन के बाद जुलूस में उमडे.श्रद्धालु

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के मुन्नी मोड़ के पास अवस्थित बीएसएम ग्लोबल स्कूल के प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय अखंड अष्टयाम के समापन पर भजन कीर्तन, हवन के बाद भारी भीड़ के बीच समापन हो गया। समापन के बाद विसर्जन किया गया। विसर्जन के दौरान सैकड़ों श्रद्धालु श्री राम की पालकी के साथ शोभा जुलूस में शामिल हुए। पालकी को बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह कंधे पर उठाकर आगे आगे चल रहे थे। श्रद्धालु हाथ में झंडा लिए जय श्रीराम व जय श्री कृष्ण के नारे लगा रहे थे।विसर्जन के बाद भक्तों के बीच महाभोग प्रसाद का वितरण किया गया। वहीं आगत सभी का अधिवक्ता रितुराज सिंह ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह ने माता सीता व भगवान श्रीराम को प्रणाम पर आशीर्वाद लिया। इसके साथ ही विधायक श्री सिंह ने मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम से बनियापुर विधानसभा क्षेत्र के? आमजनों के लिए सुख, शांति, समृद्धि के साथ आरोग्य की कामना की। सांसद ने बताया कि हरे राम, हरे कृष्ण के अखंड संकीर्तन से काल कष्ट दूर होता है। सुख समृद्धि के साथ घर परिवार में शांति आती है। अखंड अष्टयाम की समाप्ति के पूर्व महा रूद्राभिषेक भी किया गया, वहीं मौके पर गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 20 अप्रैल को पहुंचेंगे बक्सर: राजेश कुमार

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, विधायक राजेश कुमार ने किया कार्यक्रम स्थल का व्यक्तिगत निरीक्षण

पटना/बक्सर, शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जय बापू-जय भीम-जय संविधान कार्यक्रम को लेकर 20 अप्रैल को दलसागर खेल मैदान, बक्सर आयेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बक्सर कार्यक्रम को लेकर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष एवं विधायक राजेश राम ने आज बक्सर पहुंचकर दलसागर खेल मैदान और चुरामनपुर में बन रहे हेलीपैड का निरीक्षण किया। इस दौरान संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार वंचित, शोषित समाज के बेहतरी के लिए काम कर रही है और बिहार में पार्टी को प्रदेश से लेकर प्रखंड स्तर पर मजबूत करने का काम कर रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष का आगमन बिहार में 20 अप्रैल को बक्सर और पटना में होने जा रहा है। ये बेहद ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है और आने वाले समय में शाहाबाद और पटना से बिहार में संविधान के सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मजबूत संदेश देने का काम करेंगे। उन्होंने सभी कांग्रेसजन सहित क्षेत्रवासियों को इस कार्यक्रम में प्रेस के माध्यम से आमंत्रण भी दिया।राष्ट्रीय अध्यक्ष के बक्सर आगमन को लेकर पर कार्यकताओं में बहुत उत्साह है, लोगों ने जगह-जगह उनका भव्य स्वागत किया।इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के साथ विधायक द्वय संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी, विश्वनाथ राम, प्रदेश प्रवक्ता डॉ स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, अशोक गगन, सौरभ सिंहा, राजीव मेहता, मंजीत आनंद साहू सहित जिला कांग्रेस के अन्य नेतागण मौजूद रहें।

जिले में 21 स्थलों पर आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं से स्थापित किया गया संवाद

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

- उच्च माध्यमिक विद्यालय रसलपुर में महिला संवाद कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने की शिरकत, महिलाओं से की संवाद
- महिला संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य की महिलाओं को सरकार के कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना और उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है

सीतामढ़ी । मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के कर कमलों के द्वारा राज्य अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में महिला संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उक्त कार्यक्रम का आगाज सीतामढ़ी जिले में भी हुआ। जिला अंतर्गत जीविका संपोषित कुल 2503 ग्राम संगठन स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आज जिले के सभी प्रखंडों में चिन्हित कुल 21 स्थलों पर महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने शिरकत की। उपस्थित महिलाओं को सरकार की कल्याणकारी एवं विकासात्मक योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। जागरूकता वाहन के द्वारा डॉक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से भी सरकार की योजनाओं की जानकारी महिलाओं को दी गई।एक तरफ जहां महिलाओं ने अपने वार्ड, पंचायत से संबंधित समस्याओं को रखा। वहीं दूसरी तरफ कुछ महिलाओं के द्वारा सरकार की विभिन्न योजनाओं से उनके जीवन में आए आमूलचूल परिवर्तन के बारे में अपने अनुभव साझा किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं के सुझाव भी प्राप्त हुए।

जिलाधिकारी रिची पांडेय डुमरा प्रखंड के रसलपुर पंचायत के उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में पहुंचे। जिलाधिकारी के द्वारा उपस्थित महिलाओं के साथ संवाद स्थापित किया गया। जिलाधिकारी ने उपस्थित महिलाओं को सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीविका के माध्यम से जीवन में खुशहाली आई है। समाज में व्याप्त कुरीति दहेज प्रथा निषेध, बाल विवाह निषेध और शराबबंदी को लेकर जीविका दीदियों के द्वारा जो जागरूकता अभियान चलाया गया वह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि लैंगिक भेदभाव को दूर करने की जरूरत है। साथ ही दहेज प्रथा और बाल विवाह जैसी कुरीति को खत्म करने की दिशा में आप आगे आएं। जिलाधिकारी ने कहा कि जहां पहले महिलाओं को केवल घरेलू जिम्मेदारियां तक सीमित माना जाता था वहीं अब वे नेतृत्व की भूमिका में नजर आ रही हैं। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं भी आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही है। सरकार के संकल्प और इच्छा शक्ति के कारण आज बिहार की महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्त होना समाज के समग्र विकास की कुंजी है।वहीं डीपीएम जीविका ने बताया कि सरकार के निर्देश के आलोक में अगले दो महीने तक महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन जिला अंतर्गत किया जाएगा।इसमें महिलाओं के जो सुझाव प्राप्त होंगे उसे जिला प्रशासन के माध्यम से सरकार को भेजा जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि इसके साथ ही सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को दी जा रही है।

कार्यक्रम में जिला जन संपर्क अधिकारी कमल सिंह, डीपीएम जीविका, सीडीपीओ डुमरा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस ने किया बथनाहा चौर से 270 लीटर विदेशी शराब बरामद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। वारिसनगर थाना क्षेत्र के बथनाहा चौर से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर प्रभंजन कुमार के मकई खेत से 270 लीटर विदेशी शराब बरामद किया।इसकी जानकारी देते हुए वारिसनगर थाना प्रभारी निरंजन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि बथनाहा गांव निवासी प्रभंजन कुमार के खेत में भारी मात्रा में शराब रखा हुआ है, सूचना प्राप्त होते ही उक्त स्थान पर पुलिस को भेजा गया जहां से 270 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि कौन व्यक्ति ने विदेशी शराब लाकर मकई खेत में रखा उसका पता लगाया जा रहा है।

गुप्त सूचना के आधार पर प्रभंजन कुमार के मकई खेत से 270 लीटर विदेशी शराब बरामद किया

पंचायती राज दिवस पर विशेष स्वच्छता अभियान का हुआ आगाज

स्वच्छता अभियान का उद्देश्य आमजनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है : जिलाधिकारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । पंचायती राज दिवस के अवसर पर जन भागीदारी को स्वच्छता के प्रति प्रोत्साहित करने हेतु जिले में आज से विशेष स्वच्छता अभियान का आगाज किया गया। सरकार के निर्देश के आलोक में नगर निगम एवं नगर निकायों तथा ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। नगर निगम सीतामढ़ी के द्वारा पुनौरा धाम परिसर में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में जिलाधिकारी रिची पांडे ने भाग लिया। मौके पर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार पांडे एवं नगर महापौर रौनक जहां परवेज भी उपस्थिति थी। जिलाधिकारी रिची पांडेय के साथ सभी पदाधिकारी, गणमान्य व्यक्तियों, एसएसबी के जवान, सामाजिक कार्यकताओं एवं कर्मियों के द्वारा स्वयं झाड़ू लेकर पुनौरा धाम परिसर की साफ सफाई की गई। जिलाधिकारी रिची पांडे ने इस मौके पर कहा कि पुनौरा धाम परिसर के साथ पूरे जिले में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और साफ सफाई को जन आंदोलन बनाना है। कहा कि इस अभियान के माध्यम से ग्राम पंचायत, शहरी निकायों एवं सार्वजनिक स्थलों पर साफ सफाई सुनिश्चित करना एवं आम जन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने नगर निगम के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा है कि यह एक सुंदर पहल है। पुनौरा धाम का अपना अलग पर्यटकीय महत्व है। पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण इस स्थल पर अन्य जिलों से एवं राज्यों से पर्यटक आते हैं। सरकार द्वारा इसका विकास किया जा रहा है। तत्पश्चात भविष्य में पर्यटकों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि होगी। ऐसे में यहां निरंतर सफाई अभियान चलाया जाना अपेक्षित होगा। उन्होंने कहा कि यह न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है बल्कि सांस्कृतिक सामाजिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण जगह है।

स्ट्रांम वॉटर ड्रेनेज सिस्टम कार्य का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । जिलाधिकारी रिची पांडेय मुरलिया चौक वार्ड, नंबर 19 का विजिट किया। यहां स्ट्रांम वॉटर ड्रेनेज सिस्टम का कार्य होना है। मौके पर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार पांडे, नगर महापौर रौनक जहां परवेज, जिला जनसंपर्क अधिकारी कमल सिंह भी उपस्थित थे। नगर आयुक्त पांडेय के द्वारा स्ट्रांम वॉटर ड्रेनेज सिस्टम संबंधित कार्य की अद्यतन स्थिति के बारे में जिलाधिकारी को जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने उक्त स्थल से ही दूरभाष पर बुडको के कार्यपालक अभियंता

नंबर 19 का विजिट किया। यहां स्ट्रांम वॉटर ड्रेनेज सिस्टम का कार्य होना है। मौके पर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार पांडे, नगर महापौर रौनक जहां परवेज, जिला जनसंपर्क अधिकारी कमल सिंह भी उपस्थित थे

मशरक के चौक चौराहे पर लगे हाई मास्ट लाइट , चेयरमैन ने दी जानकारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों के 19 प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर नगर पंचायत के द्वारा हाई मास्ट लाइट लगवा दिया गया है। जिसका शुभारंभ नगर पंचायत चेयरमैन सोहन महंतों ने बटन दबा कर किया। अब जो सार्वजनिक स्थान वाले इलाके रात होते ही अंधेरे में तब्दील हो जाते थे, वह अब दुधिया प्रकाश की रोशनी से नहाएंगे ,साथ ही इलाके में बेहतर रोशनी मिल रही है, जिससे रात में लोगों को चलनेझघुमने और बाजार आने जाने में आसानी हो रही है। चेमयरमैन सोहन महंतों ने बताया कि 19 स्थानों पर हाई मास्ट लाइट लगाया गया है, उन स्थानों में थाना परिसर के सामने , दुर्गा चौक, महावीर चौक, महाराणा प्रताप चौंक, मुन्नी मोड़ , पुराना रेलवे स्टेशन के पास, कुशवाहा टोला, सतीवारतीर चौंक,यदु मोड़, चंदेश्वर मोड़ समेत 19 जगह शामिल है। कार्यपालक पदाधिकारी मो शहनवाज रजा ने बताया कि लोगों की मांग और जनहित में 19 स्थानों पर हाई मास्ट लाइट लगाये गये हैं सभी हाइमास्ट लाइट में टाइमर लगाया गया है। शाम छह बजे लाइट जलेगी और सुबह छह बजे खुद ही बुझ जायेगी। सभी हाई मास्क लाइट की देखरेख कंपनी के द्वारा की जाएंगी।

अमिता भूषण ने संभाला कमान तेज हुए कांग्रेस का हर घर झंडा अभियान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बेगूसराय ःकांग्रेस का हर घर झंडा अभियान रफ्तार पकड़ रहा है। कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता इस अभियान में जी जान से जूटे नजर आते हैं। बुधवार को बेगूसराय नगर निगम क्षेत्र के अधीन वार्ड 40 और 42 में पूर्व विधायक अमिता भूषण दर्जनों कार्यकताओं के साथ कांग्रेस विचारधारा से जुड़े लोगों के घर पर झंडा लगाती नजर आयी। मोटे तौर पर कांग्रेस जन शीर्ष नेतृत्व के इस अभियान को उत्स्व के रूप में लेते हुए जोशो खरोष के साथ इस कार्यक्रम को अंजाम दे रहे हैं।श्रीमती भूषण ने कहा कि इस अभियान से हमें से जुड़कर पार्टी को जड़ से मजबूत करना है । अभियान के माध्यम से एक तरफ हम युवा पीढ़ी को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने में सफल हो रहे हैं तो कई ऐसे बुजुर्ग और समर्पित कांग्रेसी वोटर और सपोर्टरों से मिलने का भी सौभाग्य प्राप्त रहा है। जो किसी ना किसी वजह से आज हमसे दूर नजर आते थे

हम इस अभियान को कांग्रेस के अभिमान के रूप में ले रहे हैं और हर घर झंडा फहराने को संकल्प लिए हैं

डॉ0 प्रेम कुमार, मंत्री, सहकारिता विभाग, बिहार ने सर्किट हाउस मधुबनी में आयोजित प्रेस वार्ता में मीडिया को संबोधित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

डॉ0 प्रेम कुमार, मंत्री, सहकारिता विभाग, बिहार ने सर्किट हाउस मधुबनी में आयोजित प्रेस वार्ता में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि धान अधिप्राप्ति वर्ष 2024-25 में मधुबनी जिलान्तर्गत 9943 रैयत एवं गैर रैयत किसानों से 71814.16 एम०टी० धान की खरीद पैक्सों / व्यापार मंडलों के माध्यम से किया गया है। जिसके समतुल्य 48807 .००एम०टी० सी०एम०आर० में 33605.00 एम०टी० सी०एम०आर० की आपूर्ति कर दी गई है। जिलान्तर्गत 201 सक्षम एवं योग्य पैक्स/व्यापार मंडल का चयन गेहूँ अधिप्राप्ति हेतु किया गया है। गेहूँ अधिप्राप्ति का न्युनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपया प्रति क्विंटल निर्धारित है। गेहूँ अधिप्राप्ति दिनांक 01.04.2025 से प्रारंभ किया जा चुका है एवं वर्तमान समय तक पैक्सों के माध्यम से 22 किसानों से 77.6 एम०टी० अधिप्राप्ति की गयी है।

जिलान्तर्गत सबसे अधिक गेहूँ अधिप्राप्ति करने वाले तीन पैक्सों/व्यापार मंडलों को राज्य स्तर पर सम्मानित करने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है।

मुख्यमंत्री हरित कृषि संयंत्र योजना के तहत जिलान्तर्गत कुल 122 चयनित पैक्सों को 17.15 करोड़ रुपए का 737 कृषि यंत्र उपलब्ध कराया गया है।कृषि रोड मैप अन्तर्गत, मधुबनी जिला में पैक्सों / व्यापार मंडल में 200/500/1000 टळ क्षमता का गोदाम निर्माण का कार्य अन्न भंडारण एवं पैक्स कार्यालय के लिए किया जा रहा है। उक्त कम में कुल 133 गोदाम हेतु स्वीकृति प्राप्त हुईजिसमें से 118 गोदाम पूर्ण हो चुका है एवं 15 गोदाम निमार्णाधीन है।

मधुबनी जिलान्तर्गत वर्तमान में कुल 18 प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहयोग समितियों का निबंधन किया जा चुका है, जिसमें जिलान्तर्गत के कुल 2350 कृषक सदस्य है।

पैक्स कम्प्यूटराईजेशन योजनान्तर्गत प्रथम चरण में चयनित कुल 135 पैक्सों में से 130 पैक्सों को ऋक्क-छ५ी कर दिया गया है। पुनः द्वितीय एवं तृतीय चरण में कुल 154 पैक्सों का कम्प्यूटराईजेशन हेतु चयन कर प्रस्ताव विभाग को अग्रसारित कर दिया गया है।

पैक्सों को बहुउद्देशीय बनाने के उद्देश्य से पैक्सों के द्वारा भी कॉमन सर्विस सेन्टर, प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र, पेट्रोल/डिजल/छढत्रॄ आउटलेट, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र इत्यादि का कार्य किया जा रहा है।

तेज रफ्तार के अज्ञात वाहन की चपेट में आने से साइकिल सवार की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के चैनपुर गांव में एन एच 227 ए राम जानकी पथ पर अनियंत्रित अज्ञात तेज रफ्तार के वाहन की चपेट में आने से एक की मौत हो गई। मृतक चैनपुर गांव निवासी स्व श्याम पूजन सिंह का 40 वर्षीय पुत्र कन्हैया सिंह हैं । मौके पर पहुंची थाना पुलिस जांच पड़ताल कर रही हैं वहीं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।घटना के बारे में जानकारी मिली कि साइकिल से वे जा रहें थे कि अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिसमें ग्रामीणों के द्वारा इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष रणधीर कुमार ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया। मृतक अपने परिवार का कमाऊं सदस्य हैं और दो पुत्र और दो पुत्री हैं।

तेज हुई मांग: वैकल्पिक व्यवस्था होने तक जलधारित कार्यों पर रोक लगाए पेप्सी प्लांट

बीहट बाजार में टीम प्रियम ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बरौनी / बेगूसराय पेप्सी प्लांट के द्वारा हो रहे जल दोहन को लेकर बीहट बाजार में टीम प्रियम के द्वारा हस्ताक्षर अभियान चला कर लोगों को जागरूक करने और एकजुट करने के अभियान का आगाज किया। इस हस्ताक्षर अभियान के अंतर्गत लोगों का गुस्सा साफ देखा जा रहा था। टीम के द्वारा 10000 हस्ताक्षर का लक्ष्य रखा गया है। आज से इस अभियान को वार्ड और गांव स्तर शुरू किया जाएगा। इस अभियान में संजय सिंह, बिट्टू कुमार, विकास कुमार, प्रियांशु, राम, रघु सहित कई सारे सकारात्मक सोच के युवा सक्रिय रहे। टीम प्रियम ने बेगूसराय डीएम तुषार सिंगला से मांग की है कि जब तक संयंत्र पानी का वैकल्पिक व्यवस्था न करे तब तक संयंत्र में

जलाधारित कार्यों पर रोक हो, संयंत्र के 15 किलोमीटर की अवधि में स्थित जल स्त्रोत मृतप्राय पोखर, नहर, तलाब आदि के संरक्षण की जिम्मेदारी ले कर संरक्षित किया जाए क्योंकि क्षेत्र कृषि आधारित है और जल संकट की वजह से कृषि कार्यप्रभावित हो रहे हैं तब वर्तमान स्थिति के प्रतिफल तकनीकी गैरतकनीकी क्षेत्र में स्थानीय लोगो की रोजगार की भागीदारी 75% तक की जाय, संयंत्र के बंद होने की स्थिति में जीवन यापन के लिए निर्भर कर्मियों को जीवन यापन भत्ता प्रदान किया जाए, संयंत्र के 15 किलोमीटर में स्थित सार्वजनिक जगह जैसे विद्यालय, महाविधालय, सरकारी कार्यालय , खेल मैदान, पंचायत भवन में शुद्ध पेय जल की व्यवस्था अपने मद से करे, जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 को प्रभावी रूप से लागू किया जाय, भू जल मॉनिटरिंग एवं संरक्षण के संबंध में शोध संस्था की स्थापना किया जाय और संयंत्र बेगूसराय से विलुप्त हो रही नदियों एवं उसके स्त्रोत पर लोगो को जागरूक करें। टीम प्रियम ने मांग की है कि इन उल्लिखित मांगो पर विचार कर उपयुक्त एवं जिम्मेदार संस्था/संगठन कार्यालय को निर्देशित किया जाए।

हनुमाननगर प्रखंड अंतर्गत हिंद ग्राम संगठन के माध्यम से एक भव्य महिला संवाद का आयोजन किया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

दरभंगा :--- जिला के हनुमाननगर प्रखंड अंतर्गत हिंद ग्राम संगठन के माध्यम से एक भव्य महिला संवाद का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण आदि पर सम्वाद हुई। आज महिला संवाद कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी राजीव रौशन, डीडीसी, जीविका के राज्य परियोजना प्रबंधक एवं डीपीएम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित किये।ग्राम संगठन की जीविका दीदियों ने मिथिला परंपरा के अनुसार पाग और चादर से सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत की। जिलाधिकारी ने कहा, ह्ल महिलाओं को अवसर मिलता है, तो परिवार और समाज दोनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बिहार की महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। बिहार की सबसे बड़ी संपत्ति इसकी आधी आबादी है। जब यह आबादी मजबूत होगी, तभी बिहार का संपूर्ण विकास संभव है।दीदियों ने साझा किए बदलाव के अनुभव

कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित दीदियों ने अपने अनुभव साझा किएःपूजा कुमारी ने राशन कार्ड योजना से मिलने वाले लाभ की चर्चा की।प्रियंका कुमारी ने पोशाक योजना से बच्चों में आई आत्मविश्वास की बात कही। उन्होंने बताया कि समान पोशाक के कारण अब स्कूलों में अमीरी-गरीबी की भावना खत्म हो गई है।रेखा देवी ने लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत मिले शौचालय निर्माण अनुदान का लाभ साझा किया और बताया कि अब उन्हें बाहर शौच के लिए अब बाहर नहीं जाना पड़ता।नीलम देवी, प्रधानमंत्री आवास योजना की लाभार्थी, ने भावुक होकर कहा कि पहले उनके सिर पर छत नहीं थी, लेकिन अब खुद का पक्का घर है।

आवारा कुत्ता ने दो आगे भाई को काटा एक की मौत दूसरे का उपचार जारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के विभूतिपुर प्रखंड अन्तर्गत वाजिदपुर बंबइया गांव में कुत्ता काटने से एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि दूसरे की हालत गंभीर बताया गया है। मृतक और घायल दोनों सहोदर भाई बताये जाते हैं। इस बाबत बताया जाता है कि वाजिदपुर बंबइया पंचायत के बेलसंडी तारा गांव निवासी विजय साह के दो बेटे अभिषेक कुमार (8) वर्ष और विवेक कुमार (6) वर्ष को उस वक्त कुत्ते ने काट लिया जब दोनों बच्चे गांव में ही स्थित प्राइवेट स्कूल में कोचिंग पढ़ने जा रहे थे तभी वहां मौजूद आवारा कुत्ते ने दोनों को जबरदस्त तरीके से काट लिया। बताया जाता है कि जब तक स्थानीय लोग पहुंचते तबतक कुत्ते दोनों को काटकर लहू लुहान कर चुके थे। जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों की मदद से दोनों बच्चे को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया

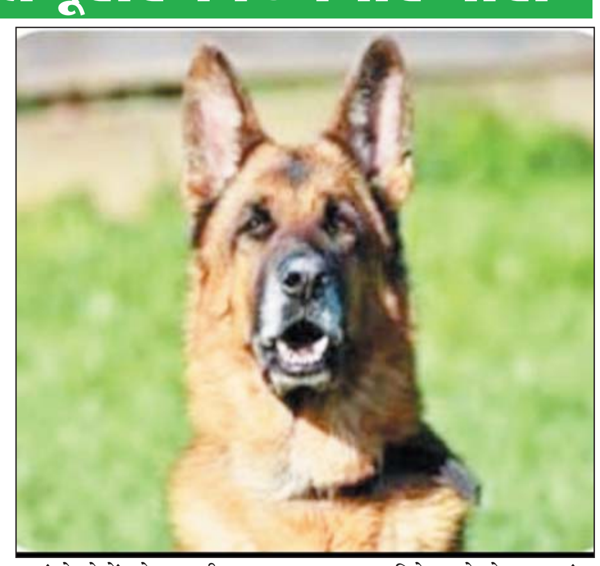

जहां से दोनों को समस्तीपुर सदर अस्पताल रेफर किया गया।बताया जाता है कि सदर अस्पताल के डॉक्टर ने अभिषेक की नाजुक स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे दरभंगा रेफर कर दिया। परिजन घायल अभिषेक को लेकर दरभंगा जा रहे थे तभी रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार वालों का रो रोकर बुरा हाल बना हुआ है वहीं घटना के बाद पूरे इलाके का माहौल गमगीन हो गया।

तेजस्वी यादव का सिपाही बना गरीबों का मसीहा राजद युवा नेता निशांत मंडल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के हरलाखी विधानसभा के राजद युवा नेता निशांत शेखर की चर्चा हर तरफ हो रही है निशांत शेखर हर समय जनता के बीच नजर आरहे है मनोज सदाए ने बताया कि निशांत शेखर जैसे नेता कम ही देखने को मिलता है हमलोग महादलित परिवार से आते हैं लेकिन निशांत जी हमलोगों के बीच हर समय तत्पर्य रहते है चाहे दुःख या सुख जब भी उन्हें हमलोग याद करते हैं हमलोगों के यहाँ आते हैं वहीं समाजसेवी दानिश इकबाल ने कहा कि हरलाखी विधानसभा में निशांत शेखर जैसे शिक्षित बेटा की जरूरत है इनके काम करने का अंदाज की आज हमलोगों के दिल में जगह बना हुआ है इनके साथ

युवा का लश्कर चल रहा है वहीं निशांत मंडल ने कहा कि तेजस्वी यादव के संदेशों को हरलाखी विधानसभा के हर घर तक पहुंचाना व हरलाखी क्षेत्र का विकास कैसे और विकसित होगा यही मेरा उद्देश्य है तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनाने को लेकर पुरे राज्य में चर्चा हो रही है

हमारे साथ टीम हर जिले में कार्य कर रहा है 2025 में बिहार के मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव फिक्स है हरलाखी को लेकर मेरा विजन है जिसमें हरलाखी सुन्दर बनेगा, शिक्षा रोजगार, स्वास्थ्य, सड़क मार्ग की स्थिति बदहाल हो चुकी है अस्पताल ने दवा नहीं मिल रही है कितनी दुर्भाग्य की बात है अस्पताल में इलाज के लिए कौन जाता है गरीब परिवार के लोग लेकिन उन्हें सारी दवा नहीं मिलपता है जिस से लोगों में साफ तौरसे सरकार के खिलाफ नाराजगी जाहिर होता है

वैसे इनका विजन है कि हर समय गरीबों एवं पिछड़ों के साथ हमेशा में खडा उतरने का प्रयास करता हूं..

अतिक्रमणकारियों के खिलाफ चला नगर परिषद प्रशासन का बुलडोजर

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा/ बेगुसराय तेघड़ा एसडीओ राकेश कुमार के निर्देश पर गुरुवार को बरौनी नगर परिषद अंतर्गत तारा अड्डा से फुलवड़िया बाजार तक बाजार को स्वच्छ सुंदर एवं व्यवस्था को बनाए रखने के लिए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान शुरू किया गया जिसके तहत अतिक्रमित भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए बरौनी नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी रणवीर कुमार, तेघड़ा राजस्व पदाधिकारी अभिषेक सौरभ एवं फुलवरिया थाना अध्यक्ष दिवाकर प्रसाद सिंह की उपस्थिति में पुलिस बल के सहयोग से बुलडोजर चलाया गया।

नगर परिषद की टीम पुलिस के सहयोग से सड़क के किनारे अवैध रूप से दुकानों के

बाहर दुकानदारों को द्वारा किए गए अतिक्रमणों को हटाया जा रहा है। अभियान की शुरूआत तारा अड्डा से शुरू की गई। अतिक्रमणकारियों द्वारा अवैध कब्जा कर दुकान के आगे लगे छतरी को जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त कर दिया। नगर परिषद द्वारा अभियान चलाए जाने से खास कर दुकानदारों में हड़कंप मच गया। इस दौरान नगर परिषद द्वारा कई दुकानदारों से जुमार्ना भी

वसूला गया।

अभियान के दौरान दर्जनों दुकानदारों द्वारा दुकान के आगे ऐस्वेस्टस तथा टीन के चादर की छतरी लगाई गयी थी जिसे जेसीबी के माध्यम से हटाया गया। बताया गया कि सड़क के दोनों किनारे दुकानदार द्वारा सड़क को अतिक्रमित कर सामान रख दिया जाता है। जिससे सड़क काफी संकड़ी हो जाती है। सड़क संकड़ी होने के कारण राहगीरों के साथ अन्य

लोगों को भी आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बताया गया कि उक्त मार्ग पर अतिक्रमण हटाए जाने के बाद दोनों तरफ 14 फूट सड़क को क्लीयर कराया जा रहा है। नगर कार्यपालक पदाधिकारी रणवीर कुमार ने बताया कि शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए लगातार अभियान चलाया जाएगा। प्रथम चरण में यह अभियान तारा अड्डा से फुलवरिया मुख्य बाजार होते बरौनी डेयरी तक चलाया जाएगा। उन्होंने दुकानदारों एवं आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि जो भी दुकानदार या व्यवसायी अपने दुकान के सामने सड़क को अतिक्रमित कर रखे है वे स्वयं सड़क को खाली कर दे। अन्यथा नगर परिषद के अतिक्रमण निरोधी धावा दल के द्वारा अतिक्रमण हटाए जाने के दौरान हुए नुकसान का जिम्मेदार स्वयं दुकानदार होंगे।

अंबेडकरवादियों का उबाल: 21 अप्रैल को एसडीओ-एसडीपीओ के खिलाफ होगा ऐतिहासिक प्रदर्शन।

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी/ बेगुसराय बखरी विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों दलित, पिछड़ा वर्ग तथा अंबेडकरवादियों के बीच भारी आक्रोश देखा जा रहा है। इसका कारण बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के अपमान को लेकर उठी जनभावनाएं हैं। इसी को लेकर अंबेडकर सावित्रीबाई फूले विचार मंच द्वारा आगामी 21 अप्रैल को बखरी एसडीओ और एसडीपीओ के खिलाफ धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। पहले यह कार्यक्रम 19 अप्रैल को प्रस्तावित था, लेकिन विधायक सूर्यकांत पासवान द्वारा एसडीओ से वार्ता के पश्चात तिथि में परिवर्तन कर इसे 21 अप्रैल को कर दिया गया। गुरुवार को खुद विधायक एसडीओ से मिलने पहुंचे और स्थिति की गंभीरता से उन्हें अवगत कराया। विधायक सूर्यकांत पासवान ने स्पष्ट रूप से कहा कि बाबा साहब का अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस घटना को लेकर पूरे बखरी विधानसभा क्षेत्र के अंबेडकरवादी, दलित और पिछड़ा समाज में जबरदस्त रोष है, जो आगामी 21 अप्रैल को सड़कों पर नजर आएगा। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में बैठकें आयोजित कर इस प्रदर्शन को सफल बनाने की तैयारी चल रही है। विधायक ने कहा यह प्रदर्शन न केवल बाबा साहब के अपमान के खिलाफ आवाज होगी, बल्कि अंबेडकर विरोधी ताकतों के लिए एक करारा जवाब भी साबित होगा। बखरी की धरती हमेशा से शांतिप्रिय और भाईचारे की मिसाल रही है, लेकिन यदि कोई इसके माहौल को खराब करने की साजिश करता है, तो उसे जनता मुंहतोड़ जवाब देगी। यह प्रदर्शन केवल एक राजनीतिक गतिविधि नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और अधिकारों की रक्षा के लिए एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। 21 अप्रैल को बखरी एकजुटता और संविधान की रक्षा के लिए एक बार फिर इतिहास रचेगा।

ई रिक्शा और बाइक की टक्कर में एक घायल ,सदर अस्पताल छपरा रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना परिसर के मुख्य गेट पर ही ई रिक्शा और बाइक की टक्कर हो गई जिसमे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान सिवान जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के माघर मोहर राय के टोला गांव निवासी मानवेन्द्र सिंह का 45 वर्षीय पुत्र आशुतोष सिंह के रूप में हुई। घटना के बारे में बताया गया कि ई रिक्शा बाजार से चैनपुर की तरफ जा रहा था कि सामने से आ रहे बाइक सवार की टक्कर हो गई जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना पुलिस ने घायल को इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया। घायल ने बताया कि शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था।

प्याज एवं लहसुन फसल में कीटों से सुरक्षा

आस्था शर्मा, पिंकी शर्मा, डॉ. दीपक गुप्ता
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविधालय, जोबनेर-जयपुर (राज.)

प्याज एवं लहसुन भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसलें है। इनकों सलाद के रूप में, सब्जी में, आचार या चटनी बनाते समय प्रयोग में लाते हैं। प्याज एवं लहसुन की खेती रबी मौसम में की जाती है लेकिन इनको खरीफ(वर्षा ऋतु) में भी उगाया जाता है। प्याज एवं लहसुन की फसल में विभिन प्रकार के रोग एवं कीट लगते हैं जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च विपणन योग्य कन्द उपज पाने के लिए उचित तरीकों से कीट और रोग प्रबंधन करना बहुत आवष्यर्क है। इसके अलावा, निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

1 कीटनाशक का छिड़काव रोपाई से 30 दिनों बाद या जैसे ही कीट रोग प्रकट हो, आरंभ कर देना चाहिए।

2 कीट की तीव्रता के आधार पर 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जाना चाहिए।

3 हमेशा छिड़काव करते समय चिपकने वाले पदार्थ (स्टीकर) ड़ाले।

4 एक ही वर्ग के कीटनाशकों का बार बार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

प्याज व लहसुन के प्रमुख कीट

चूसक कीट (थ्रिप्स टेबेसाई)

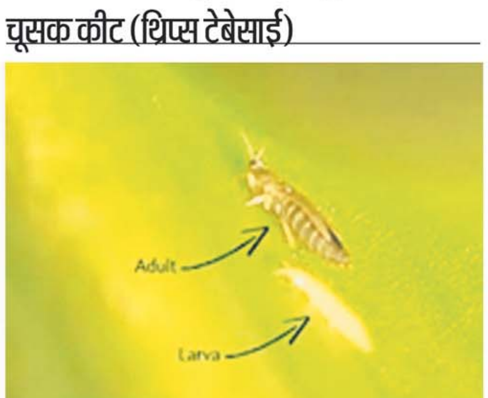

ये प्याज का प्रमुख रुप से हानि पहुंचाने वाला कीट है। इनका आक्रमण तापमान में वृद्धि के साथ तीव्रता से बढ़ता है और मार्च में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इनका रंग हल्का पीले से भूरे रंग का तथा छोटे-छोटे गहरे चकत्ते युक्त होता है। इस कीट के निम्फएवं प्रौढ़ दोनों ही अवस्थायें मुलायम पत्तियों का रस चूस कर उन्हें क्षति पहुँचाती है। इस कीट से प्रभावित पत्तियों में जगह जगह पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर पत्तियां सिकुड़ जाती है और पौधों की बढ़वार रुक जाती है तथा प्रभावित पौधों के कंद छोटे रह जाते हैं जिससे उपज मे कमी हो जाती है।

रोकथाम:

1. सर्वप्रथम रोपाई के पूर्व पौधों की जड़ों को दो घंटे तक कार्बोसल्फान एक मिली प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करना चाहिए।
2. इन कीटों का संक्रमण दिखाई देने पर नीम द्वारा निर्मित कीटनाशी (जैसे ईकोनीम, निरिन या ग्रेनीम) 3-5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार घोल तैयार कर शाम के समय फसल पर 10-12 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें
3. डाईमेथोऐट 30 ई.सी. 650 मि.ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या मेटासिस्टॉक्स 25 ई.सी. 1 ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 30 ई. सी. 5 मि.ली. प्रति 15 ली. पानी के साथ छिड़काव करें। कीटनाशक के सही प्रभाव हेतु चिपकने वाले पदार्थ (स्टिकर) जैसे सेन्डोविट या टीपॉल (2.5 ग्राम प्रति लिटर) का प्रयोग करना चाहिए।

प्याज की मक्खी: मैगट (हाईलिमिया ऐंटीकुआ)

यह मक्खी प्याज की फसल का प्रमुख हानिकारक कीट है जो अपने मैगट पौधों के भूमि के पास वाले भाग, आधारीय तने में दिए जाते हैं। मैगटों की संख्या 2-4 तक हो सकती है। इनसे भूमि के पास वाले तने का भाग सड़कर नष्ट हो जाने से पूरा पौधा सूख जाता है। कभी-कभी इस कीट द्वारा फसल को भारी मात्रा मे क्षति होती है

रोकथाम:

1. फसल की रोपाई पूर्व, खेत की तैयारी करते समय नीम की खली/खाद 3-4 क्विं. प्रति एकड़ की दर से जुताई कर भूमि मे मिलाएं।
2. खेत की तैयारी करते समय कीटनाशी क्लोरोपाइरिफॉस 5 प्रतिशत की दर से जुताई करते समय भूमि मे मिलाएं तत्पश्चात फसल की रोपाई करें।
3. खड़ी फसल मे इस कीट (मैगट) का संक्रमण दिखाई देने पर कीटनाशी क्यूनालफॉस 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार मात्रा में घोल तैयार कर शाम के समय 2-3 छिड़काव करें।

कटवा

इस कीट की सूंडियाँ या इल्ली जो कि 30-35 मिली मीटर लंबी एवं राख के रंग की होती है, पौधों की जमीन के अंदर वाले भाग को कुतर कर नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पौधे पीले पड़ने लगते हैं एवं आसानी से उखड़ जाते हैं।

रोकथाम:

1. फसल चक्र अपनाना चाहिए।
2. आलू के बाद प्याज की फसल नहीं लगाना चाहिए।
3. रोपाई के पूर्व थीमेट 10 जी 4 कि.ग्रा. एकड़ की दर से खेत में मिलाना चाहिए।

शीर्ष छेदक (हेलिओथिस आर्मिजेरा)

इस कीट का लार्वा पत्तियों को काटकर फसल को हानि पहुँचाता है। यह कीट प्याज की बीज वाली फसल में ज्यादा क्षति पहुँचाता है।

रोकथाम:

इनके नियंत्रण हेतु मिथाइल डेमेटोन या साइपरमेथ्रिन 0.5-1.0 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। घोल में 0.1 प्रतिषत ट्राइट्रोन या सैन्डोविट नामक चिपचिपा पदार्थ अवश्य मिलायें।

जैविक पशुपालन, स्वास्थ्यवर्धक एवं ज्यादा मुनाफे की तकनीक

जैविक पशुपालन से तात्पर्य है कि पशुओ को खिलाये जाने वाला चारा व दाना पुर्ण रूप से जैविक हो तथा पशुओ से प्राप्त उत्पाद संश्लेषित रासायनिक पदार्थ व खादों से पूर्णतरू मुक्त होना चाहिए द्य

जैविक पशुपालन के फायदे, मनुष्य व अन्य प्राणियों को जैविक उत्पादों का उपयोग कर घातक बिमारियों से बचाया जा सकता हैद्य स्थायी कृषि व पशुपालन को बढावा मिलता है द्य यह स्वास्थ्यवर्धक है द्य कम लागत से अधिक मात्रा व गुणवता वाले उत्पाद प्राप्त होना द्य मृदा का स्थायी स्वास्थ्यवर्धन करता है द्य जैविक खाद्य पदार्थो का बाजार मूल्यए सामान्य खाद्य पदार्थो से कई गुना अधिक है जिससे पशुपालक को ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

जैविक पशुपालन के लिये क्या करे रू. जैविक पशुधन फार्म का प्रमाणीकरण अधिकृत जैविक प्रमाणीकृत एजेंसी से ही करवाए द्य पशुओ को पूर्णतरू जैविक चारा व दाना खिलाये तथा चारा उत्पादन के लिये प्रमाणित जैविक बीजो का उपयोग करे द्य जैविक पशुधन फार्म मेंए अन्य पशुओ को नही आने दे द्य कीटोव पीडको का नियंत्रण जैविक विधि से करे द्य पशुओ को प्राकृतिक चरागाहो में ही चराये द्य इन पशुओ से प्राप्त उत्पादों को अन्य पशुओ से प्राप्त उत्पादों से अलग रखे तथा इनमे किसी भी प्रकार का रासायनिक संरक्षक व फीड एड़ीटिव नही मिलाये द्यउत्पादों की पैकेजिंग जैविक तरीके से करेए उत्पादों को प्रमाणीकृत एजेंसी से प्रमाणित करवाकर जैविक उत्पाद होने का मार्का लगाकर ही बेचे जिससे ज्यादा लाभ मिल सके द्य बीमार पशुओ के लिये जहा तक संभव हो होम्योपेथिक व आयुर्वेदिक दवाओ का उपयोग करे।

जैविक पशुपालन के लिये क्या नहीं करेरू. मृदा में संश्लेषित रासायनिक पदार्थो जेसे. कीटनाशी व पीडकनाशी आदि तथा रासायनिक खादों का उपयोग नहीं करे द्य पशुओ में जहा तक संभव हो एलोपेथिक दवाओ का उपयोग नही करे द्य जेनेटिकली मॉडिफाइड वैक्सीन व चारा उत्पादन के लिये जेनेटिकली मॉडिफाइड बीजो का उपयोग नही करे।

डॉ.नरेंद्र चौधरी, डॉ. शशि चौधरी
पशु विज्ञान केंद्र राजुवास बीकानेर

मुर्गियों के पेट में पानी भरने की बीमारी का ईलाज

मृत्युदर- 2-25 तेज बढ़ने वाले ब्रायलर नस्ल को अच्छा सन्तुलित आहार चाहिए और आज के परिवेश में सबसे अच्छा सन्तुलित आहार पिलेट फीड है परन्तु जब भी कोई किसान पिलेट फीड पहली बार शुरू करता हैं, तो तेज वजन बढ़ने के साथ-साथ उसे पेट में पानी भरने का भी सामना करना पड़ता है। यहां एक बार और साफ कर दें- लाट में तेज बढ़ने वाले ब्रायलर एसाईटिस से ज्यादा ग्रस्त होते है, विशेष रूप मे नर ब्रायलर, परन्तु जिनकी मृत्यु होती है, वह औरों के मुकाबले छोटे होते हैं। इसका तात्पर्य साफ है, कि यह तेज बढ़ने वाले ही थे, परन्तु पहले किसी समय इनके फेफड़े दिल एवं लीवर पर बुरा प्रभाव पड़ा, जिसके कारण इनके बढ़ने की रफतार धीमी पड़ गई और मरते समय औरों के मुकाबले छोटे रहे।

पेलट मिमक फीड और फीडिंग का मैनेजमेन्ट किस प्रकार करें कि एमाईटिस की समस्या से बचाएं रखा जाए।

लाभ की बात है पिलेट कम समय में अधिक खाया जाता हैं, इसलिए ब्रायलर तेज गति से बढ़कर कम समय में तैयार हो जाता हैं और एफ.सी.आर. भी कम आता है, परन्तु इसके लिए शरीर में मेटाबालिक क्रिया भी तेज हो जाती है। इस क्रिया की गति बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन हवा एवं पानी की आवश्यकता भी बढ़ जाती हैं। यदि यह आवश्यकता पूरी न हुई तो मोटाबालिक गति बहुत तेज होने के कारण ब्रायलर कोशिश करता है कि अधिक से अधिक रक्त फेफड़ों के जरियें पम्प किया जाए, जिससे दिल के राईट वैन्ट्रीकल पर बहुत अधिक दबाव पड़ता हैं, जो वास्तव में बहुत छोटा होता हैं, परन्तु दबाव के कारण इसका आकार दोगुना हो जाता हैं और कमजोर होकर उल्टा प्रैशर डालता हैं, जिसके कारण लीवर से प्लाजमा रिसाव लीक कर पेट में एकत्रित होता है, जो सफेद या पीला तरल होता हैं और पेट फूलना शुरू हो जाता हैं, जिसे एसाईटिस या वाटर बेली के नाम से जाना जाता हैं। अब

यहां जो बहुत ही महत्वपूर्ण बाते सामने आई है वह है हवा और पानी।

हवा और पानी की बिल्कुल मुफ्त है, उस पर हम कितना ध्यान देते हैं? बढ़िया वजन कम से कम फीड पर बिना किसी बीमारी के हवा एवं पानी का योगदान किसी भी हालात में बढ़िया से बढ़िया फीड से कम नही। बढ़िया फीड अकेले वह फल नही दे सकती, जिसकी हमें अपेक्षा हैं।

पानी- पिलेट फीड के कारण पानी की आवश्यकता ज्यादा है, अतः पानी हमें हर समय उपलब्ध हो एवं पानी के बर्तन बढ़कर लगायें जायें।

- पानी स्वच्छ फफूंद एवं कीटाणु रहित हो साथ ही पानी में क्लोराईड और सोडियम की मात्रा अधिक न हो-ठण्डा रहे।
- पानी का तापमान जाड़े में कमरे के तापमान से कम न हो और गर्मी में 220 सैंटीग्रेड से अधिक न हो-ठण्डा रहें।

हवा- हवा से ही पक्षी को आक्सीजन प्राप्त होती हैं एवं इसकी कमी आमतौर से पहले दिन से ही शेड में होती है, विशेष रूप से जाड़े में।

- तापमान बनाये रखने के लिए हम शेड को चारों और से पोलिथीन से कवर कर देते हैं। हवा अन्दर जाये तो किधर से जायें। अन्दर बुखारी जलती है, उसे भी जलने के लिए आक्सीजन चाहिए। जो गलती से थोड़ी खींच लेती हैं।

जैविक खेती- एक बेहतर खेती का विकल्प

डॉ. प्रवीण कुमार जागा मृदा वैज्ञानिक/ सहा, प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, गंजबासौदा

किसानों को अपनी खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए जैविक खादों के प्रयोग से अभियान को आगे बढ़ाने की शुरूआत करना चाहिए। इसके लिए हमारे किसानों को सबसे पहले अपने घर, आंगन, गली एवं खेत में उपस्थित कचरे को एक जगह इक्ठ्ठा करें। इनमे से कांच, पत्थर और प्लास्टिक को निकालकर अलग कर ले। आमतौर पर गांव के कचरे में सूखे पत्ते डंठल टहनियां मिट्टी आदि शामिल होती हैं। यह कचरा नाडेप कंपोस्ट बनाने की प्राथमिक सामग्री हैं। इसमें अनुपात अनुसार गोबर मिट्टी और पानी डालकर नाडेप कंपोस्ट बना सकते हैं। मात्र एक गाय के वार्षिक गोबर से 80 से 100 टन अर्थात लगभग 150 बैलगाड़ी खाद प्राप्त किया जा सकता हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के कृषक श्री नारायण पांडरी पांडे यानि नाडेप काका ने इस विधि को खोजा था। इसलिए इसे नाडेप कंपोस्ट नाम दिया गया हे। इस विध से तैयार खाद में नत्रजन 0.05 से 1.5 प्रतिशत स्फुर 0.5 से 0.9 प्रतिशत तथा पोटाश 1.2 से 1.4 प्रतिशत पाया जाता हैं। नाडेप की प्राकृतिक पद्धति पूर्णत्या अप्रदूषणकारी एंव जैविक है। इसमें गांव के कूड़े-कचरे का कल्याणकारी उपयोग होगा, साथ ही गांव स्वच्छ हर कर स्वास्थ्यवर्धक होगा तथा पोषक अन्न प्राप्त होगा। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढेगी और रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं पर निर्भरता भी कम होकर उनके दुष्परिणामों से भी बचा जा सकेगा। इस तरह से आप प्राकृतिक खाद का निर्माण कर सकते हैं और अपनी खेती को लाभ का धंधा भी बना सकते हैं।

नाडेप टांका बनाने की विधि- योग्य पाया भरकर जमीन के ऊपर ईंट का एक आयताकार टांका बनाया जाता हैं। जिसकी दीवारे 9 इंच चौड़ी होती हैं। टांके के अन्दर का माप लंबाई 12 फीट, चौड़ाई 5 फीट और ऊंचाई 3 फीट होती हैं। ईंटों की जुड़ाई मिट्टी से की जा सकती हैं। सिर्फ आखिरी रद्दा सीमेंट से जोड़िये ताकि टांका गिरने का डर नही रहेगा। टांके का फर्श ईंट पत्थर के टुकड़े डाल कर सीमेंट से पक्का करे। यह टांका हवादार होना आवश्यक है, क्योंकि खाद सामग्री को पकने के लिए कुछ मात्रा में हवा की आवश्यकता होती हैं। इसके लिए टांका बांधते समय चारों दीवारों में छेद रखें जाते हैं। ईंटों के हर दो रद्दों की जुड़ाई के बाद तीसरे रद्दे की जुड़ाई करे। इस प्रकार चारों दीवारों में छेद बनेगे। छेद इस प्रकार रखिए कि पहली लाईन के दो छेदों के मध्य में तीसरी लाईन के छेद आयें। इस प्रकार से तीसरे छटे एवं नौवें रद्दे में छेद बनेगें। छेदों की संख्या बढ़ाने से खाद जल्दी पक जाती हैं। इस टांके को अंदर बाहर दीवारों और फर्श को गोबर मिट्टी से लीप दें। टांका सूखने के बाद ही प्रयोग करें। बरसात व अत्यधिक गर्मी में नाडेप टांके के ऊपर अस्थाई छाया हैं।

नाडेप बनाने हेतु सामग्री

वानस्पति व्यर्थ पदार्थ- कुछ वनस्पति पदार्थ जैसे सूखे पत्ते छिलके डंठल टहनियां जड़े आदि जिसकी मात्रा 1400 से 1500 कि.ग्रा. या 400 घनफूट होना चाहिए, साथ ही इस बात का ध्यान रखना चाहिए, कि इसमें प्लास्टिक कांच एंव पत्थर नही होना चाहिए।

गोबर- पशुओं को गोबर जो 90 से 100 कि.ग्रा. या 8 से 10 टोकने गोबर का उपयोग करना चाहिए। गोबर को संयत्र से निकली स्लरी भी उपयोग में लाई जा सकती हैं।

सूखी छनी मिट्टी- खेत की या नाले आदि की मिट्टी के पहले उपयोग करना चाहिए। उपयोग के पहले इसमें से प्लास्टिक काचं एवं पत्थर आदि खाद न बनाने वाले पदार्थ निकाल लेना चाहिए। इसकी मात्रा करीब 2750 किलो या 120 टोकने गौमूत्र से सनी मिट्टी बहुत उपयोग होती हैं।

पानी- समयानुसार कम या ज्यादा पानी का उपयोग करना चाहिए, किंतु साधसरणतया सूखे वानस्पतिक पदार्थ के वजन बराबर 25 प्रतिशत वाष्पीकरण के लिए 1500 से 2000 लीटर प्रति कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए। जिसमें गौमूत्र एवं पशुओं का मूत्र भी मिट्टी में मिलाना चाहिए।

टांका भरने की पद्धति- सबसे पहले हमारे किसान उपरोक्त बताए अनुसार सामग्री की व्यवस्था लें। तत्पश्चात निम्नानुसार क्रम से टांका को भरे। जिस तरह अचार एक ही दिन या 24 घंटे में डाला जाता हैं। ठीक उसी तरह टांका एक दिन में भरकर सील कर देना चाहिए। अन्यथा खाद बनाने की क्रिया प्रभावित हो सकती हैं। भराई विधि निम्नानुसार क्रम से करें।

प्रथम उपचार- जिसके अंतर्गत प्रथम भराई का काम करने से पहले टांके के अंदर की दीवार को अच्छी तरह से पानी छिड़क कर गीला कर लेना चाहिए। अब बात करते है, दूसरी परत की जिसमें गोबर का घोल पहली परत इस प्रकार छिड़के कि पूरी वनस्पति अच्छी तरह भाग जाये। गर्मी के मौसम में पानी का अंश अधिक रखें। यदि आपने गोबर की स्लरी ली हो तो 2.5 गुना या 10 ली. पानी की मात्रा कम रखें। इसके बाद साफ छनी भीगी मिट्टी वनस्पति पर डाले। जिसकी मात्रा कम से कम 50 से 60 किलो या वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत काली मिट्टी समतल बिछा देना चाहिए और उस पर पानी छिड़क देना चाहिए। अब तीसरी परत के लिए साफ सूखी छनी मिट्टी भीगी हुई वनस्पति परत पर वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत यानि 50 से 60 किलो काली मिट्‌टी समतल बिछा दें। टांके को इस प्रकार तीन परतों को क्रम से टांके के मुंह के ऊपर 1.5 फीट ऊंचाई का झोपड़िनुमा आकार में भरते जाईए। साधारणत्या 11-12 तहों में टांका भर जायेगा। अब भरे टांका को सील कर दें। भरी सामग्री के ऊपर 3 इंच की मिट्टी की तह जमा दें और उसे गोबर के मिश्रण से व्यवस्थित रूप से लीप दें और यदि इस पर दरारे पड़े तो उन्हें लीप दें।

द्वितीय उपचार- इसे फिर से वनस्पति कचरे की उपरोक्त विधि से 6-6 इंच की परत से टांके से दो से ढ़ाई फीट ऊपर तक भर दें और टांके गोबर से लीपकर सील कर दें। सामग्री नम बनी रहे उसे सूखने न दे जरूरत के अनुसार इन्ही छेदों में पानी छीटते रहे। 70 से 90 दिन बाद, जब खाद पक गई हो और तापमान सामान्य हो जावे तब टांके में सब्बल से जगह-जगह 15 से 20 छेद करें। अब एक-एक किलो राईजोबियम एजेटोबेक्टर जीवाणु और पी.एस.एम. एक-एक बाल्टी पानी में अलग-अलग घोलकर अलग- अलग छेदों को फिर से बंद कर दें। उचित यह होगा कि जिस फसल में उत्पादित खाद का उपयोग किया जाना है, उसी फसल से संबंधित राईजोबियम कल्चर का उपयोग करें। खाद की गुणवत्ता बढेगी। नत्रजन स्फुर व पोटाश की मात्रा अधिक होगी और अधिक संख्या में जीवाणु भी होगें। 110-120 दिन बाद टांके से निकाले। खाद के ढेर को छांव में रखकर पत्ते से ढेक दें। इस पर पानी का हल्का छिड़काव करें। ऊपरी अधपका 10-15 प्रतिशत कचरा अलग कर उसे नया टांका भरते समय काम में लावे। एक टांके भरते समय काम में लावे। एक टांके से 2.5 से 2.7 टन खाद निकलती है, जो एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होगी।

दक्षता- नाडेप परिपक्व होने के लिए प्रथम भराई की तारीख से 90 से 120 दिन लगते है। इस पूरे समय में खाद में सार्द्रता बनी रहने के लिए और दरारे बंद करने के लिए गोबर पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। आवश्यक लगे तो छेदों में भी पानी छिड़क कर इस पर दरारे न पड़ने दे। घास उगे तो उसे निकाल दें। नमी कायम रखे यदि कड़ी धूप हो तो उस पर घास फूस की चटाई से छायां कर दें या अस्थाई छप्पर बना दें, जिससे धूप एवं वर्षा से सरंक्षण मिल सके।

खाद की परिपक्वता- तीन चार महीने में खाद गहरे भूरे रंग की बन जाती हैं और सब दुर्गन्ध समाप्त होकर एक अच्छी खुशबु आती हैं। खाद सूखना नही चाहिए। इसमें 15 से 20 प्रतिशत नमी रहना ही चाहिए। इस खाद को एक फीट से 35 तार वाली छलनी से आड़ी रखकर छान लेना चाहिए। छना हुआ नाडेप कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए और छलनी के ऊपर का अर्द्धपक्व कच्चा माल फिर से खाद बनाते समय वनस्पति पदार्थ के साथ उपयोग में लाना चाहिए। छना खाद प्रति एकड़ 20 से 25 घन फीट बोकर दिया जा सकता हैं।

खाद के उपयोग की पद्धति- यदि आपके पास प्रति एकड़ वर्ष 3 से 5 टन खाद बोनी के 15 दिवस पूर्व खेत में फैला कर बखर चला देना चाहिए। यदि पहले ही वर्ष रासायनिक खाद नही देना हो तो नाडेप कंपोस्ट की मात्रा की तीन गुनी यानी कम से कम 10 से 15 टन नत्रजन 50 से 70 टन स्फुर और 130 किलो पोटाश और 9700 किलो सूक्ष्म अन्नद्रयुक्त पोषण मिल सकता है, क्योंकि कोई खाद पहले वर्ष में 33 प्रतिशत दूसरे वर्ष में 45 प्रतिशत और शेष 22 प्रतिशत तीसरे, चौथे वर्ष में पूरा उपलब्ध नही हो सकता हैं।

अमृत पानी- देशी गाय के 10 किलो ग्राम ताजे गोबर की देशी गाय के दूध से बना नोनीया घी 250 ग्राम अच्छी तरह फेटे, इसके बाद इसमें 500 ग्राम शहद मिलाकर फेटे। इस मिश्रण में से करीब आधा किलो मिश्रण लेकर बड़ के पेड़ के नीचे की आधा कि.ग्रा. मिट्टी अच्छी तरह मिला दें। अब इसकी एक कि.ग्रा मिश्रण को पतला कर बोनी करे। बोवनी के बाद अमृत पानी का छिड़काव करें।

विधि- अमृत पानी को या तो बोवनी के पूर्व की सिंचाई के साथ या बोवनी के बाद की प्रथम सिंचाई के साथ करें।

अमृत संजीवनी- मोबिल आईल की खाली 200 लीटर वाली ढक्कन कोठी लेवे। जिसमें दो रिंग से तीन समान भाग होते हैं। इस ड्रम में देशी गाय बैल बछियां का ताजा 60 किलो गोबर डाले। जिसमें दो रिंग तक अर्थात 2/3 भाग पर जावेगा। इस गोबर पर तीन कि.ग्रा यूरिया, तीन कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा एक किलो ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश कुल 7 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक तथा दो किलो मूंगफली की खली डाले। अब इस टंकी में पानी भर दें। मात्र ऊपर के किनारे से तीन इंच खाली रखें। संपूर्ण मिश्रण को लकड़ी से अच्छी तरह चला दें और ढक्कन बंद करके 48 घंटे यानि दो दिन रखे। तत्पश्चात फसल में दें।

उपयोग विधि- प्रति कतार एक लीटर अमृत संजीवनी का मिश्रण देना चाहिए। मिश्रण को हाथ से मिलाकर महीन कर लेना चाहिए। पहले छिड़काव के 7 दिन बाद बदलाव दिखने लगेगा।

मटका खाद- 15 कि.ग्रा. ताजा गोबर, देशी गाय का 15 लीटर ताजा गोमूत्र तथा 15 लीटर पानी मिट्टी के घड़े में घोल लेवे। इसमें 250 ग्राम गुड़ भी मिला देवें। इस घोल को मिट्टी के बर्तन में ऊपर से कपड़ा या टाट मिट्टी से पैक कर देवें। 4-5 दिन बाद इस घोल में 200 लीटर पानी मिलाकर एक एकड़ खेत में समान रूप से छिड़क देवें। यह छिड़काव बोनी के 15 दिन बाद करें। पुनः सात दिन बाद दोहरावें। सामान्यतया फसल में 3-4 बार और लंबी अवधि की फसल जैसे गन्ना, केला, हल्दी में 8 बार छिड़के।

बायों गैस स्लरी- बायो गैस संयत्र में गोबर की पाचन क्रिया के बाद 25 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपान्तर गैस के रूप में होता हैं और 75 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपांतर खाद के रूप में होता है। 2 घन मीटर के गैस सयंत्र में जिसमें करीब 50 कि.ग्रा. गोबर राज या 18.25 टन गोबर एक वर्ष में डाला जाता हैं। उस गोबर से 80 प्रतिशत नमी युक्त करीब 10 टन बायों गैस स्लरी का खाद प्राप्त होता हैं। यह खेती के लिए अति उत्तम खाद है। इसमें 1.5-2.0 प्रतिशत नत्रजन स्फुर 1.0 प्रतिशत तक होता हैं। इसके अलावा सूक्ष्म पोषक तत्व एवं ह्यूमस भी पाया जाता हैं।

उपयोग विधि- यह खाद असिंचित खेती में करीब 5 टन व सिंचित खेती हेतु 10 टन प्रति हैक्टेयर के मान में डाला जाता हैं।

जीवाणु खाद- रासायनिक खेती के दीर्घकालीन परिणामों को देखते हुए कृषकों को वापिस जैविक खेती की ओर लौटना होगा। अगर देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाना है तो जैविक खेती में यू तो कई घटक है, लेकिन केंचुआ और उसके उत्पादों को प्रथम श्रेणी में रखा गया हैं। इसलिए टिकाऊ खेती के लिए खेती में केंचुओं की संख्या बढ़ाने के प्रयास करने की आवश्यकता हैं। केंचुआ न केवल खाद, मल आदि देता है, बल्कि यह आय का अच्छा स्त्रोत बन सकता हैं।

निर्माण एंव उपयोग विधि- केंचुआ खाद के उत्पादन की विधि एवं सरंचना पर वर्मी कंपोस्ट बनाने के लिए छायादार स्थान और मुख्य सामग्री के रूप में घास पत्तियां गोबर सब्जियों के छिलके आदि अपघटनशील पदार्थो का चुनाव करते है। फिर भी केंचुओं के अधिक एवं अच्छे उत्पादन के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं। पहली विधि है- टांका विधि

टांका विधि- जिसके अंतर्गत जमीन के ऊपर इंटों को टांका बनाया जाता हैं। टांके के तल में 1 इंच मोटी तब बिछाकर नम कर लें एवं कार्बनिक पदार्थ की 3 से 4 इंच की तह बिछाकर 2 से 3 इंच पकी गोबर की खाद डाले। तत्पश्चात 2000 केंचुए या 100 से 150 केंचुए/ वर्ग फुट के हिसाब से फैला दें एवं घास फूस से ढक दें तथा प्रतिदिन के हिसाब से पानी देते रहे। जबकि दूसरी विधि है- गड्ढा विधि।

गड्ढा विधि- इस विधि के अंतर्गत जमीन पर गड्ढा खोदकर इसके तल को पक्का करके पहली विधि के अनुसार ही मिट्टी, सामग्री तथा केंचुए डालकर टाट से ढक दें और पानी देते रहें।

ब्रिजस्टोन इंडिया अपनी टायर रेंज का करने जा रही विस्तार

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए ब्रिजस्टोन इंडिया अपनी टायर रेंज का विस्तार करने जा रही है। ब्रिजस्टोन कंपनी अपनी ईवी-रेडी ट्यूरांज़ा 6 आई और ड्यूलर ऑल टेरेन (ए/टी) 002 टायर रेंज को नए साइज में बाजार में पेश करेगी। कंपनी के कार्यकारी निदेशक, राजर्षि मोइत्रा ने बताया कि इस विस्तार का उद्देश्य विभिन्न प्रकार की गाड़ियों की जरूरतों को पूरा करना है। ट्यूरांज़ा 6 आई टायर एसयूवी, सीयूवी, सेडान और हैचबैक सेगमेंट की गाड़ियों के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह 14 से 20 इंच के आकार में उपलब्ध होगा। वहीं, ड्यूलर ए/टी 002 विशेष रूप से 4गुणा4 गाड़ियों के लिए विकसित किया गया है। भारत में टायर बाजार हर साल लगभग 4.4 करोड़ यूनिट का है, जिसमें 2 करोड़ यूनिट ओईएम सेगमेंट और 2.4 करोड़ यूनिट आफ्टरमार्केट सेगमेंट में आती हैं। ब्रिजस्टोन इंडिया का दावा है कि आफ्टरमार्केट सेगमेंट में उसकी 20प्रतिशत हिस्सेदारी है, और कंपनी मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, महिंद्रा, हुंडई, टोयोटा और होंडा जैसी प्रमुख कार निर्माताओं के साथ साझेदारी में काम करती है। मोइत्रा ने कहा कि ट्यूरांज़ा 6द्व एक ईवी-रेडी टायर है और यह आफ्टरमार्केट में पहले से उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, कंपनी अपने ओईएम पार्टनर्स के साथ मिलकर ईवी प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रही है।ब्रिजस्टोन इंडिया के इंदौर और पुणे में दो उत्पादन प्लांट हैं, जहां कुल मिलाकर रोज़ाना 30,000 टायर बनाए जाते हैं। 2024 में 85 मिलियन डॉलर निवेश की घोषणा के साथ कंपनी पुणे प्लांट की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने की योजना बना रही है।

मोइत्रा ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में आफ्टरमार्केट सेगमेंट में हर साल 6 से 8 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है, और कंपनी का लक्ष्य अपनी हिस्सेदारी को मजबूत करना है।

भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 2023 में 95,859 यूनिट से बढ़कर 2024 में 1,13,441 यूनिट हो गई है, जिससे ईवी टायरों की मांग में भी वृद्धि हुई है।

रसायन, पेट्रोरसायन क्षेत्र पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रहा है भारत

भारत के कुल निर्यात में रसायन की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय रसायन एवं पेट्रोरसायन सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा ने देश के रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का आकलन करने की सरकारी पहल की घोषणा की है। निवेदिता शुक्ला ने एक विचार-विमर्श सत्र में बताया कि यह निर्णय उद्योग जगत के साथ संवाद स्थापित करने के लिए किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अतिरिक्त 26 प्रतिशत के जवाबी शुल्क लागू करने का फैसला लिया था, जिसे अब नौ अप्रैल को 90 दिन के लिए टाल दिया गया है। इसके बावजूद, 10 प्रतिशत का मूल शुल्क अब भी लागू है।

उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, भारत के कुल निर्यात में रसायन की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है।

इसका अंतरराष्ट्रीय निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 5.7 अरब अमेरिकी डॉलर था। निवेदिता शुक्ला ने कहा कि सरकार उद्योग जगत के साथ विचार-विमर्श के बाद उपाय निर्धारित करेगी और उद्योग के स्थिति का समीक्षा करेगी। इस नए विकल्प का अनुसरण करते हुए, भारतीय रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग अपने व्यापारिक प्रवृत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

(इन्दौर) आज से इन्दौर में शुरू होगा प्रीमियम एक्सटीरियर्स एंड इंटीरियर्स एक्सपो-2025

सांसद लालवानी करेंगे शुभारंभ, एक्सपो में चार दिन तक चलेगा इनोवेशन का उत्सव

इन्दौर।

इन्दौर शहर आज से एक शानदार डिज़ाइन आयोजन का गवाह बनने जा रहा है। प्रीमियम एक्सटीरियर्स एंड इंटीरियर्स एक्सपो - 2025 का भव्य शुभारंभ आज दोपहर 2 बजे इन्दौर के लाभगंगा एक्सपो सेंटर में इन्दौर के सांसद शंकर लालवानी और एसोसिएशन ऑफ इंड्रस्टी के प्रेसिडेंट योगेश मेहता के द्वारा किया जाएगा। यह चार दिवसीय आयोजन, जो 18 से 21 अप्रैल तक चलेगा, देशभर के आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनर्स, बिल्डर्स, व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं को एक साथ लाने का मंच बनेगा। इस एक्सपो का उद्देश्य डिज़ाइन इंडस्ट्री में हो रहे नवीनतम नवाचारों, अत्याधुनिक तकनीकों और आधुनिक उत्पादों को प्रदर्शित करना है। एम.वी. पटेल एंड कंपनी और फ्यूचर इवेंट्स द्वारा आयोजित यह आयोजन, भारत और विदेश के अग्रणी ब्रांड्स को एक मंच पर लाकर इंटीरियर और एक्सटीरियर डेकोर की दुनिया को करीब से देखने और समझने का अवसर प्रदान करता है। इस मौके पर फ्यूचर इवेंट्स के डायरेक्टर अमेय गोखले ने कहा कि यह एक्सपो केवल उत्पादों की प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा मंच है जहाँ विचार, क्रिएटिविटी और बिज़नेस के नए आयाम खुलते हैं। उन्होंने कहा, ÷हमारा उद्देश्य केवल व्यापारिक नेटवर्क को सशक्त करना नहीं, बल्कि डिज़ाइन इंडस्ट्री को एक साझा विज़न के साथ आगे ले जाना है। यहां प्रोफेशनल्स, ब्रांड्स और नवाचारकर्ता आपस में संवाद कर नए आइडिया और टेक्नोलॉजी को अपनाने की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे। गोखले ने कहा कि एक्सपो के प्रमुख आकर्षणों में लाइव डेमो, प्रोडक्ट लॉन्च, इंडस्ट्री विशेषज्ञों के सेमिनार और वर्कशॉप्स, साथ ही ब्रांड्स के साथ डायरेक्ट इंटरैक्शन शामिल हैं। यह आयोजन उन लोगों के लिए भी एक बड़ा अवसर है जो अपने घर, ऑफिस या प्रोजेक्ट्स में नई सोच और उत्कृष्ट डिज़ाइन समाधान तलाश रहे हैं। आने वाले चार दिनों तक इन्दौर डिज़ाइन, तकनीक और क्रिएटिविटी का प्रमुख केंद्र बना रहेगा। आज का दौर केवल सुंदर डिज़ाइन का नहीं, बल्कि स्मार्ट और टिकाऊ समाधान का है। यह एक्सपो दर्शकों को न केवल दृश्य सौंदर्य की झलक देगा, बल्कि उन्हें यह भी सिखाएगा कि कैसे तकनीक और इनोवेशन के ज़रिए जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सकता है।

इनोवा हाइक्रॉस फिर बनी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार

नई दिल्ली।

टोयोटा ने मार्च 2025 की बिक्री रिपोर्ट जारी की है, जिसमें इनोवा हाइक्रॉस एक बार फिर कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही। बीते महीने इसकी 9,856 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले पांच महीनों में इसका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन रहा। वहीं, कंपनी की प्रीमियम और लग्जरी एमपीवी वेलफायर की बिक्री ने सबको चौंका दिया। फरवरी में जहां इसकी सिर्फ 19 यूनिट्स बिकी थीं, वहीं मार्च में यह आंकड़ा 346 यूनिट्स तक पहुंच गया, जिससे इसे 1721 प्रतिशत की जबरदस्त ग्रोथ मिली। यह डिमांड टोयोटा कैमरी से भी ज्यादा रही, जिसकी बिक्री 203 यूनिट्स रही। लग्जरी फीचर्स से लैस वेलफायर एक स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड एमपीवी है, जिसमें 2.5-लीटर इनलाइन चार-सिलेंडर इंजन के साथ इलेक्ट्रिक मोटर और हाइब्रिड बैटरी मिलती है। यह इंजन 142 किलोवाट की पावर और 240 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। कंपनी के अनुसार, यह मॉडल 19.28 किमी प्रति लीटर तक का माइलेज देता है और इसका हाइब्रिड सिस्टम 40प्रतिशत दूरी और 60प्रतिशत समय तक जीरो एमिशन मोड पर चलने में सक्षम है। वेलफायर तीन बाहरी रंगों प्लैटिनम पर्ल व्हाइट, जेट ब्लैक और प्रेशियस मेटल में उपलब्ध है, जबकि इंटीरियर में सनसेट ब्राउन, न्यूट्रल बेज और ब्लैक ऑप्शंस दिए गए हैं। इसमें 14-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 15 जेबीएल स्पीकर, एपल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो की सुविधा मिलती है। दूसरी रो की सीट्स में मसाज फंक्शन और प्री-सेट मोड्स हैं, जबकि पूरी एमपीवी को ज्यादा स्पेसियस और कंफर्टेबल बनाया गया है। यह मॉडल अब 60 से ज्यादा कनेक्टेड फीचर्स जैसे रिमोट डोर लॉक/अनलॉक, ड्राइवर मॉनिटरिंग अलर्ट और व्हीकल डायग्नोस्टिक्स से लैस है।

महिंद्रा के दो लेटेस्ट वर्जन लांच होंगे 2026 तक

नई दिल्ली।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा अपनी दो सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी थार और एक्सयूवी700 के फेसलिफ्ट वर्जन पर काम कर रही है। कंपनी के यह लेटेस्ट वर्जन 2026 तक लॉन्च किए जाएंगे। थार को साल 2020 में और एक्सयूवी700 को 2021 में बाजार में उतारा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक थार फेसलिफ्ट कोडनेम डब्ल्यू515 के तहत तैयार की जा रही है, जिसका डिजाइन थार रॉक्स से प्रेरित होगा। इसमें डबल-स्टैक्ड स्लॉट वाली नई ग्रिल, सी-शेप्ड एलईडी सिग्नेचर हेडलाइट और टेल-लाइट, नया बंपर, बॉडी क्लैडिंग और नए डिजाइन वाले अलॉय व्हील्स शामिल होंगे। इंटीरियर में भी नया स्टीयरिंग व्हील, रीमैप किए गए बटन, बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और हार्ड-टॉप वर्जन में सनरूफ जैसी सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। इंजन ऑप्शन्स में कोई बदलाव नहीं होगा। इसमें कनेक्टेड एलईडी हेडलाइट्स, नया ग्रिल, चौकोर व्हील क्लैडिंग जैसे बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इंटीरियर में भी हाई-टेक और प्रीमियम टच देखने को मिलेगा। एक्सयूवी700 फेसलिफ्ट में भी इंजन विकल्प पहले जैसे ही रहेंगे, जिनमें 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल (200एचपी) और 2.2-लीटर टर्बो-डीजल (155-185एचपी) शामिल होंगे।

दोनों एसयूवीएस में तकनीक और डिजाइन के लिहाज से बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।इसमें पहले की तरह 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन (152एचपी), 1.5-लीटर डीजल (119एचपी) और 2.2-लीटर डीजल (132एचपी) इंजन के विकल्प मिलेंगे, जो 6-स्पीड मैनुअल या ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आएंगे। वहीं, एक्सयूवी700 फेसलिफ्ट (कोडनेम डब्ल्यू616) को बीई 6 और एक्सईवी 9ई जैसी इलेक्ट्रिक एसयूवीएस की फ्यूचरिस्टिक डिजाइन लैंग्वेज के अनुसार अपडेट किया जाएगा।

एसबीआई ने अपनी एफडी की ब्याज दरों में किया बदलाव

सिर्फ 1 लाख रुपये जमा करें, मिलेगा 24,604 रुपये का फिक्स ब्याज

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने रिजर्व बैंक की कम हुई रेपो रेट का फायदा उठाते हुए अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम्स की ब्याज दरों में हल्की कटौती की है। इस नए फैसले के बाद एसबीआई के परिसर में ब्याज दरों में बदलाव का माहौल महसूस हो रहा है। एसबीआई की एफडी स्कीम से जुड़े निवेशकों के लिए यह खुशखबरी है कि अब भी वे आकर्षक रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। एक ऐसी खास स्कीम में, जिसमें केवल 1 लाख का निवेश करने पर ग्राहक 24,604 रुपये तक का फिक्स ब्याज प्राप्त कर सकते हैं। एसबीआई द्वारा प्रस्तावित नए ब्याज दरों के अनुसार, सामान्य नागरिकों के लिए 3.50 फीसदी से 7.05 फीसदी तक का ब्याज प्रदान किया जा रहा है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज दरें 4.00 फीसदी से 7.55 फीसदी तक तय की गई हैं। इसी क्रम में, सबसे अधिक 2 से 3 साल की एफडी स्कीम में सामान्य ग्राहकों को 6.90 और वरिष्ठ नागरिकों को 7.40 फीसदी का ब्याज प्राप्त होगा।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने शुक्रवार को सुबह 6 बजे ईंधन के नए दाम जारी कर दिए हैं। जारी रेट के अनुसार आज भी भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि कच्चे तेल की बात करें तो अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 65-78 डॉलर प्रति बैरल, जो कि पिछले दिनों के मुकाबले कम है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए लीटर, डीजल 87.67 रुपए लीटर मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपए, डीजल 90.03 रुपए, कोलकाता पेट्रोल 105.01 रुपए, डीजल 91.82 रुपए, चेन्नई में पेट्रोल 100.80 रुपए, डीजल 92.39 रुपए, नोएडा में पेट्रोल 94.87 रुपए, डीजल 88.14 रुप, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.92 रुपए/लीटर, डीजल 88.99 रुपए, पटना में पेट्रोल 105.60 रुपए, डीजल 92.04 रुपए, लखनऊ में पेट्रोल 94.69 रुपए, डीजल 87.55 रुपए, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.30 रुपए, डीजल 82.38 रुपए, हैदराबाद में पेट्रोल 107.46 रुपए, डीजल 95.63 रुपए, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.17 रुपए, डीजल 88.03 रुपए लीटर है।

वीआईएल के नेटवर्क में सेवाएं बहाल

नई दिल्ली। वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के उपयोगकर्ताओं को शुक्रवार तड़के नेटवर्क में व्यवधान का सामना करना पड़ा। कंपनी ने कहा कि यह व्यवधान 'तकनीकी समस्या के कारण हुआ था। समस्या का अब समाधान कर दिया गया है और अब सभी सेवाएं अब सामान्य हो गई हैं। वीआईएल के प्रवक्ता ने कहा` कि शुक्रवार 18 अप्रैल तड़के तकनीकी समस्या के कारण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में हमारी नेटवर्क सेवाएं कुछ समय के लिए प्रभावित हुईं। समस्या का समाधान कर लिया गया है और सभी सेवाएं अब सामान्य हो गई हैं। प्रवक्ता ने कहा` कि इससे हुई किसी भी असुविधा के लिए हम क्षमा चाहते हैं। हमारे उपयोगकर्ताओं का धैर्य रखने के लिए शुक्रिया अदा करते हैं।

गूगल को अमेरिकी फेडरल कोर्ट का बड़ा झटका, एंटीट्रस्ट कानून का किया उल्लंघन

बिजनेस के खातिर हथिया लिया पूरा बाजार, सही साबित हुए आरोप

नई दिल्ली।

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी गूगल को अपनी मनमानी महंगी पड़ी है। अमेरिका में वर्जीनिया की फेडरल कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि गूगल ने अपने वेब विज्ञापन व्यवसाय के साथ अवैध रूप से एकाधिकार शक्ति का इस्तेमाल किया है। अमेरिका में गूगल को एंटीट्रस्ट कानून के उल्लंघन के आरोप में यहां वामिका आ गई है। फेडरल कोर्ट ने गूगल को अपनी वेब विज्ञापन व्यवसाय में एकाधिकार शक्ति का दुरुपयोग करने के आरोप में दोषी ठहराया है। इसमें कोर्ट ने एंटीट्रस्ट कानून का उल्लंघन माना है और गूगल के खिलाफ भारी धनराशि की जुर्माना भी लगाई है। यह मामला उस समय सामने आया था जब गूगल ने डिजिटल ऐड टेक्नोलॉजी में अपनी एकाधिकारी नीतियों का इस्तेमाल करके अन्य कंपनियों के साथ कंपिटिशन को दबाने का आरोप लगा था। कोर्ट ने यह दिलचस्प निर्णय देते हुए कहा कि गूगल ने अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया है और इससे डिजिटल विज्ञापन क्षेत्र में अनुचित भविष्य का संकेत दिया है। इस फैसले के बाद गूगल को अब अपनी विज्ञापन व्यवसाय की नीतियों पर पुनः से सोचने की आवश्यकता है, जिससे वास्तविक कंपिटिशन को बढ़ावा मिल सके और दूसरी कंपनियों को भी बाजार में समान अवसर मिल सके। गूगल की यह झटका से जबकि एक बड़ा आंकड़ा है, वहीं दूसरी डिजिटल कंपनियों के लिए एक संजीवनी भी हो सकती है।

मर्सिडीज़-बेंज़ ने किया 2 लाख पैसेंजर व्हीकल्स के प्रोडक्शन का आंकड़ा पार

नई दिल्ली ।

लग्जरी कारें बनाने वाली कंपनी मर्सिडीज़-बेंज़ ने 2 लाख पैसेंजर व्हीकल्स के लोकल प्रोडक्शन का आंकड़ा पार कर लिया है। यह सफलता न सिर्फ मर्सिडीज़ की भारत में मजबूत होती पकड़ को दर्शाती है, बल्कि देश में लग्जरी कार मार्केट के विस्तार की भी पुष्टि करती है।

यह मील का पत्थर कंपनी की इलेक्ट्रिक फ्लैगशिप ईक्यूएस एसयूवी को पुणे के चाकन प्लांट से रोल आउट करते हुए हासिल हुआ।1995 में भारत में शुरुआत करने के बाद कंपनी को पहली 50,000 यूनिट्स का उत्पादन करने में 19 साल लगे, जबकि अगली 1.5 लाख यूनिट्स सिर्फ 10 वर्षों में ही असेंबल कर ली गईं। यह उत्पादन दर में लगभग 470 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। मर्सिडीज़-बेंज़ भारत में इतनी बड़ी संख्या में पैसेंजर कारों का लोकल प्रोडक्शन करने वाला पहला लग्जरी ब्रांड बन गया है। इस अवसर पर मर्सिडीज़-बेंज़ ग्रुप एजी के बोर्ड सदस्य डॉ. जॉर्ग बर्जर ने कहा कि यह उपलब्धि भारत के मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की क्षमता का प्रमाण है।

वहीं, मर्सिडीज़ इंडिया के एमडी और सीईओ संतोष अय्यर ने कहा कि कंपनी अपनी उन्नत उत्पादन सुविधाओं में निवेश जारी रखेगी ताकि बढ़ती डिमांड को पूरा किया जा सके। एफवाय 2025 के दौरान मर्सिडीज़-बेंज़ ने भारत में कुल 18,928 कारें बेचीं, जो सालाना 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। कंपनी के अनुसार, यह किसी भी वित्तीय वर्ष में अब तक की सबसे अधिक बिक्री है।

आरबीआई ने कहा- बैंक खातों में लेनदेन पर कड़ी निगरानी रखी जाए

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि बैंक केंद्रीय बैंक को सूचना दिये बिना अपनी विदेशी शाखाओं या प्रतिनिधियों के नाम पर रुपया खाते (ब्याज रहित) खोल या बंद कर सकते हैं। हालांकि, आरबीआई ने डिपॉजिट और अकाउंट पर जारी मास्टर निर्देश में कहा कि पाकिस्तान के बाहर संचालित पाकिस्तानी बैंकों की शाखाओं के नाम पर रुपया खाते खोलने के लिए रिजर्व बैंक की विशेष मंजूरी की आवश्यकता होगी। खातों में लेन-देन पर कड़ी निगरानी रखी जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विदेशी बैंक भारतीय रुपये पर सट्टा लगाने वाला नजरिया न अपनाएं. ऐसे किसी भी मामले की सूचना रिजर्व बैंक को दी जानी चाहिए। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के बैंकिंग सिस्टम में मजबूती को लेकर अहम बात की थी। आरबीआई ने कहा कि आपात परिस्थितियों और मुश्किलों से निपटने के लिए एक बफर पूंजी यानी सीसीवाईबी बना रखा है। हालांकि, इसका इस्ते तेमाल परिस्थितियों के हिसाब से किया जाएगा।

लगातार कमजोर होते जा रहे टीसीएस, इंफो सिस और विप्रो के शेयर

निफ्टी आईटी का 17 साल में सबसे कमजोर प्रदर्शन

नई दिल्ली।

देश की दिग्गज सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस, विप्रो और एचसीएलटेक के शेयर बाजार में लगातार कमजोर होते जा रहे हैं। यह गिरावट उस समय हो रही है जब बाकी बाजार में तेजी लौटी है। अप्रैल महीने में अब तक निफ्टी आईटी इंडेक्स में 9.5 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि इसी दौरान निफ्टी 50 में 1.4 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है। गुरुवार को भी जब निफ्टी 50 में 1.8 फीसदी की उछाल आई, तब निफ्टी आईटी महज 0.23 फीसदी ही बढ़ पाया। इस गिरावट के चलते निफ्टी 50 में आईटी सेक्टर का वेटेज अब सिर्फ 10.2 फीसदी रह गया है, जो पिछले 17 सालों में सबसे कम है। यह मार्च 2008 के रिकॉर्ड न्यूनतम 9.7 फीसदी के बेहद करीब है, जब वैश्विक वित्तीय संकट से पहले बाजार में उथल-पुथल थी।

मार्च 2022 में यह वेटेज 17.7 फीसदी था यानी दो साल में इसमें करीब 42 फीसदी की गिरावट आई है। ताजा गिरावट के साथ निफ्टी आईटी इंडेक्स अब उन सभी लाभों को गंवाने के करीब है, जो उसे कोविड-19 महामारी के दौरान और बीते 21 वर्षों (2004 से अब तक) में निफ्टी 50 की तुलना में मिले थे। फिलहाल निफ्टी 50 में शामिल पांच आईटी कंपनियों का कुल मार्केट कैप 25.5 लाख करोड़ रुपए रह गया है, जबकि पूरे निफ्टी 50 का कुल मार्केट कैप 189.4 लाख करोड़ रुपए है।

देश का आईटी सेक्टर 2025 की शुरुआत से ही भारी दबाव में है।

निफ्टी आईटी इंडेक्स इस साल अब तक 23 फीसदी तक गिर चुका है, जो पिछले दो दशकों की सबसे खराब शुरुआत मानी जा रही है।

इससे पहले 2022 में भी सेक्टर ने साल के पहले चार महीनों में 18.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की थी, लेकिन इस बार की गिरावट उससे भी ज्यादा गहरी साबित हो रही है।

यूएस टैरिफ से कमजोर होगी वैश्विक अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति बढ़ेगी: आईएमएफ

वाशिंगटन।

आईएमएफ ने जारी किया अपना अनुमान, जिसमें कहा गया है कि अमेरिकी टैरिफ में वृद्धि से वैश्विक अर्थव्यवस्था कमजोर होगी। इसके अलावा, आईएमएफ ने भविष्यवाणी की है कि इस वर्ष मुद्रास्फीति बढ़ेगी। प्रमुख निदेशक ने ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए शुल्कों से वैश्विक अनिश्चितता में वृद्धि की चेतावनी देते हुए कहा था कि दुनिया भर में मंदी का कारण नहीं बनेगी। आईएमएफ ने व्यापार विकृतियों का भी जिक्र किया और व्यापार बाधाओं को कम करने की अपील की। वे मानते हैं कि अनिश्चितता महंगाई के कारण बन सकती है और इससे व्यापार बाधाएं विकास को तुरंत प्रभावित कर सकती हैं। आईएमएफ के अनुसार वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल देखने की संभावना है जिससे अर्थव्यवस्था पर अवरोध आ सकता है। समाचार राज्यों और गिरींदारे के व्यावसायिक और वित्तीय संकेतों पर है, उम्मीद है कि निवेशक इस चेतावनी को समझें और संभावित असरों पर ध्यान दें। इस स्थिति में, राजनीतिज्ञों और नीति निर्माताओं को सुरक्षित संरचना और सावधानी से कार्रवाई करने की आवश्यकता है ताकि विश्व अर्थव्यवस्था को बचाया जा सके।

चालू वित्त वर्ष में कमर्शियल व्हीकल्स की घरेलू बिक्री 10 लाख पार होने की उम्मीद

मुंबई। वाणिज्यिक वाहनों की घरेलू बिक्री वर्ष 2025-26 में 10 लाख कर आंकड़ा पार कर सकती है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा कि मात्रा वृद्धि का नेतृत्व हल्के वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) द्वारा किया जाएगा। ई-कॉमर्स और भंडार गृहों की बढ़ती पहुंच से कुल मात्रा में इनकी करीब 62 फीसदी हिस्सेदारी की उम्मीद है। वाणिज्यिक वाहन (सीवी) क्षेत्र में दो खंड एलसीवी और एमएंडएचसीवी शामिल हैं। बसों को दोनों खंडों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। क्रिसिल रेटिंग्स लिमिटेड के वरिष्ठ निदेशक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में घरेलू वाणिज्यिक वाहन की क्षेत्र की बिक्री 3 से 5 फीसदी बढ़नी चाहिए। इससे यह पिछले साल की सुस्ती से उबर सके और दीर्घावधि के वृद्धि के रुख के साथ तालमेल बैठा सकेगा। उन्होंने कहा कि घरेलू वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री के चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 10 लाख इकाई के आंकड़ा पार करने की उम्मीद है जो कोविड-19 महामारी से पहले के उच्चस्तर के बराबर है।

देश में समाप्त होने के कगार पर नक्सलवाद

रमेश सर्राफ धमोरा

केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनो कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दिया है।

पिछले छः दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में घोषणा की है कि 31 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। गृह मंत्री द्वारा की गई यह एक बहुत बड़ी घोषणा है। गत 60 वर्षों से देश नक्सलवाद की समस्या से बुरी तरह पीड़ित रहा है। इस दौरान देश में कई सरकारें आई और चली गई मगर नक्सलवाद का नासूर दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। नक्सलवाद प्रभावित जिलों में उनकी हुकूमत चलती थी। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था जिसे लोग मानने को मजबूर थे।

मगर अब परिस्थितियों पूरी तरह बदल चुकी है। केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनो कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दिया है। शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए और सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा था कि मोदी सरकार सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों और नक्सलवाद के खिलाफ दृढ़ रुख के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। हम 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार भारत में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की कुल संख्या पहले 38 थी। इनमें से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या अब घटकर 6 हो गई है। साथ ही चिंता के जिलों और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित छह जिलों में अब छत्तीसगढ़ में चार जिले बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम जिला व महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला शामिल है। इसके अतिरिक्त चिंता के जिलों की संख्या जिन्हें गहन संसाधनों और ध्यान की आवश्यकता है 9 से घटकर 6 रह गई है। ये जिले आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू, मध्य प्रदेश में बालाघाट, ओडिशा में कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी और तेलंगाना में भद्राद्री-कोठागुडेम हैं।

अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या जो नक्सली गतिविधि का भी सामना कर रहे हैं लेकिन कम हद तक 17 से घटकर 6 हो गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी, झारखंड का लातेहार, ओडिशा का नुआपाड़ा और तेलंगाना का मुलुगु जिला शामिल हैं। इन जिलों को उनके पुनर्निर्माण और विकास में सहायता करने के लिए केंद्र सरकार विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों को 30 करोड़ रुपये मिलते हैं। जबकि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में अंतराल को भरने के लिए चिंता वाले जिलों को 10 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते हैं। इन क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप विशेष परियोजनाओं को भी सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।

नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में कम से कम 130 नक्सली मारे गए हैं। इनमें से 110 से ज्यादा बस्तर संभाग में मारे गए जिसमें बीजापुर और कांकेर समेत सात जिले शामिल हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से 105 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 2025 में अब तक 164 ने आत्मसमर्पण कर दिया है। वहीं इससे पहले वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है।

वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 जिले नक्सलप्रभावित थे लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड्स बनाए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2004 से 2014 तक देश में नक्सलवाद से जुड़ी 16,463 हिंसक घटनाएं हुई थीं। लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसमें 53 प्रतिशत कमी आई है। वर्ष 2004 से 2014 तक विभिन्न नक्सली हमलों और नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान 1851 सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। लेकिन पिछले 10 साल में सुरक्षाबलों के हताहत होने की संख्या 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई है। वहीं 2004 से 14 के बीच नक्सली हमलों में 4,766 नागरिकों की मौत हुई थी। 2014 से 2024 के बीच यह आंकड़ा 70 प्रतिशत घटकर 1495 रह गया है।

गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। पिछले 20 वर्षों में 2,344 सुरक्षाकर्मियों ने नक्सलियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवाई है पिछले दो दशकों में अकेले नक्सली हमलों में 6,258 लोग मारे गए हैं। जब देश में नक्सलवाद अपने चरम पर था तब 8 करोड़ लोगों को प्रभावित किया था। जिनमें मुख्य रूप से आदिवासी थे। यह आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में फैले एक लाल गलियारे के साथ 10 राज्यों में फैला हुआ था।

सरकार एक तरफ जहां नक्सलवाद को समाप्त करने की घोषणा कर रही है वहीं दूसरी तरफ शहरी नक्सलवाद जिसे अर्बन नक्सलवाद भी कहा जाता है तेजी से उभर रहा है। यह पारंपरिक ग्रामीण नक्सलवाद से अलग है क्योंकि इसका फोकस शहरों और शहरी इलाकों में होता है। शहरी नक्सली विचारधारा के समर्थक, जिनमें शिक्षाविद, छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी शामिल होते हैं नक्सलवादी विचारधारा का प्रचार-प्रसार करते हैं। वे विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक माध्यमों से अपनी विचारधारा फैलाते हैं और व्यवस्था के खिलाफ असंतोष को भड़काते हैं।

देश में नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार के समग्र प्रयासों का असर दिखने लगा है। सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि अब देश में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या में कमी हो रही है। सरकार ने नक्सलवाद-मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। देश में वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या में कमी आना इस आंदोलन की समाप्ति के संकेत है।

नक्सलवादी आंदोलनकारियों ने अपनी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों से देश को बहुत नुकसान पहुंचाया है। हजारों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। वहीं बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों ने भी नक्सलवादी विरोधी अभियान में अपनी शहादत दी है। एक समय था जब देश के 10 प्रांतो में नक्सलवादियों की तूती बोलती थी। इन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर भी हमला कर दिया था। जगदलपुर में तो नक्सलवादियों ने कांग्रेस के कई बड़े नेताओं की हत्या कर सनसनी फैला दी थी।

मगर अब केंद्र सरकार की नीतियों के कारण एक तरफ जहां इन पर दबाव बढ़ा है वहीं उनके प्रभाव वाले क्षेत्रों में सरकार ने विकास की योजनाएं प्रारंभ कर उनका जन समर्थन समाप्त कर दिया है। कई बड़े नक्सली कमांडरो का एनकाउंटर होने के बाद डर कर बड़ी संख्या में नक्सली सरेंडर कर रहे हैं। जिससे आने वाले समय में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शांति व्याप्त होगी। जो सरकार व आमजन की एक बड़ी जीत होगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

उर्दू और हिन्दी

महाराष्ट्र की एक नगर परिषद के साइन बोर्ड. पर उर्दू के इस्तेमाल को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ता को गंगा-जमुनी तहजीब का पाठ पढ़ाया और उसकी याचिका को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत के इस फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए। वास्तव में भाषा को बदनाम करना भारत की विविधता और बहुलतावादी सामाजिक संरचना को कमजोर करता है। अदालत ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि भाषा कोई धर्म नहीं है और इसे लोगों को बांटने का कारण नहीं बनना चाहिए। उर्दू कोई विदेशी भाषा नहीं है। इसी धरती पर पैदा हुई है और गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है। ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता को न भाषाओं की समझ है, और न ही उर्दू और हिन्दी के उद्भव और विकास के बारे में कोई जानकारी है। सबसे पहली बात तो यह है कि भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को शामिल किया गया है जिनमें उर्दू भी एक है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड़, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में उर्दू शासकीय भाषा है। अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि हकीकत यह है कि हिन्दी भाषा का इस्तेमाल भी उर्दू शब्दों के बिना अधूरा है। हिन्दी शब्द स्वयं फारसी शब्द 'हिंदवी' से आया है। वास्तव में भाषाएं एक दूसरे को समृद्ध करती हैं। हिन्दी और उर्दू में बहुत सी समानताएं हैं। दोनों खड़ी बोली से विकसित हुई हैं। दोनों के व्याकरण और शब्दावली में काफी समानता है। लेकिन दोनों भाषाओं की लिपियां अलग-अलग हैं। हिन्दी देवनागरी में लिखी जाती है जबकि उर्दू की लिपि अरबी है। अंग्रेजों के समय में हिन्दी और उर्दू का विभाजन धर्म के आधार पर किया गया और दुर्भाग्य यह है कि यह गलतफहमी आज भी मौजूद है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने इस मसले पर फैसला सुनाते हुए बहुंत ही मार्मिक अंदाज में कहा कि 'हमें अपने पूर्वाग्रहों की सच्चाई से टकराने की जरूरत है। आइए, हम उर्दू और हर भाषा से दोस्ती करें।' दरअसल, याचिकाकर्ता का तर्क था कि नगर परिषद का काम केवल मराठी में ही किया जा सकता है और साइन बोर्ड. पर उर्दू का इस्तेमाल गलत है। अदालत ने फैसला देते हुए कहा कि मराठी का उपयोग अनिवार्य है, लेकिन उसके साथ अन्य भाषा के इस्तेमाल पर रोक नहीं है।

चिंतन-मनन

अहंकार से ज्ञान का नाश

अहंकार से मनुष्य की बुद्धि नष्ट हो जाती है। अहंकार से ज्ञान का नाश हो जाता है। अहंकार होने से मनुष्य के सब काम बिगड़ जाते हैं। भगवान कण-कण में व्याप्त है। जहाँ उसे प्रेम से पुकारो वहीं प्रकट हो जाते हैं। भगवान को पाने का उपाय केवल प्रेम ही है। भगवान किसी को सुख-दुख नहीं देता। जो जीव जैसा कर्म करेगा, वैसा उसे फल मिलता है। मनुष्य को हमेशा शुभ कार्य करते रहना चाहिए।

कभी किसी को नहीं सताओ : धर्मशास्त्र के श्रवण, अध्ययन एवं मनन करने से मानव मात्र के मन में एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भावना एवं मयार्दा का उदय होता है। हमारे धर्मग्रंथों में जीवमात्र के प्रति दुर्विचारों को पाप कहा है और जो दूसरे का हित करता है, वही सबसे बड़ा धर्म है। हमें कभी किसी को नहीं सताना चाहिए। और सर्व सुख के लिए कार्य करते रहना चाहिए।

गुप्तदान महादान : मनुष्य को दान देने के लिए प्रचार नहीं करना चाहिए, क्योंकि दान में जो भी वस्तु दी जाए, उसको गुप्त रूप से देना चाहिए। हर मनुष्य को भक्त प्रहलाद जैसी भक्ति करना चाहिए। जीवन में किसी से कुछ भी माँगो तो छोटा बनकर ही माँगो। जब तक मनुष्य जीवन में शुभ कर्म नहीं करेगा, भगवान का स्मरण नहीं करेगा, तब तक उसे सद्बुद्धि नहीं मिलेगी।

मृत्यु से कोई नहीं बच पाया : धन, मित्र, स्त्रि तथा पृथ्वी के समस्त भोग आदि तो बार-बार मिलते हैं, किन्तु मनुष्य शरीर बार-बार जीव को नहीं मिलता। अतः मनुष्य को कुछ न कुछ सत्कर्म करते रहना चाहिए। मनुष्य वही है, जिसमें विवेक, संयम, दान-शीलता, शील, दया और धर्म में प्रीति हो। संसार में सर्वमान्य यदि कोई है तो वह है मृत्यु। दुनिया में जो जन्मा है, वह एक न एक दिन अवश्य मरेगा। सृष्टि के आदिकाल से लेकर आज तक मृत्यु से कोई भी नहीं बच पाया।

.....जहां पाकिस्तान भारत से हर रोज हारता है!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

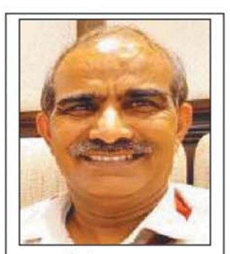

भारत -पाकिस्तान की बीच अमृतसर से लाहौर जा रहे राष्ट्रीय राजमार्ग पर अटारी-बाघा बॉर्डर दोनों देशों के लिए अपनी अपनी राष्ट्रभक्ति प्रदर्शित करने और प्रत्येक दिन कम से कम एक बार दोनों देशों के सैनिकों द्वारा हाथ मिलाने से मधुरता का न सही एक पड़ोसी देश के साथ औपचारिक रिश्ता जरूर बना हुआ है। भारत मे पाकिस्तान की सीमा को अटारी गांव जोड़ता है,तो पाकिस्तान का बाघा गांव भारत की सीमा से सटा हुआ है।अमृतसर से करीब 30 किलोमीटर दूर अटारी-बाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह का आयोजन दोनों देशों द्वारा सन 1959 में शुरू हुआ था,जो आज तक बदस्तूर जारी है।राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत यह समारोह देश और दुनिया में काफी प्रसिद्ध है।अटारी-बाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह का आयोजन सर्दियों में शाम चार बजे और गर्मियों में शाम 5.15 बजे शुरू होता है। यहां प्रवेश करने का समय 3 बजे शुरू होता है और सीट पहले आओ और पहले पाओ के आधार पर मिलती है। अटारी-बाघा बॉर्डर पर होने वाले बीटिंग रिट्रीट समारोह में भारत की सीमा सुरक्षा बल के जवान और पाकिस्तानी रेंजर्स फोर्स एक साथ मिलकर अपनी अपनी सीमाओं में शानदार परेड व शौर्य का प्रदर्शन करते हैं। जिसे देखने के लिए हर रोज हजारों की संख्या में पर्यटक व नागरिक भाग लेते हैं। भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित अटारी-वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान की सीमा के बीच स्थित एक सीमा क्रॉसिंग है। जमीन मार्ग से यहीं से एक दूसरे देश मे आया व जाया जा सकता है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर अटारी- वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान के बीच एक सीमा रेखा बनी हुई है। जिसे रेडक्लिफ रेखा के नाम से जाना जाता है।इस रेखा का नाम ब्रिटिश वकील सर सिरिल रेडक्लिफ के नाम पर रखा गया है, जो देश बंटवारे के समय सीमांकन करने के लिए जिम्मेदार रहा। इस आयोजन के तहत सीमा द्वार बंद करने की सैन्य परंपरा हैं, लेकिन यह एक बेहद कोरियोग्राफ़्ड और लोकप्रिय सार्वजनिक सैन्य प्रदर्शन बन गया है, जो पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आकर्षित करता है। वाघा बॉर्डर समारोह ऐतिहासिक संघर्षों और राजनीतिक तनावों के बीच भी भारत और पाकिस्तान के बीच शांति और सहयोग की स्थायी उम्मीद का प्रतीक बना हुआ है। यह भारत के अमृतसर व पाकिस्तान के लाहौर आने वाले आगंतुकों के लिए सांस्कृतिक अनुभव का हिस्सा बन गया है सन1959 से दोनों देश यहां रोजाना झंडा उतारने की रस्म निभाते आ रहे हैं। अगस्त 2017 में भारत ने वाघा बॉर्डर के भारतीय हिस्से अटारी में 110 मीटर ऊंचा झंडा फहराया था। जवाब में पाकिस्तान ने अपनी तरफ 122 मीटर ऊंचा झंडा फहराया। भारत की तरफ वाला झंडा फहराने वाला झंडा देश में सबसे ऊंचा है, जबकि पाकिस्तान की तरफ वाला झंडा दक्षिण एशिया में सबसे ऊंचा माना जाता है।

सन 1947 में देश को स्वतंत्रता मिलने के बाद से ही यह बॉर्डर दोनों देशों के बीच सड़क संपर्क के रूप में काम कर रहा है। यह समारोह 30 मिनट की एक ड्रिल है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज को नीचे करना और सूर्योदय तक दोनों देशों के बीच सीमा को औपचारिक रूप से बंद करना है। इसकी शुरूआत सीमा के दोनों ओर के सैनिकों द्वारा की जाने वाली एक विस्तृत परेड से होती है। फिर, सीमा पर लोहे के गेटों को खोलना और दोनों तरफ के राष्ट्रीय झंडों को पूरी तरह से समन्वित आंदोलनों में नीचे करना होता है। झंडों को मोड़ने के बाद, दोनों पक्षों के सैनिक हाथ मिलाते हैं और लोहे के गेट बंद हो जाते हैं, जो समारोह के समापन का संकेत भी है।लेकिन भारत-पाकिस्तान के बीच इस रिट्रीट को देखकर ही सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत हर दृष्टि से पाकिस्तान पर भारी है और रहेगा।रिट्रीट के समय भी भारत की तरफ के दर्शकों की संख्या पाकिस्तान के दर्शकों से कम से कम दस गुणा अधिक होती है,इसी कारण पाकिस्तान की सैन्य व जन आवाज भारतीय सैनिकों व दर्शको के ऊंचे स्वर के बीच दबकर रह जाती है।सैन्य परेड देखकर तो लगता है जैसे पाकिस्तान भारत से हर रोज हार रहा हो।

(लेखक स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता व वरिष्ठ साहित्यकार है) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मुद्दा : तनाव जी का जंजाल

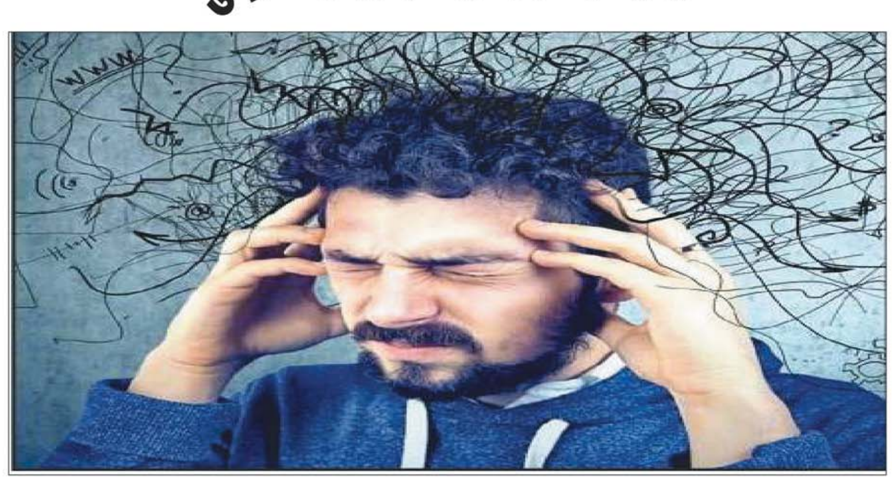

अजय प्रताप तिवारी

भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग मुस्कुराने की कला को ही भूल रहे हैं, जबकि हंसना जीवन का अनिवार्य हिस्सा है। हाल में जारी विश्व खुशहाली रिपोर्ट-2025 में भारत का118वां स्थान है। इसमें भारत के पड़ोसी देशों को भारत से बेहतर बताया गया है। भारत जैसे देश, जहां प्रकृति ने मनुष्यों को खुश रहने के लिए भरपूर अवसर और साधन प्रदान किए हैं, में फिर भी लोग उदासियों का शिकार हो रहे हैं। यह चिंता का विषय है। विश्व खुशहाली के निर्धारित मानक सामाजिक समर्थन, स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, स्वतंत्रता, भ्रष्टाचार की अनुपस्थिति और उदारता हैं। अधिकांश लोग अपनी जीवनशैली में बदलाव, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सोशल मीडिया और सामाजिक तनाव के कारण मानसिक अस्थिरता के शिकार हो रहे हैं जो उनकी हंसी में बाधक है।

भारत में तनाव बढ़ते का प्रमुख कारण आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित पहुंच, गरीबी और जलवायु परिवर्तन की बढ़ती घटनाएं हैं। डिजिटल तकनीक के बढ़ते प्रभाव ने लोगों को सामाजिक रूप से अलग-थलग कर दिया है, जिसकी वजह से वे अकेलेपन के शिकार हो रहे हैं। मानसिक तनाव अब केवल निजी समस्या न रह कर राष्ट्रीय समस्या बनता जा रहा है। युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति के पीछे तनाव और मानसिक अस्थिरता मुख्य कारण हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर सातवां व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। एनसीईआरटी के एक अध्ययन के अनुसार, स्कूल स्तर पर पढ़ने वाले 81 फीसद बच्चे परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर तनावग्रस्त रहते हैं।

इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री के एक शोध के अनुसार देश में 62 फीसद युवा डिजिटल दिखावे के चलते तनाव में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। मानसिक रूप से स्वतंत्रता और खुशहाल व्यक्ति के अंदर नये विचार और शोध नवाचार की भावनाएं बढ़ती हैं। मानसिक तनाव और अस्थिर व्यक्ति उपभोग, निवेश और उद्यमिता से दूर हो जाते हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं। तनाव और अशांति से घिरा व्यक्ति अपने कार्य को मनोयोग्यता और दक्षता के साथ नहीं कर पाता, जिससे वह जिस भी क्षेत्र में कार्यरत हो, अपने दायित्वों का पूर्ण रूप से निर्वहन नहीं कर पाता। इसके परिणामस्वरूप उद्योग, शिक्षा, प्रशासन और सेवा क्षेत्रों में उत्पादकता घट जाती है।

देश में बढ़ती मानसिक तनाव और उदासी की प्रवृत्तियों के कारण लोग अपराध का रुख अख्तियार कर लेते हैं, जिससे देश में अपराध दर में वृद्धि होती है। यदि लोग अपने देश में संतोषजनक जीवन नहीं जी पाते, तो विदेश में बेहतर अवसरों की तलाश करते हैं। इससे देश की प्रतिभा का पलायन होता है, और योग्य मानव संसाधन की हानि होती है। ऐसे लोग, जो पूरी तरह से खुशहाल और सामाजिक दबाव से मुक्त नहीं होते, संस्थाओं और नीति-निमार्ताओं पर से विश्वास खो सकते हैं। परिणाम यह होता है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है, और जनभागीदारी में कमी आती है। भारत में 50 फीसद से अधिक युवा अपने करियर और निजी जीवन को लेकर तनाव में जीते हैं।

देश में अमीरी और गरीबी की बढ़ती खाई, निर्धनता और बढ़ती महंगाई ने ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को तनाव और चिंता की गिरफ्त में ले लिया है। देश तीव्र गति से आर्थिक विकास कर रहा है, और उन्नत तकनीकों के चलते लोगों का जीवन पहले की अपेक्षा कहीं अधिक सरल हो गया है, फिर भी लोगों में तनाव और असंतोष की प्रवृत्ति क्यों बढ़ रही है? देश की सबसे बड़ी पूंजी देश के नागरिकहोते हैं। जो देश जितना खुशहाल होगा, वह उतनी ही तेजी से उन्नति करेगा। आज जरूरत है सभी देशों को बाजारीकरण की होड़ से बाहर निकल कर अपने नागरिकों के लिए मंथन करने की। आखिर, क्या कारण हैं कि विज्ञान एवं तकनीकी की खोजों ने मनुष्य के जीवन को आसान बनाने के साथ खुशी भी छीन ली हैं। आर्थिक विकास का आधार केवल सकल घरेलू उत्पाद की रैंकिंग नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सामाजिक सहयोग, जीवन प्रत्याशा, मानसिक स्वास्थ्य और नागरिकों की आत्मझसंतुष्टि जैसे कारकों पर आधारित होना चाहिए। एक खुशहाल देश में योग्य प्रशासन, रोजगार, अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य और भ्रष्टाचार से मुक्त कल्याणकारी राष्ट्र बनाने की शक्ति समाहित होती है। खुशहाली इंसानों का जीवन ही बेहतर नहीं बनाती है, बल्कि देश भी समृद्ध होता है। जब देश के सभी नागरिक प्रसन्नता से संपन्न होंगे तभी देश आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विकास संभव हो पाएगा।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएंगे पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर

बॉलीवुड में एक नई जोड़ी दर्शकों के सामने आने को तैयार है। करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन जल्द ही मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगे। 'राजी' और 'तालवर' जैसी यादगार फिल्में देने वाली मेघना अब जंगली पिक्चर्स के साथ तीसरी बार फिल्म बनाने जा रही हैं। 'दायरा' एक क्राइम ड्रामा है। फिल्म के एलान के बाद फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ गई है।

करीना कपूर ने किया नई फिल्म का एलान

करीना ने इस फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर बड़े उत्साह के साथ की। उन्होंने लिखा, मैं हमेशा निर्देशक के निर्देश पर काम करने वाली अभिनेत्री रही हूं। इस बार मेघना गुलजार जैसे शानदार निर्देशक के साथ काम करना मेरे लिए खास है। पृथ्वीराज के अभिनय की मैं कायल हूं। उनके साथ यह सफर और रोमांचक होगा। 'दायरा' मेरी ड्रीम टीम का प्रोजेक्ट है। 'दायरा' की कहानी मेघना गुलजार, यश केसवानी और सीमा अग्रवाल ने मिलकर लिखी है। फिल्म अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन इसकी स्टारकास्ट और मेघना का नाम पहले ही इसे चर्चा में ला चुका है। करीना का बेबाक अंदाज और पृथ्वीराज की गंभीर अदाकारी इस फिल्म को खास बनाने का दम रखती है। मेघना की फिल्में हमेशा दिल को छूती हैं और फैंस को 'दायरा' से भी ऐसी ही उम्मीद है।

सिंघम अगेन में दिखी थीं करीना

करीना कपूर को पर्दे पर आखिरी बार सिंघम रिटर्न्स में देखा गया था। फिल्म में उनके साथ अजय देवगन समेत कई बड़े सितारे नजर आए थे। हालांकि, रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

'द फैमिली मैन' के नए सीजन को लेकर प्रियामणि ने दिया अपडेट

चाहें एक इंटेलिजेंस ऑफिसर की पत्नी का किरदार हो, चाहें पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी का। अभिनेत्री प्रियामणि हर किरदार में पूरी तरह से उतर जाती हैं और उसे अच्छे से निभाती हैं। प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी के रूप में राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार के लिए काफी प्रशंसा भी मिली। साथ ही आईफा 2025 में भी प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में अपने दमदार किरदार के लिए सहायक अभिनेत्री की कैटेगरी में नॉमिनेशन भी मिला। इस मौके पर प्रियामणि ने अमर उजाला से खास बातचीत में 'आर्टिकल 370' के अपने किरदार और 'द फैमिली मैन सीजन 3' के बारे में बात की।

बातचीत में प्रियामणि ने आईफा में नॉमिनेशन मिलने और 'आर्टिकल 370' के अपने राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार को मिली प्रशंसा के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म के लिए आईफा में नॉमिनेशन मिलना काफी उत्साहित करने वाला है। इंडस्ट्री से लेकर आम जनता तक हर किसी ने किरदार को पसंद किया और उसकी तारीफ की। इंडस्ट्री में भी लोगों से प्रशंसा मिली। जिस तरह से मैंने किरदार को निभाया, उसे लोगों ने काफी पसंद किया। इंडस्ट्री से इतर कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि मैं वाकई में पीएमओ में काम करने वाली लग रही थी। मैंने इस तरह से किरदार को निभाया।'

इस बार और भी बेहतर होगा द फैमिली मैन का अगला सीजन

इस दौरान प्रियामणि ने 'द फैमिली मैन' के अगले सीजन के बारे में भी बात की, साथ ही ये भी बताया कि सीजन 3 कब तक आएगा। अभिनेत्री ने कहा, 'द फैमिली मैन का अगला सीजन बहुत ही जल्द आएगा। बस थोड़ा सा इंतजार और करिए।' हालांकि, उन्होंने इसको लेकर ज्यादा कुछ भी बोलने या जानकारी देने से साफ इंकार कर दिया। उन्होंने बस ये ही कहा कि सीरीज का यह सीजन पिछले दो सीजन से भी ज्यादा बेहतरीन और कमाल होने वाला है।

सुचित्रा तिवारी के किरदार में नजर आई हैं प्रियामणि

मनोज बाजपेयी की सुपरहिट वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' में प्रियामणि ने उनके किरदार श्रीकांत तिवारी की पत्नी सुचित्रा तिवारी का किरदार निभाया था। सीरीज के पिछले दोनों सीजन में प्रियामणि के काम को काफी पसंद किया गया है। अब फैंस 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

गोविंदा ही नहीं बिग बी के साथ भी काम कर चुकीं हैं एक्ट्रेस, इन हिंदी फिल्मों में किया काम

राम्या कृष्णन साउथ का जाना माना नाम हैं, लेकिन ये जानकार आपको हैरान होगी कि अभिनेत्री ने कई शानदार हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। बाहुबली के दोनों भाग में शिवगामी देवी के रोल से उन्होंने चारों तरफ खूब वाहवाही प्राप्त की थी। अब राम्या सनी देओल अभिनीत फिल्म जाट में नजर आ रही हैं। जानिए अभिनेत्री की हिंदी फिल्मों के बारे में।

क्रिमिनल

नागार्जुन अक्किनेनी, मनीषा कोइराला और राम्या कृष्णन अभिनीत फिल्म क्रीमिनल का निर्देशन महेश भट्ट के द्वारा किया गया था। इस फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया था। तुम मिले दिख खिले जैसे गानों ने फिल्म को हिट करा दिया था।

बनारसी बाबू

डेविड धवन के निर्देशन में बनी फिल्म बनारसी बाबू में राम्या कृष्णन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में अभिनेत्री के साथ अपोजिट रोल में गोविंदा थे। साल 1997 में रिलीज हुई यह कॉमेडी फिल्म हिट रही थी।

बड़े मियां छोटे मियां

साल 1998 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन डेविड धवन द्वारा किया गया था। फिल्म में कई दिग्गज कलाकार मौजूद थे। इसमें अमिताभ बच्चन के अपोजिट राम्या कृष्णन ने शानदार भूमिका निभाई थी। इन दोनों के अलावा फिल्म में गोविंदा और रवीना टंडन ने भी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म ने सिनेमाघरों मे औसत प्रदर्शन किया था।

चाहत

महेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म चाहत साल 1996 में रिलीज हुई थी। शाहरुख खान अभिनीत फिल्म में पूजा भट्ट के अलावा राम्या कृष्णन ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी। यह एक रोमांटिक- थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में इन कलाकारों के अलावा अनुपम खेर और नसीरुद्दीन शाह ने भी शानदार अभिनय किया था। हालांकि, आपको बताते चलें कि राम्या कृष्णन की ये फिल्म फ्लॉप रही थी।

सामंथा ने इसलिए ठुकरा दी करोड़ों की डील हिंदी सिनेमा में वापसी के लिए जबर्दस्त तैयारी

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार रहीं सामंथा रुथ प्रभु की साल 2012 में आई पहली हिंदी फिल्म 'एक दीवाना था' के 13 साल बाद उनके एक बड़े बजट की हिंदी फिल्म में लीड हीरोइन के तौर पर बड़े परदे पर उतरने के आसार बनते दिख रहे हैं। इस फिल्म को करने से पहले सामंथा ने अपनी पर्सनल ब्रांडिंग के लिए खास रिसर्च कराई है और माना जा रहा है कि उनकी पर्सनल ब्रांडिंग हिंदी सिनेमा में एक 'केयरिंग' सुपरस्टार के तौर पर आने वाले दिनो में और मजबूत होने वाली है।

पहले 'फैमिली मैन 2' और फिर 'सिटाडेल- हनी बनी' में हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच खूब पसंद गईं सामंथा की इस साल कोई फिल्म रिलीज नहीं होने वाली है। लेकिन, अगले साल के लिए सामंथा ने एक तो अपनी ही प्रोडक्शन कंपनी की शूटिंग शुरू कर दी है, दूसरी फिल्म उनकी हिंदी सिनेमा के एक ऐसे प्रोडक्शन हाउस की फिल्म बताई जा रही है, जो अरसे से साउथ सिनेमा के सितारों को हिंदी सिनेमा में लॉन्च करने की कोशिश में रहा है। जानकारी के मुताबिक सामंथा को हिंदी सिनेमा में बतौर लीड हीरोइन लांच करने जा रही इस कंपनी ने साउथ के एक बड़े सितारे को लेकर एक द्विभाषी फिल्म कुछ साल पहले बनाई भी, हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उतनी सफल नहीं रही। सामंथा के करीबी बताते हैं कि हिंदी पट्टी में बड़े परदे पर उतरने की तैयारी वह बीते तीन-चार साल से करती आ रही हैं और इसी के चलते उन्होंने ऐसे किसी भी ब्रांड का विज्ञापन करने से मना किया जिसके चलते लोगों की सेहत पर खराब असर पड़े। सॉफ्ट ड्रिंक्स से लेकर सौंदर्य क्रीम तक के दर्जनों प्रस्ताव इस दौरान सामंथा को मिलते रहे हैं, लेकिन वह कहती हैं, मैंने अपनी युवावस्था में जो गलतियां कीं, मैं नहीं चाहती कि आज की युवतियां उन्हें दोहराएं। अब जब भी कोई सौंदर्य उत्पाद या सेहत से जुड़ा उत्पाद मेरे पास एंडोर्समेंट के लिए आता है तो सबसे पहले मैं अपने तीन डॉक्टरों के एक पैनल से सलाह लेती हूं। उसके बाद भी किसी ब्रांड के साथ अपना नाम जोड़ने का फैसला लेती हूं। अगर मैं गिनने बैठूं तो सिर्फ बीते एक साल में मैंने 15 बड़े ब्रांड को मना किया। जाहिर है इससे मुझे करोड़ों रुपये का नुकसान भी हुआ, लेकिन मेरा मानना है एक लोकप्रिय सितारे को पैसे से ज्यादा अपने प्रशंसकों की सेहत को अहमियत देनी चाहिए। ज्यादा दिन नहीं हुए सब अभिनेता आर माधवन ने भी इसी तरह करोड़ों रुपये की एक डील एक पान मसाला कंपनी का प्रस्ताव ठुकराकर रद्द कर दी थी। माधवन का बेटा वेदांत अंतर्राष्ट्रीय तैराकी चैंपियन है और अपने बेटे के खेल प्रेम को देखते हुए ही माधवन ने ऐसे किसी भी ब्रांड का प्रमोशन न करने का फैसला किया है जो लोगों की सेहत पर विपरीत असर डाल सकता हो। सामंथा की कोशिश भी अपना पर्सनल ब्रांड माधवन की तरह का ही विकसित करने की है।

रणबीर कपूर की रामायण में ये अहम किरदार निभाने वाले थे जयदीप

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की कास्ट से लेकर शूटिंग तक को लेकर लगातार समय-समय पर जानकारियां सामने आ रही हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक और जानकारी सामने आ रही है। जिसमें ऐसा बताया जा रहा है कि 'रामायण' में विभीषण के किरदार के लिए अभिनेता जयदीप अहलावत से भी बात की गई थी और अभिनेता इस किरदार के लिए काफी उत्सुक भी थे, लेकिन फिर बात नहीं बन पाई

जयदीप अहलावत थे उत्सुक, लेकिन...

रिपोर्ट्स की मानें तो विभीषण के किरदार के लिए जयदीप अहलावत मेकर्स की पहली पसंद थे। मेकर्स ने जयदीप अहलावत से इस किरदार के लिए बातचीत भी की। अभिनेता खुद भी इस माइथोलॉजी फिल्म को करने के लिए काफी उत्सुक थे। हालांकि, डेट्स ने जयदीप अहलावत की इच्छाओं पर पानी फेर दिया। अपने शेड्यूल और डेट्स की कमी के चलते जयदीप अहलावत को इस किरदार को मना करना पड़ा। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि निर्माता उन्हें मुख्य भूमिका के लिए लाने के लिए उत्सुक थे, लेकिन तारीखें बस मेल नहीं खा रही थीं।

विजय सेतुपति का नाम भी था चर्चाओं में

हालांकि, विभीषण के रोल के लिए सिर्फ जयदीप अहलावत ही रेस में नहीं थे। पिछले साल ऐसी चर्चाएं भी काफी थीं कि तमिल सुपरस्टार विजय सेतुपति से भी विभीषण के किरदार के लिए बात की गई थी। हालांकि, बाद में वहां भी बात नहीं बन सकी और विजय सेतुपति भी इस किरदार को निभाने से चूक गए।

रणबीर राम और साई पल्लवी बनेंगी माता सीता

'रामायण' में भगवान राम के किरदार के लिए रणबीर कपूर, सीता माता के किरदार के लिए साईं पल्लवी और रावण के किरदार के लिए केजीएफ स्टार यश का नाम फाइनल हो चुका है। जबकि सनी देओल के फिल्म में हनुमान जी का किरदार निभाने की चर्चाएं हैं।

दो पार्ट में रिलीज होगी फिल्म

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' की फिलहाल शूटिंग चल रही है। फिल्म से अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म दो पार्ट्स में रिलीज होनी है। इसका पहला भाग साल 2026 में जबकि दूसरा भाग 2027 में रिलीज होने की संभावना है।

एनिमल और मार्को से हिट 3की तुलना किए जाने पर नानी ने तोड़ी चुप्पी

हिट- द थर्ड केस के निर्माताओं ने 14 अप्रैल को ट्रेलर जारी किया, जिसमें अर्जुन सरकार के रूप में नानी को पेश किया गया। फिल्म के डार्क, खूनी और एक्शन सीन्स ने लोगों का ध्यान खींचा, जिसे यूजर्स को अन्य फिल्मों के सीन्स याद आ गए। यूजर्स ने हिट 3के सीन्स की तुलना रणबीर कपूर की एनिमल, उन्नी मुकुंदन की मार्कोऔर किलसे की। हालांकि नानी ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि हिट 3पूरी तरह से अलग जगह से संबंधित है। हैदराबाद में हिट 3के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अन्य फिल्मों से हिट 3की तुलना पर नानी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा- मुझे नहीं लगता कि हिट 3को एनिमल, किलया मार्कोके समान कैटेगरी में रखा जाना चाहिए। यह एक अलग कहानी है, एक बार जब आप पूरी फिल्म देख लेंगे तो सब कुछ इतना स्वाभाविक लगेगा कि हिंसा बाहर नहीं आएगी।

आईपीएल में आज होगा टाइटंस और कैपिटल्स के बीच मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच कड़ी टक्कर होना तय है। इसका कारण है कि दिल्ली की टीम अब तक एक ही मैच हारी है और उसे छह मैचों के बाद 10 अंक हैं और वह शीर्ष पर है जबकि गुजरात की टीम चार जीत के साथ ही 8 अंक लेकर दूसरे नंबर पर है। दोनो ही टीमों ने अब तक जबरदस्त बल्लेबाजी की है। दिल्ली की टीम की कमान अक्षर पटेल के पास जबकि गुजरात की शुभमन गिल के पास है। गुजरात की टीम को इस मैच में घरेलू मैदान का लाभ मिल सकता है। यहां की पिच बल्लेबाजी के अनुकूल रहती है, इसलिए इस मैदान पर बड़े स्कोर बनने तय हैं। इस पिच पर अच्छी उछाल मिलने के कारण बल्लेबाज के लिए शॉट खेलना काफी आसान रहता है। हालांकि, जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता है पिच धीमी होने लगती है, जिससे गेंदबाजों के पास भी अच्छा अवसर रहता है। ऐसे में कुल मिलाकर देखा जाये तो पिच में बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों के लिए भी अवसर हैं। इस मैदान पर तेज गेंदबाज स्पिनरों से अधिक प्रभावी होते हैं।

दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को सुपर ओवर में हराया था जिससे वह इस मैच में बड़े हुए मनोबल से उतरेगी। वहीं, गुजरात को पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिससे उसके ऊपर दबाव रहेगा जिससे वह उबरना चाहेगी। ऐसे में इस मैच में दिल्ली का पलड़ा भारी नजर आता है। दिल्ली की बल्लेबाजी करुण नायर, केएल राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, कप्तान अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा जैसे बल्लेबाजों पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान तेज गेंदबाजों मिचेल स्टार्क और मोहित शर्मा के अलावा स्पिनर कुलदीप यादव, अक्षर पर आधारित रहेगी।

वहीं दूसरी ओर गुजरात की बल्लेबाज कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन पर आधारित रहेगी। सुदर्शन ने इस आईपीएल सत्र में 300 से अधिक रन बनाये हैं। वहीं उसकी गेंदबाजी मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा स्पिनर साई किशोर पर आधारित रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, इम्पैक्ट प्लेयर- शेरफेन रदरफोर्ड।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपरज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, इम्पैक्ट प्लेयर- मुकेश कुमार।

आईपीएल में इस बार मुम्बई इंडियंस और सीएसके सहित इन चार टीमों का बाहर होना तय

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार पांच बार की विजेता मुम्बई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अलावा राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद का भी बाहर होना तय नजर आ रहा है। ये सभी टीमें अंत तालिका में निचले क्रम पर हैं। मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स चारों टीमों के पास चार अंक है। इन टीमों की स्थिति काफी कमजोर बनी हुई है। अब अगर ये एक दो मैच हारती हैं तो बाहर हो जाएंगी। प्लेऑफ के लिए कम से कम 16 अंक होने चाहिये और अभी के प्रदर्शन को देखते हुए इन टीमों का वहां पहुंचना असंभव सा है।

अभी तक दिल्ली कैपिटल्स के अलावा सभी टीमों ने छह या इससे अधिक खेले हैं। आईपीएल में अभी गुजरात टाइटन्स, दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, पंजाब किंग्स शीर्ष चार में हैं और इनके प्लेऑफ में जाने की संभावनएं सबसे ज्यादा हैं। इन सभी सभी टीमों के आठ अंक है। आईपीएल 2025 के इस सत्र में कुल 74 मैच होने है। प्लेऑफ के लिए हर टीम को लीग चरण में 14 मैच खेलने है। अंक तालिक में शीर्ष चार टीमों को प्लेऑफ में जगह मिलेगी।

आईपीएल 2025 के बीच देश छोड़कर जा रहे हैदराबाद के कप्तान !, कमिंस की पत्नी ने शेयर की तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस यहां टीम को जीत दिलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वहीं कमिंस की एक तस्वीर वायरल हो रही है जिसमें वह अपनी पत्नी के साथ सामान सहित एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के वायरल होने के बाद यह कयास तेज हो गए हैं कि कमिंस IPL सीजन और हैदराबाद टीम दोनों को बीच में छोड़कर वापस जा रहे हैं।

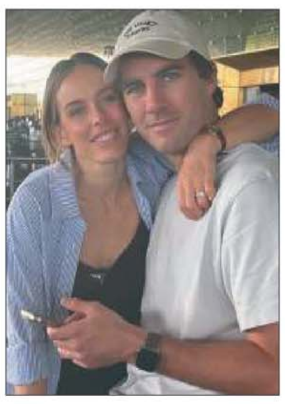

कमिंस की पत्नी बेकी ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की जिसमें लिखा था, 'अलविदा भारत, हमें इस खूबसूरत देश में आकर बहुत अच्छा लगा।' इसी के साथ ही उन्होंने भारत का झंडा और दिल वाली इमोजी भी लगाई। इस तस्वीर में कमिंस भी अपनी पत्नी के साथ नजर आ रहे हैं जिससे यह कयास तेज हो गए हैं कि शायद वह भी अपनी पत्नी के साथ स्वदेश लौट रहे हैं। हालांकि अभी तक इस बारे में कमिंस या फ्रेंचाइजी की तरफ से कुछ नहीं कहा गया है कि वह स्वदेश लौट रहे हैं या कुछ और बात है।

अभिषेक शर्मा के शतक की बदौलत आईपीएल 2024 के उपविजेता ने पंजाब किंग्स के खिलाफ ठोस वापसी की और 246 के बड़े लक्ष्य का पीछा किया। वे अपना फॉर्म जारी रखने में विफल रहे और वानखेड़े स्टेडियम में MI के खिलाफ 163 के लक्ष्य का बचाव नहीं कर सके।

SRH ने अपने सीजन की शुरुआत राजस्थान रॉयल्स पर जीत के साथ की, लेकिन उसके बाद से संघर्ष कर रही है। उन्हें क्रमशः लखनऊ सुपर जायंट्स, दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और गुजरात टाइटन्स के खिलाफ लगातार चार हार के बाद पंजाब किंग्स के खिलाफ वापसी ली लेकिन लय को जारी नहीं रख पाए। टीम ने अभी तक 7 में से 2 मैच जीते हैं और अंक तालिका में 9वें स्थान पर है।

जहां तक कमिंस के प्रदर्शन की बात है तो IPL 2025 में उन्होंने 7 मैचों में 252 रन देते हुए 7 विकेट लिए हैं। कमिंस ने 10.22 की इकोनॉमी के दर से विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ 3/26 रहा है।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स का मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला अपने घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जाइंट्स से होगा। इस मैच में रॉयल्स का लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा क्योंकि पिछले तीन मैचों से मिल रही हार से वह अंक तातिका में काफी नीचे खिसक गयी है। रॉयल्य के लिए हालांकि जीत दर्ज करना इतना आसान नहीं होगा। इसका कारण उसकी टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है उसके कप्तान संजू सैमसन पिछले मैच में चोटिल भी हो गये थे, ऐसे में उनके खेलने पर भी संशय रहेगा। टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों को इस मैच में जीत दर्ज करने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उसके गेंदबाजों को सुपर जाइंट्स के आक्रामक सलामी बल्लेबाज निकोलस पूरन पर अंकुश ओर कप्तान ऋषभ पंत पर अंकुश लगाना होगा। अभी तक रॉयल्स की टीम को सात मैचों में केवल दो मैचों में ही जीत के मिली है और वह आठवें स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर अंकतालिका में पांचवे स्थान पर चल रही सुपर जाइंट्स का लक्ष्य इस मैच को जीतकर एक बार फिर अंक तालिका में शीर्ष चार में पहुंचना रहेगा।

रॉयल्स की कमजोरी बल्लेबाजी का कमजोर होना है जिसका लाभ सुपर जाइंट्स उठाना चाहेगी। अभी तक राजस्थान का बल्लेबाजी क्रम दबाव में बिखरता दिखा है। उसके सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने हालांकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में लौटने के संकेत दिये हैं पर देखना होगा कि क्या वे इस लय को बनाये रख पाते हैं। पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 66 रन बनाने के बाद से ही सैमसन के बल्ले से रन नहीं आये हैं। टीम के अच्छे स्कोर के लिए सैमसन और यशस्वी का रन बनाना बेहद जरुरी है।

रॉयल्स के बल्लेबाजों को सुपर जाइंट्स के गेंदबाजों शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, दिग्वेश राठी और स्पिनर रवि बिश्नोई के सामने सावधानी से खेलना होगा। रॉयल्स की परेशानी रियान पराग और ध्रुव जुरेल का फार्म में नहीं होना है हालांकि नीतिश राणा ने पिछले मैच में 51 रन बनाए और टीम उनसे इस मैच में भी इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद करेंगी। गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर औरा संदीप शर्मा को बेहतर प्रदर्शन कर सुपर जाइंट्स के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। लखनऊ की ताकत पूरन के आलावा मिचेल मार्श जैसे बेहतरीन बल्लेबाजों का होना है। इसके अलावा उसके पास एडेन माक्ररम और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ी भी हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मार्करम, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिशेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हैंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, अवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ। प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

राजस्थान रॉयल्स : संजू सैमसन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभम दुबे, नितीश राणा, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, जोफ्रा आर्चर, महीश तीक्षाना, तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, फजल हक फारूकी, कुणाल सिंह राठौड़, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, क्वेन मफाका, वानिंदु हसरंगा, युद्धवीर सिंह चरक, अशोक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी।

आईपीएल : हेड सबसे अधिक स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

मुम्बई। सनराइजर्स हैदराबाद को मुंबई इंडियंस के खिलाफ यहां हुए मैच में हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में सनराइजर्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने एक नया रिकार्ड बनाया है। हेड ने इस मैच में केवल 29 रन बनाये पर इसके साथ ही हेड आईपीएल में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने 170 से अधिक के स्ट्राइक रेट और 30 से अधिक के औसत से कुल 1000 रन बनाये हैं। इससे पहले जिन भी खिलाड़ियों ने 1000 रन बनाये हैं उनका स्ट्राइक रेट कम रहा है। हेड ने आईपीएल में 172 के स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाए है। हेड ने कुल 32 मैचों में 36.21 के औसत से 1014 रन बनाए हैं। इससे पहले 102 से अधिक खिलाड़ियों ने आईपीएल में 1000 रन बनाये हैं। इसमें वेस्टइंडीज के रसल ने 170 के अधिक के स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाये पर उनका औसत भी 27 रहा है। इसके अलावा वेस्टइंडीज के ही निकोलस पूरन और दक्षिण अफ्रीका के हेनिरिक क्लासेन जैसे खिलाड़ियों ने भी 1000 रन बनाये हैं पर उनका औसत भी हेड से कम ही रहा है हालांकि हेड का फॉर्म इस साल आईपीएल में अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 6 मैच में अब तक कुल 248 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 34 के औसल और 168 के स्ट्राइके रेट से रन बनाये हैं।

बल्लेबाजों के निडर होकर खेलने से बड़े स्कोर बन रहे : पार्थिव

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रहे पार्थिव पटेल ने कहा है कि बल्लेबालों के बैखौफ होकर खेलने से आईपीएल में स्कोपावरप्ले के दौरान काफी रन बन रहे हैं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज कहा कि पहले के समय में पावरप्ले में स्कोर 45 रन से अधिक नहीं होता था। इस सत्र में पार्थिव गुजरात टाइटंस के सहायक कोच की भूमिका भी निभा रहे हैं। पटेल ने कहा, '' इसमें कोई संदेह नहीं कि आजकल बड़े स्तर पर रणनीति बनाई जाती है। कुछ साल पहले जब मैं खेल रहा था तब पावरप्ले का स्कोर 45 के आसपास अच्छा माना जाता था।'' उन्होंने कहा, '' उसके बाद 50 और फिर 55 से 60 तक हो गया। इसके बावजूद हालात को भी देखना पड़ता है। अगर आप चेन्नई में खेल रहे हैं तो 150 अच्छा स्कोर है और वहां टीम से पावरप्ले में 70 या 80 रन की उम्मीद नहीं की जाती।'' उन्होंने कहा, '' परअगर सभी मैचों को देखें तो 70 रन बन रहे है। आप किन्हीं भी हालात में खेल पर बेंचमार्क 45 से ऊपर जाना तय हो गयहै।'' पटेल ने कहा, '' अब बल्लेबाज जोखिम लेने में डरते नहीं हैं। वे बेखौफ होकर खेलते हैं। उनकी सहायता के लिये विशेषज्ञ भी उपस्थित हैं। हर कोई बल्लेबाज बड़े शॉट लगाने के इरादे से ही मैच में उतरता है।

महिला खिलाड़ियों को सशक्त कर रही है महिला प्रीमियर लीग : स्मृति मंधाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पिछले छह साल में महिला क्रिकेट के लिए काफी काम किया है और पुरुषों की इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर शुरू हुई महिला प्रीमियर लीग निश्चित रूप से युवा खिलाड़ियों को सशक्त कर रही है। मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने WPL खिताब अपनी झोली में डाला था जो आरसीबी की कैबिनेट में एकमात्र ट्रॉफी है।

महाराष्ट्र के सांगली जिले की इस स्टार क्रिकेटर का कहना है कि अभी तो डब्ल्यूपीएल के तीन चरण ही खेले गए हैं लेकिन इसका असर घरेलू क्रिकेट और लड़कियों पर साफ दिखने लगा है। उन्होंने कहा, 'अंडर-19 टीम की खिलाड़ियों में बड़ा बदलाव आया है, उन्हें इतनी सारी चीजें पता हैं जो हम अपने दिनों में नहीं जानते थे। इसलिए लीग के आने से काफी विकास हुआ है। अब टीवी पर भी महिला क्रिकेट का प्रसारण होता है, सब भारतीय महिला टीम को जानते हैं। बीसीसीआई ने पिछले छह साल में महिला क्रिकेट के लिए बहुत काम किया है।'

मंधाना ने दुबई में 'सिटी क्रिकेट अकादमी' के लांच के मौके पर चुनिंदा मीडिया से वर्चुअल बातचीत में कहा, 'पिछले तीन वर्षों में WPL किस तरह से आगे बढ़ा है, इसे देखने के लिए कितनी सारी लड़कियां आ रही हैं, आप स्पष्ट बदलाव देख सकते हैं। छोटी छोटी लड़कियां भी हमारे पास आ रही हैं और वे क्रिकेटर बनना चाहती हैं जो बहुत अच्छी चीज है। काफी माता-पिता अपनी बच्चियों को अकादमी में भेज रहे हैं ताकि वे डब्ल्यूपीएल में खेल सकें।' उन्होंने कहा, 'महिला क्रिकेट अब लोकप्रिय हो रहा है। टी20 क्रिकेट जिस तरह से आगे बढ़ रहा है, उसे देखते हुए डब्ल्यूपीएल भी दर्शकों का काफी मनोरंजन कर रहा है। WPL उसी तरह काम कर रहा है जैसा आईपीएल ने पुरुष क्रिकेट के लिए किया था। घरेलू क्रिकेट पर भी इसका असर दिख रहा है, लड़कियां डब्ल्यूपीएल खेलकर भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलना चाहती हैं।'

मंधाना काफी समय से खुद की अकादमी बनाने पर विचार कर रही थीं लेकिन अपने व्यस्त कार्यक्रम के कारण ऐसा नहीं कर पा रही थीं। फिर इस बारे में असम के पूर्व क्रिकेटर और ब्रिटेन में बसे मशहूर कोच डॉन भगवती से भी उनकी बातचीत हुई जिन्होंने लीस्टर में बहुत साल पहले अपनी अकादमी शुरू की थी। अब दुबई के बाद भगवती की योजना भारत में भी इसी तरह की अकादमी शुरू करने की है। अकादमी में युवा प्रतिभाओं को तराशने में डॉन की पत्नी का अनुभव भी काम आता है जो इंग्लैंड की क्रिकेटर रह चुकी हैं।

मंधाना ने इस अकादमी में दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में कहा, 'हम अकादमी में महिला क्रिकेट के विकास पर ध्यान लगाना चाहते थे कि सिर्फ उनके कौशल ही समग्र विकास पर ध्यान दिया जाए। कुछ अकादमियां केवल कौशल पर ध्यान लगाती हैं लेकिन हम चाहते हैं कि वे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत हों। इसमें खेल विज्ञान सहित पोषण का भी ध्यान रखा जाए इसलिए पोषण विशेषज्ञ भी होंगे।' समय मिलने पर मंधाना भी अकादमी में बच्चों को क्रिकेट की बारीकियां बताएंगी। लेकिन भारत में सितंबर में होने वाले महिला विश्व कप की तैयारियों के लिए उनका कार्यक्रम काफी व्यस्त रहेगा। उन्होंने कहा, 'इस साल भारत में ही महिला विश्व कप होगा तो समय नहीं मिलेगा। लेकिन दो तीन दिन का भी समय मिले तो अकादमी में बच्चों को समय दूंगी और उनसे क्रिकेट का ज्ञान साझा करूंगी।' मंधाना 27 अप्रैल से शुरू होने वाली भारत की आगामी वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला में खेलेंगी।

विश्वकप में खेलने पर फैसला मेसी को ही लेने दे : स्कोलोनी

मुम्बई। कनाडा, यूनाइटेड स्टेट और मैक्सिको में होने वाले 2026 फीफा विश्वकप में अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी के खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। मेसी की कप्तानी में ही पिछले विश्वप में अर्जेंटीना ने खिताब जीता था पर अब वह 27 साल के हो गये हैं। ऐसे में वह अगले साल विश्वकप में खेल पायेंगे ये पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। 2022 विश्वकप में अर्जेंटीना की जीत में मेसी की अहम भूमिका थी। उन्होंने तब 7 गोल किए थे। इस खिलाड़ी ने अब तक पांच फीफा विश्वकप खेले हैं। अगले साल तक वह 28 के हो जाएंगे। ऐसे में उनकी फिटनेस कैसी रहती है ये भी देखना होगा। अर्जेंटीना ने विश्वकप के लिए पहले ही प्रवेश हासिल कर लिया है। वहीं कोच लियोनल स्कोलोनी ने कहा कि हम देखेंगे कि आगे क्या होता है, अभी बहुत समय है। अभी हमें उसे अकेला छोड़ देना चाहिए समय आने पर वह खेलने ये नहीं खेलने पर अपनी ओर से फैसला करेगा। अर्जेंटीना की टीम आजकल अच्छी लय में है। उसने मैसी के बिना ही क्वालीफाइंग में सबसे अधिक बार चैम्पियन रही ब्राजीत को भी 1-4 से हराया था। इसके अलावा उसने उरुग्वे को भी 1-0 से हराया था। इस मैच में भी मेसी शामिल नहीं थे।

बाबर को फॉर्म में वापसी कराने में मदद कर सकते हैं सीनियर खिलाड़ी : जहीर अब्बास

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जहीर अब्बास ने कहा कि पूर्व खिलाड़ी खराब दौर से गुजर रहे बाबर आजम की बल्लेबाजी में तकनीकी खामियों को दूर करके फॉर्म में वापस लाने में मदद कर सकते हैं। अब्बास ने कहा कि या तो बाबर अहंकारी है या पूर्व खिलाड़ियों से सलाह लेने में बहुत शर्मीले हैं लेकिन उन्हें सीनियर खिलाड़ियों से बैठकर बात करने की जरूरत है। अपने करियर में 100 प्रथम श्रेणी शतक लगाने वाले अब्बास ने कहा, 'मुझे लगता है कि या तो बाबर को अहंकार की समस्या है या वह अपनी मौजूदा स्थिति से उबरने के लिए अपने सीनियर खिलाड़ियों से सलाह लेने में बहुत शर्मीला है।' उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं जब पाकिस्तानी और भारतीय खिलाड़ियों ने खराब दौर से गुजरने के दौरान एक-दूसरे से सलाह मांगी है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 2016 में यूनिस खान ने मोहम्मद अजहरुद्दीन से बात की और इंग्लैंड में दोहरा शतक बनाया। मुझे याद है कि 1989-90 में भारत के पाकिस्तान दौरे पर अजहरुद्दीन ने मुझसे मार्गदर्शन मांगा था। वह रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहा था और मैंने उसे बल्लेबाजी की ग्रिप बदलने के लिए कहा। सईद अनवर ने सुनील गावस्कर से सलाह मांगी।' पाकिस्तान के प्रमुख बल्लेबाज बाबर पिछले कुछ महीनों से सभी प्रारूपों में खराब दौर से गुजर रहे हैं और उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय शतक 2023 में एशिया कप में नेपाल के खिलाफ आया था। यहां तक कि मौजूदा पाकिस्तान सुपर लीग में भी बाबर पेशावर जाल्मी की अगुवाई करते हुए दो बार सस्ते में आउट हो गए।

फ्रेंच ओपन में सम्मानित होंगे 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रफेल नडाल

पेरिस। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रफेल नडाल को फ्रेंच ओपन के शुरूआती दिन 25 मई को कोर्ट फिलिप चैट्रियर में सम्मानित किया जाएगा। फ्रेंच ओपन में रिकॉर्ड 14 बार के विजेता नडाल ने पिछले साल नवंबर में खेल से संन्यास ले लिया था। फ्रेंच ओपन की निदेशक एमिली मौरेस्मो ने बृहस्पतिवार को कहा कि राफा ने कई मायनों में फ्रेंच ओपन के इतिहास पर अपनी छाप छोड़ी है इसलिए उनके सम्मान में एक समारोह आयोजित किया जाएगा। क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लैम के गलियारे में पहले से ही नडाल की एक प्रतिमा बनी हुई है। वह टूर्नामेंट संग्रहालय में एक प्रदर्शनी में भी शामिल होंगे और आधिकारिक फ्रेंच ओपन ट्रेलर में अपनी आवाज देंगे। नडाल फ्रेंच ओपन में अंतिम दफा 2024 में खेले थे लेकिन इसमें पहले दौर में ही एलेक्जेंडर ज्वेरेव से हार गए थे। राफेल नडाल, टेनिस इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक, ने अपनी शानदार उपलब्धियों से खेल जगत में अमिट छाप छोड़ी है।

'उसका जाने का टाइम आ गया' : वीरेंद्र सहवाग का रोहित शर्मा को कड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा ने पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद टी20आई से संन्यास ले लिया था और अब वह मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग सीजन में नजर आ रहे हैं जहां उनका फॉर्म चर्चा का विषय बना हुआ है। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने उनके खराब फॉर्म की आलोचना करते हुए कहा कि शायद अब समय आ गया है कि वह इस फॉर्मेट से दूर जाने पर विचार करें।

रोहित शर्मा ने इस आईपीएल सीजन में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए 6 पारियों में 13.66 की निराशाजनक औसत से सिर्फ 82 रन बनाए हैं जिसमें 0, 8, 13, 17, 18 और 28 रन शामिल हैं। गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ रोहित इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारे और 26 रन ही बनाए।

सहवाग ने कहा, 'अगर आप रोहित के पिछले 10 सालों के आईपीएल नंबरों को देखें, तो उन्होंने सिर्फ एक बार 400 से ज़्यादा रन बनाए हैं। इसलिए वह ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं जो सोचते हैं कि उन्हें 500 या 700 रन बनाने की जरूरत है। अगर वह सोचते हैं, तो शायद वह ऐसा कर सकते हैं। जब वह भारतीय कप्तान बने, तो उन्होंने कहा कि वह ऐसा खिलाड़ी बनना चाहते हैं जो पावरप्ले का फायदा उठाना चाहता है और मौकों का फायदा उठाना चाहता है, इसलिए वह अकेले ही सभी बलिदान करना चाहते हैं, लेकिन वह इस तथ्य पर विचार नहीं कर रहे हैं कि दिन के अंत में जब वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, तो यह आपकी विरासत है जो चोटिल हो रही है।'

उन्होंने कहा, 'अब उसका जाने का समय आ गया है और रिटायर होने से पहले आप प्रशंसकों को आपको याद रखने के लिए कुछ देना चाहेंगे, न कि ऐसे पल जो उन्हें यह सोचने पर मजबूर करें कि वे आपको क्यों नहीं छोड़ रहे हैं।' सहवाग ने कहा, '10 गेंदें अतिरिक्त लें, लेकिन कम से कम खेलें और खुद को मौका दें। वह कई बार बैक ऑफ द लेंथ गेंदों पर पुल शॉट खेलने के चक्कर में आउट हो चुके हैं। इसलिए उन्हें तय कर लेना चाहिए कि एक पारी में वह पुल शॉट बिल्कुल नहीं खेलेंगे। लेकिन उन्हें यह कौन समझाएगा? कोई तो होना चाहिए जो उन्हें सामान्य क्रिकेट खेलने के लिए कहे। जब मैं वहां था, तो सचिन, द्रविड़ या गांगुली मुझे सामान्य क्रिकेट खेलने के लिए कहते थे।'

संक्षिप्त समाचार

ईरान की अमेरिका के साथ रोम में होगी दूसरे दौर की परमाणु वार्ता, तेहरान ने की पुष्टि

दुबई, एजेंसी। ईरान ने बुधवार को पुष्टि की कि इस साप्ताहांत पर अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता रोम में होगी। इससे पहले वार्ता के स्थान को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी। ईरान ने पहले कहा था कि वार्ता ओमान में होगी। ईरान के सककारी टेलीविजन ने यह जानकारी दी। वार्ता में ओमान मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा। इस बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने अपने उपराष्ट्रपति मोहम्मद जवाद जरीफ का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। जरीफ 2015 में हुए परमाणु समझौते के मुख्य वार्ताकार थे। राष्ट्रपति ने जरीफ की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सरकार अब कुछ वजहों के कारण जतरफी के अनुभव का लाभ नहीं उठा सकती। नए उपराष्ट्रपति के रूप में मोहसिन इस्माइली की नियुक्ति की गई है, जो एक मध्यमार्गी और कानून विशेषज्ञ माने जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी भी बुधवार को तेहरान पहुंचे। उनके दौरे का मकसद प्रस्तावित समझौते के तहत निरीक्षकों को कितनी पहुंच मिलेगी, इस पर चर्चा करना है। ईरान ने 2018 में अमेरिका के समझौते से बाहर निकलने के बाद आईएईए के निरक्षकों की पहुंच सीमित कर दी थी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने अमेरिका से आग्रह किया है कि वह वार्ता में विरोधाभासी रुख अपने से बचे। उन्होंने कहा कि यूरेनियम संवर्धन ईरान का अधिकार है और इसे वार्ता का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता। ईरान इस मुद्दे पर भरोसे को बनाने के लिए तैयार है, लेकिन यूरेनियम संवर्धन का अधिकार अपरिवर्तित रहेगा। दोनों देशों के बीच आधी सदी शत्रुता के बाद यह वार्ता हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर हवाई हमले किए जा सकते हैं। ईरान ने भी अपने संवर्धित यरेनियम के स्तर को हथियार-श्रेणी के करीब बताते हुए परमाणु हथियार बनाने की धमकी दी है।

गाजा के बच्चे कुपोषण की समस्या से जूझ रहे, इस्राइल की नाकेबंदी से नहीं मिल पा रहा खाना

गाजा, एजेंसी। पहले से ही इस्राइल के हमले झेल रही गाजा की जनता अब एक नई समस्या से जूझ रही है। दरअसल गाजा में रह रहे लोगों में कुपोषण की समस्या बढ़ रही है। खासकर बच्चे कुपोषण से पीड़ित हैं और मार्च महीने में ही तीन हजार से ज्यादा बच्चे कुपोषण के चलते अस्पतालों में भर्ती हुए हैं। गौरतलब है कि हमास के साथ युद्धविराम समझौता टूटने के बाद इस्राइल ने गाजा में मानवीय मदद रोक दी है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने जारी किए आंकड़े मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फरवरी में 2027 बच्चे कुपोषण के चलते अस्पताल में भर्ती हुए थे। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मदद मामलों की एजेंसी (ओसीएचए) ने ये आंकड़े जारी किए हैं। एजेंसी ने बताया कि गाजा में खाने-पीने की चीजों की भारी कमी है। इस्राइल द्वारा मानवीय मदद और अन्य जरूरी सामान पर प्रतिबंध के फैसले को सात हफ्ते बीत चुके हैं। इसके चलते मांस, पोल्ट्री, अंडे, डेयरी, सब्जी और फल आदि की भारी कमी हो गई है। एजेंसी ने बताया कि गाजा में पीने के पानी की भी समस्या गंभीर है और इसका असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। हमास की कैद में बंधक लोगों को छुड़ाने के लिए नियुक्त किए गए ट्रंप प्रशासन के विशेष दूत एडम बोएलर ने कहा है कि बंधकों की रिहाई के बगैर युद्धविराम समझौते पर बात आगे नहीं बढ़ेगी।

अमेरिका : उड़ान भरते समय विमान में लगी आग, आपात लैंडिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डेनवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरते समय एक विमान के इंजन में आग लग गई। जानकारी के मुताबिक, विमान किसी जानवर से टकरा गया था, जिससे इंजन में आग लगी और पायलट को आपात लैंडिंग करनी पड़ी। घटना रविवार को यूनाइटेड एयरलाइंस की उड़ान 2325 में हुई, जो कनाडा जा रही थी। बोइंग 737-800 विमान में 153 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। सभी लोग सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। रेडियो पर एक व्यक्ति को कहते सुना गया, यूएस 2325, ऐसा लग रहा है कि आपके दाहिने इंजन से कभी-कभी आग की लपटें निकल रही हैं। इसके जवाब में चालक दल के सदस्य ने कहा, हमें लगता है हमने अपना दाहिना इंजन खो दिया है। संघीय विमानन प्रशासन ने बताया कि वह इस मामले की जांच कर रहा है।

अमेरिका : जेल में कैदी की मौत को लेकर 10 जेल कर्मियों पर मुकदमा दर्ज

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक जेल में 22 वर्षीय कैदी की मौत को लेकर 10 जेल सुरक्षा कर्मियों (सिक्योरिटी गार्ड) पर मामला दर्ज किया गया है। इनमें से दो सिक्योरिटी गार्ड पर हत्या का आरोप लगाया गया है। यह इस साल दूसरी बार है जब न्यूयॉर्क में किसी कैदी की मौत को लेकर जेल कर्मियों पर हत्या का मुकदमा चला है। घटना मिड-स्टेट जेल की है, जहां जेलकर्मियों ने कथित तौर पर बंदी मेसायाह नैंटवीको बुरी तरह पीटा। कैदी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 1 मार्च को उसकी मौत हो गई।

म्यांमार में 4900 कैदी रिहा किए गए

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की सैन्य सरकार ने देश के पारंपरिक नववर्ष के अवसर पर 4900 कैदियों को माफी देकर रिहा करने का एलान किया है। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि क्या किसी राजनीतिक कैदी को भी रिहाई मिलेगा या नहीं। रिहा किए जा रहे कैदियों में 13 विदेशी नागरिक भी हैं। रिहाई के बाद इन विदेशी कैदियों को निर्वासित किया जाएगा। हत्या और दुष्कर्म के दोषियों को माफी नहीं दी गई है।

यूक्रेन ने चीनी सैनिकों को मीडिया के सामने पेश किया:रूस की तरफ से जंग लड़ रहे थे

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने रूस की तरफ से जंग लड़ रहे चीनी सैनिकों को मीडिया के सामने पेश किया। पिछले 3 साल चल रही रूस-यूक्रेन जंग में ऐसा पहली बार हुआ। यूक्रेन ने पिछले हफ्ते जंग लड़ रहे 2 चीनी नागरिकों को पकड़ने का दावा किया था। हालांकि चीन ने अपने नागरिकों के जंग में शामिल होने की बात से इनकार कर दिया था। इसके बाद यूक्रेन ने इन युद्धबंदियों को मीडिया के सामने परेड कराने का फैसला किया। इसके लिए यूक्रेन ने युद्धबंदी कानून भी तोड़ा है। युद्धबंदियों की पहचान उजागर करना और उन्हें कैमरों व पत्रकारों के सामने पेश करना अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन माना जाता है।

यूक्रेन ने 155 चीनी सैनिकों की पहचाना का दावा किया : इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति ने दावा किया था कि उनकी खुफिया एजेंसी ने 155 चीनी नागरिकों की पहचान की है जो रूस की तरफ से जंग लड़ रहे हैं। यह संख्या ज्यादा भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि पहचान में आए सभी लोगों के नाम और पासपोर्ट की जानकारी उनके पास है। जेलेंस्की के मुताबिक रूस सोशल मीडिया के जरिए चीनी नागरिकों की भर्ती कर रहा है। चीन को भी इस बात की जानकारी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन यह जानने की कोशिश कर रहा है कि भर्ती करने वालों को बीजिंग की तरफ से निर्देश मिल रहे हैं या नहीं। इससे पहले जेलेंस्की ने 8 अप्रैल को जंग में शामिल दो चीनी नागरिकों का वीडियो शेयर किया, जिन्हें यूक्रेन ने पकड़ा था।

जेलेंस्की बोले- चीन को जंग में खींच रहा रूस : जेलेंस्की ने कहा कि रूस, चीन को इस जंग में खींच रहा है। यह पुतिन के प्लान का हिस्सा है। पुतिन चाहते हैं कि यूरोप में जंग फैले। रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेनी सेना डोनेट्स्क में 6 चीनी नागरिकों से लड़ाई लड़ रही थी। इस दौरान 2 लोगों को जिंदा पकड़ लिया गया। बाकी के चार चीनी नागरिक मारे गए या भाग गए, अभी साफ नहीं है। जेलेंस्की ने दावा किया कि पकड़े गए चीनी नागरिकों के पास से उनके पहचान पत्र, बैंक कार्ड और व्यक्तिगत डेटा मिला है। उन्होंने ये भी बताया कि चीनी नागरिक अब यूक्रेन की सुरक्षा सेवा की हिरासत में हैं। जेलेंस्की ने पकड़े गए चीनी नागरिकों का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। चीन बोला- यूक्रेन के दावे में सच्चाई नहीं जेलेंस्की ने अगले दिन बुधवार को दावा किया था कि वे रूस में बंदी बनाए गए यूक्रेनी सैनिकों के बदले दो युद्धबंदियों को देने को तैयार हैं। जेलेंस्की के दावे को चीन ने खारिज कर दिया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बुधवार को कहा कि इस दावे में कोई सच्चाई नहीं है। चीनी सरकार ने हमेशा अपने नागरिकों को जंग वाले इलाके से दूर रहने और किसी भी तरह से ऐसी लड़ाई में शामिल होने से बचने को कहा है। लिन जियान ने कहा कि चीन, यूक्रेन के साथ बातचीत करके इस मामले से जुड़ी पूरी जानकारी हासिल कर रहा है। चीन खुद को युद्ध में तटस्थ बताता है और कहता है कि वह न तो हथियार देता है और न ही सैनिक भेजता है। रूस ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, अमेरिका ने कहा कि यह जानकारी चौंका देने वाली है। यूएस स्टेट डिपार्मेंट की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि चीन, रूस का मददगार देश है जो जंग को बढ़ावा दे रहा है। रूस पहले भी चीन को ड्रोन पार्ट्स और माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स देता रहा है, लेकिन सैनिकों की मौजूदगी हैरान करने वाली है। रूस-यूक्रेन जंग में विदेशी सैनिकों की मौजूदगी के दावे पहले भी किए जाते रहे हैं। इससे पहले दक्षिण कोरिया ने दावा किया था कि उत्तर कोरिया के 10 हजार सैनिक रूस की तरफ से यूक्रेन में जंग लड़ रहे हैं। पैसे और रूसी नागरिकता के लिए जंग लड़ रहे इस बीच यूक्रेन के अखबार प्राव्दा ने यूक्रेनी सेना का हवाला देते हुए बताया है कि चीनी नागरिकों को जंग लड़ने के लिए रूस पैसे दे रहा है। जो शख्स पकड़ा गया है उसे चीन में एक रूसी ब्रोकर ने 3,480 डॉलर, यानी 3 लाख रुपए दिए थे। इसके साथ ही उसे रूसी नागरिकता देने का भी वादा किया गया था। पकड़े गए एक शख्स ने यूक्रेनी अधिकारियों को बताया कि उसे कई सारे चीनी नागरिकों के साथ लुगांस्क इलाके में ट्रेनिंग दी गई थी। इनमें से कई लोगों पर चीन में केस चल रहे थे और ये अपना देश छोड़ना चाहते थे। कुछ महीने पहले रुस के रैहडिट नाम के हैकर ग्रुप ने यूक्रेन के लिए लड़ने वाले विदेशी सैनिकों की जानकारी सार्वजनिक की थी। इसके मुताबिक रूस-यूक्रेन जंग की शुरुआत से लेकर अब तक यूरोप के 36 देशों से किराए के सैनिक लड़ने के लिए पहुंचे हैं। इसके अलावा भारत सहित एशिया के 22 देशों के नागरिक यूक्रेन की तरफ से लड़ रहे हैं।

टैरिफ वार से अमेरिका में बढ़ेगी महंगाई, सेंट्रल बैंक के प्रमुख बोले- आगे की राह मुश्किल

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए गए टैरिफ से वैश्विक व्यापार युद्ध छिड़ गया है और इसका असर विभिन्न उद्योगों पर पड़ा है। अब अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल ने चेतावनी दी है कि टैरिफ वार के चलते महंगाई बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन में जो नीतिगत बदलाव किए गए हैं, उनकी वजह से केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की परेशानी बढ़ सकती है।

टैरिफ का अमेरिका अर्थव्यवस्था पर हो सकता है स्थायी असर शिकागो में एक कार्यक्रम में बोलते हुए जेरोम पॉवेल ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने जो टैरिफ बढ़ाए हैं, वे उम्मीद से कहीं ज्यादा हैं और इससे बनी अनिश्चितता की स्थिति अर्थव्यवस्था पर स्थायी असर डाल सकती है। पॉवेल ने कहा कि सरकार ने बहुत ही नीतिगत बदलाव किया है और इस बारे में क्या किया जाए, इसका हमें कोई अनुभव नहीं है। गौरतलब है कि अमेरिका में केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के पास रोजगार बढ़ाने और महंगाई को नियंत्रण में रखने की जिम्मेदारी है। पॉवेल ने चेतावनी दी है कि टैरिफ वार के चलते रोजगार और महंगाई दोनों पर गंभीर असर पड़ सकता है। अमेरिका के शेयर बाजार में देखी गई भारी गिरावट टैरिफ वार के चलते अमेरिका में शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली है। नैस्डैक में चार प्रतिशत से ज्यादा और एसएंडपी में तीन प्रतिशत से ज्यादा की कमी देखी गई। एनवीडिया जैसी कंपनियों को खासा नुकसान उठाना पड़ा है क्योंकि अमेरिका द्वारा चीन पर लगाए गए टैरिफ से कंपनी की लागत काफी बढ़ जाएगी। इसी तरह कई अन्य कंपनियां भी प्रभावित हुई हैं। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि टैरिफ के चलते अल्पकालिक असर जरूर पड़ेगा, लेकिन लंबे समय में अमेरिका को इससे फायदा होगा।

इस्लामाबाद और खैबर पख्तूनख्वा में ओलावृष्टि से तबाही, 35 मिनट तक गिरे ओले

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुछ हिस्सों में बुधवार को हुए ओलावृष्टि ने तबाही मचाई। इसमें मकानों, गाड़ियां, सोलर पैनल और पेड़ों को काफी नुकसान पहुंचा। यह तूफान करीब 35 मिनट तक चला। इस दौरान हुई भारी बारिश की वजह से निचले इलाकों में बाढ़ आ गई। इस्लामाबाद में रहने वाले लोगों ने कहा कि ये बर्फ के गोले टेनिस बॉल जितने आकार के थे। उन्होंने अपनी जिंदगी में इतने बड़े ओले कभी नहीं देखे। ओलावृष्टि के कारण कई कारों के शीशे टूटने के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की सीनेटर और पूर्व जलवायु परिवर्तन मंत्री शेरी रहमान ने बारिश के दौरान जो भी देखा वह पागलपन था। ओले 'गोलियों की तरह' गिर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह जलवायु परिवर्तन का असर है। इस्लामाबाद के डिप्टी कमिश्नर कार्यालय ने कहा कि वे ओलावृष्टि से हुए नुकसान का जायजा ले रहे हैं। गेहूं और अन्य फसलों को हुए नुकसान के बारे में तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है।

पाकिस्तान सेना प्रमुख ने दोहराई टू-नेशन थ्योरी, जनरल मुनीर बोले- हमारी सोच और महत्वाकांक्षाएं हिंदुओं से अलग, इसलिए दो अलग देश बने

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने कहा है कि पाकिस्तान की नींव कलमे (इस्लाम धर्म का मूल मंत्र) पर रखी गई है। हम हर मामले में हिंदुओं से अलग हैं। हमारा धर्म अलग है, हमारे रीति-रिवाज अलग हैं। हमारी संस्कृति और सोच अलग है। यही टू-नेशन थ्योरी की नींव थी।

देश की राजधानी इस्लामाबाद में पहले ओवरसीज पाकिस्तानी सम्मेलन जनरल मुनीर ने यह बात कही। सम्मेलन में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ समेत पाकिस्तान के कई बड़े नेता मौजूद थे। जनरल मुनीर ने कहा- पाकिस्तान की कहानी अपने बच्चों को आपको जरूर सुनानी है। हमारे पूर्वजों ने सोचा कि हम हिंदुओं से अलग हैं। हमारी सोच, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। इसी वजह से हम दो देश हैं, एक देश नहीं हैं। इस देश के लिए हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया है। हम जानते हैं कि इसकी कैसे रक्षा करना है। जनरल मुनीर ने कहा- आज तक सिर्फ दो रियासतों की बुनियाद कलमे पर पड़ी। पहली रियासत-ए-तैयबा, क्योंकि तैयबा को हमारे नबी (मोहम्मद साहब) ने नाम दिया था। आज उसे मदीना कहते हैं। वहीं, दूसरी रियासत 1300 साल बाद अल्लाह ने पाकिस्तान बनाई। पहले कहा था- भारत हमारे नागरिक मार रहा पाकिस्तान के आर्मी चीफ ने पिछले साल कहा था कि भारत हमारी जमीन पर आतंक बढ़ा रहा है। वे हमारे मुल्क में घुसकर पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या कर रहे हैं। भारत की तरफ से अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन

उसकी आदत बनती जा रही है। इसके खिलाफ अब कई देश आवाज भी उठा रहे हैं। हम अपने नागरिकों की रक्षा के लिए उनकी इन साजिशों को लगातार नाकाम करते रहेंगे। अगर कोई भी मुल्क पर हमला करेगा या हमारी क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करेगा, तो सेना पूरी ताकत से इसका जवाब देगी। बांग्लादेश से तुलना करने पर भड़क गए थे जनरल मुनीर पिछले साल पाकिस्तान में इमरान खान की रिहाई के लिए हुए प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों की तुलना बांग्लादेश में तख्तापलट के दौरान बने हालात से की जा रही थी। इसे लेकर आर्मी चीफ मुनीर भड़क गए थे। उन्होंने कहा था देश में संकट खड़ा करना 'सबसे बड़ा गुनाह' है। सेना ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम कर देगी और देश की हिफाजत करेगी। मुनीर ने कहा कि अगर कोई पाकिस्तान में अराजकता फैलाने की कोशिश करता है तो 'अल्लाह कसम', हम उनसे मुकाबला करेंगे। उन्होंने यकीन दिलाया कि अल्लाह के रहमो करम से पाकिस्तानी सेना अशांति और अव्यवस्था को दूर करने में कामयाब होगी। आसिफ मुनीर 2027 तक आर्मी चीफ के पद पर रहेंगे पाक आर्मी चीफ का कार्यकाल 2025 में खत्म होने वाला था। हालांकि, सरकार ने आर्मी चीफ के कार्यकाल को 3 साल से बढ़ाकर 5 साल कर दिया है। इसके लिए सरकार ने पिछले साल कानून में यह संशोधन किया था। जनरल आसिम मुनीर भी अब 2027 तक पद पर कायम रहेंगे। आर्मी चीफ के अलावा पाकिस्तानी सेना के दूसरे सीनियर कमांडरों का कार्यकाल भी बढ़ाया था। रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने पाकिस्तान आर्मी एक्ट 1952 में संशोधन का प्रस्ताव रखा था। इसे सदन के अध्यक्ष अयाज सादिक ने पारित कर दिया है।

ब्रिटेन में ट्रांसजेंडर को महिला नहीं माना जायेगा: कोर्ट ने आरक्षण देने से इनकार किया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में अब ट्रांसजेंडर को महिला नहीं माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को महिला होने की कानूनी परिभाषा पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि जो जन्म से महिला यानी बायोलॉजिकल फीमेल है, उसे ही महिला माना जाएगा। कोर्ट के इस फैसले से ट्रांसजेंडर अधिकारों पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। कोर्ट ने समानता अधिनियम 2010 की व्याख्या करते हुए बताया कि महिला और लिंग शब्द बायोलॉजिकल फीमेल और बायोलॉजिकल जेंडर को बताते हैं। पांच जजों की बैंच ने सर्वसम्मति से यह फैसला दिया। बैंच में शामिल जज पैट्रिक हॉज ने कहा कि यह एक्ट ट्रांसजेंडर लोगों को उनके साथ जेंडर के आधार पर होने वाले भेदभाव से सरंक्षण देता है।

महिला होने पर क्यों छिड़ी बहस: 2018 में स्कॉटलैंड की सरकार ने एक कानून बनाया, जिसमें सार्वजनिक संस्थाओं में 50प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी जरूरी थी। इस कानून में ट्रांसजेंडर महिलाओं (जिनके पास जेंडर रिकग्निशन सर्टिफिकेट या जीआरसी है) को भी 'महिला' माना गया। फॉर वूमेन स्कॉटलैंड नाम के समूह ने इसका विरोध किया और कहा कि यह कानून 'महिला' की परिभाषा को गलत तरीके से बदल रहा है। 2022 में स्कॉटिश कोर्ट में यह मामला हारने के बाद, यह सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। 5 जजों ने एकमत से कहा कि इक्विलिटी एक्ट में 'महिला' और 'सेक्स' का मतलब जन्म से महिला और प्राकृतिक सेक्स है। ट्रांसजेंडर महिलाएं, भले ही उनके पास त्त्रष्ट हो, लेकिन कानूनी रूप से वे 'महिला' की कैटगरी में नहीं आएंगी। कोर्ट ने कहा कि अगर ट्रांसजेंडर को शामिल किया गया, तो कानून अव्यवहारिक हो जाएगा। ट्रांसजेंडर महिलाओं को अब महिलाओं के लिए बने टॉयलेट, चेंजिंग रूम, अस्पताल वार्ड, जेल, या रेप काउंसलिंग सेंटर जैसी जगहों से बाहर रखा जा सकता है। पहले महिलाओं के टॉयलेट या चेंजिंग रूम का ट्रांसजेडर इस्तेमाल कर सकती थीं। अब उन्हें इसका इस्तेमाल करने के लिए जायज वजह देना होगा।

दिलचस्प हुआ कनाडा चुनाव, ट्रंप की धमकी के बाद लिबरल पार्टी को मिली संजीवनी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में आम चुनाव के लिए 28 अप्रैल को वोटिंग होनी है और इसके लिए चुनाव प्रचार चरम पर है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी और भारी-भरकम टैरिफ लगाने के बाद कनाडा का चुनाव दिलचस्प हो गया है। दरअसल कुछ समय पहले तक सत्ताधारी लिबरल पार्टी विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी से पिछड़ती नजर आ रही थी। इसके चलते जस्टिस टूडो को भी पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था और उनकी जगह मार्क कार्नी को पीएम बनाया गया था।

विपक्षी पार्टी बदलाव लाने की कर रही अपील : अब ट्रंप की धमकी के बाद जिस तरह से लिबरल पार्टी ने सख्त रुख अपनाया है, उसके बाद से पार्टी की लोकप्रियता में उछाल देखा गया है। यही वजह है कि लिबरल पार्टी जहां चुनाव में ट्रंप से सामना करने का मुद्दा उठा रही है, वहीं विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी बदलाव की मांग कर रही है। बुधवार को फ्रेंच लैंग्वेज लीडर्स की डिबेट के दौरान मार्क कार्नी और पिएरे पोएलीवरे का आमना सामना हुआ। इस दौरान पीएम मार्क कार्नी ने कहा कि इस चुनाव में सवाल ये है कि कौन राष्ट्रपति ट्रंप का सामना करेगा। वहीं पिएरे पोएलीवरे ने बदलाव पर जोर दिया और कहा कि लोगों को लिबरल पार्टी को चौथा कार्यकाल नहीं देना चाहिए। गौरतलब है कि लिबरल पार्टी के शासन में कनाडा में घरों की कीमतें बढ़ी हैं और अप्रवासियों की

बढ़ती संख्या को लेकर भी कनाडा के लोगों में नाराजगी है। इसके चलते लिबरल पार्टी की लोकप्रियता काफी कम हुई और जस्टिस टूडो को पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

राष्ट्रवाद की लहर पर सवार लिबरल पार्टी को मिल रहा फायदा : टूडो के इस्तीफा देने के बाद ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी दी और भारी टैरिफ लगा दिए। बदले माहौल में टूडो ने ट्रंप का मजबूती से सामना किया और अमेरिका के सामने कड़ा स्टैंड लिया। इससे कनाडा में राष्ट्रवाद की लहर महसूस की गई। टूडो के इस्तीफे के बाद लिबरल पार्टी ने मार्क कार्नी को अपना नेता चुना और वे नए पीएम बने। अब कार्नी के नेतृत्व में पार्टी चुनाव मैदान में है। राष्ट्रवाद की लहर पर सवार लिबरल पार्टी की लोकप्रियता में उछाल आया है। यही वजह है कि कनाडा का चुनाव जो कुछ दिनों पहले तक एकतरफा लग रहा था, वह अब दिलचस्प हो गया है।

ट्रंप ने 70 कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को दी पर्यावरणीय नियमों से छूट, चिंता में स्वास्थ्य विशेषज्ञ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब 70 कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को जो बाइडन प्रशासन में लागू किए गए पर्यावरणीय नियमों से दो साल की छूट प्रदान की है। इन नियमों के तहत संयंत्रों को पारा, आर्सेनिक जैसे जहरीले प्रदूषकों के उत्सर्जन को सीमित करना था। यह कदम ट्रंप के हालिया कार्यकारी आदेशों का हिस्सा है, जिसका मकसद संकटग्रस्त कोयला उद्योग को पुनर्जीवित करना है। इस फैसले से जिन बिजली संयंत्रों को राहत मिलने की उम्मीद है, उनमें मोंटाना का कॉलस्ट्रिप जनरेटिंग स्टेशन और नॉर्थ डकोटा का कोल क्रीक स्टेशन शामिल हैं। ये दोनों संयंत्र अणेरिका में सबसे ज्यादा जहरीला धुआं छोड़ने वाले संयंत्रों में गिने जाते हैं। टेलन एनर्जी, डॉमिनिकन एनर्जी, एनआरजी एनर्जी, साउदर्न कंपनी और टेनेसी वैली अथॉरिटी जैसी कंपनियों को भी इन नियमों से छूट दी गई है। पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) का कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय उर्जा सुरक्षा और ग्रिड विश्वसनीयता को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। हालांकि, पर्यावरणविदों और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस फैसले की आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे पारा जैसे जहरीले प्रदूषकों के उत्सर्जन में वृद्धि होगी, जो बच्चों के मस्तिष्क के विकास और सांस लेने के लिए हानिकारक हैं। ईपीए ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति की ओर से दी गई ये छूटें कोयला आधारित बिजली उत्पादन को

बढ़ावा देंगी, जिससे देश की बिजली व्यवस्था भरोसेमंद बनी रहेगी, आम लोगों को सस्ती बिजली मिलेगी और राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। कोयला संयंत्रों के लिए काम करने वाले एक समूह की अध्यक्ष मिशेल ब्लडवर्थ ने कहा कि ट्रंप यह मानते हैं कि देश के कोयला संयंत्र एक स्वस्थ और सुरक्षित बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए जरूरी हैं, जो हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। ब्लडवर्थ ने कहा, पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में जो नियम बनाए गए थे, वे स्वच्छ वायु अधिनियम (क्लीन एयर एक्ट) के अनुरूप नहीं थे और गलत तरीके से किए गए डाटा विश्लेषण पर आधारित थे। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले साल लागू किया गया मरकरी (पारे) वाला नियम कई कोयला संयंत्रों को समय से पहले बंद करने की वजह बन सकता था। जबकि ये संयंत्र देश की बिजली व्यवस्था को स्थिर और भरोसेमंद बनाए रखने के लिए जरूरी हैं। पर्यावरण संगठन सेंटर फॉर बायोलॉजिकल डाइवर्सिटी की वरिष्ठ वकील माया गोल्डन-क्रैस्नर ने कहा,इन प्रदूषण की छूटों ने हमारे सांस लेने वाली हवा की सुरक्षा को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाया है।

उन्होंने आगे कहा, यह कहना कि लोगों को ज्यादा जहरीली गैसें सांस के जरिए अंदर लेना देश की सुरक्षा के लिए जरूरी है – बहुत ही अपमानजनक बात है। यह साफ दिखाता है कि अमेरिकी नागरिकों और पृथ्वी की सेहत से ज्यादा सरकार प्रदूषण फैलाने वाली कंपनियों के मुनाफे को प्राथमिकता दे रही है। पर्यावरण संगठन और जनस्वास्थ्य से जुड़े कार्यकर्ताओं ने इस योजना की कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे सैकड़ों कंपनियां उन कानूनों से बच निकलेंगी जो पर्यावरण और जनता की सेहत की रक्षा के लिए बनाए गए हैं।

रॉ के पूर्व चीफ नई किताब पर महबूबा ने दी प्रतिक्रिया, उमर हुए आग बबूला

बोले–क्या दुलत की पिछली किताब में लिखी गई बातें भी सच हैं?

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व चीफ एएस दुलत फिर चर्चा में आ गए हैं। उनकी नई किताब द चीफ मिनिस्टर एंड द स्पाई को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इस किताब में दुलत ने फारूक अब्दुल्ला को लेकर बड़ा दावा किया है जिस पर महबूबा मुफ्ती ने प्रतिक्रिया दी जिस पर जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला भड़क गए। उमर ने दो टूक कह कहा कि इस तरह तो क्या दुलत की पिछली किताब में महबूबा के पिता के बारे में लिखी गई बातें भी सच हैं?

उमर अब्दुल्ला ने यह नहीं बताया कि एएस दुलत ने अपनी पिछली किताब में महबूबा मुफ्ती के पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के बारे में क्या लिखा था, लेकिन यह साफ है कि उमर यहां दुलत की 2015 में पब्लिश किताब कश्मीर-द वाजपेयी ईयर्स की बात कर रहे हैं। दुलत की यह किताब 1990 के दशक में रॉ के चीफ और आईबी के विशेष निदेशक के तौर पर उनके अनुभवों पर आधारित है। किताब में वाजपेयी सरकार के दौरान कश्मीर में शांति स्थापित करने की कोशिशों, भारत-पाकिस्तान शांति पहल, कश्मीर में भारत सरकार की नीतियों, अलगाववादी आंदोलनों और खुफिया ऑपरेशन को लेकर कई दावे किए गए। इस किताब में दुलत ने दावा किया है कि 2014 के लोकसभा चुनावों में मुफ्ती मोहम्मद सईद ने उनसे कहा था कि पाकिस्तान ने कश्मीर में सभी को अपने प्रभाव में ले लिया है। वे सभी को वित्तीय मदद दे रहे हैं। उन्होंने हमसे भी संपर्क किया है। दुलत ने किताब में दावा किया है कि अलगाववादी नेता सईद अली शाह गिलानी और मुफ्ती मोहम्मद सईद के बीच करीबी रिश्ता था। उनके मुताबिक गिलानी ने मुफ्ती को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) बनाने में मदद की थी। इसके अलावा किताब में 1989 में मुफ्ती सईद की बेटी रुबिया सईद के अपहरण का भी जिक्र है। किताब में कहा गया है कि उस समय मुफ्ती सईद केंद्र सरकार में गृहमंत्री थे और जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट ने रुबिया का अपहरण कर लिया था और उसे छोड़ने के बदले पांच आतंकियों की रिहाई की मांग की थी। दुलत ने किताब में दावा किया है कि उस समय फारूक अब्दुल्ला ने इसका विरोध किया था लेकिन चूंकि सईद केंद्र सरकार में गृहमंत्री थे ने आतंकियों को रिहा कर दिया था। यह फैसला कश्मीर में आतंक को बढ़ावा देने वाला साबित हुआ।पूर्व रॉ चीफ दुलत ने अपनी नई किताब में दावा किया है कि जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला ने 2019 में धारा 370 को हटाने के केंद्र के फैसले को निजी तौर पर समर्थन किया था, जबकि सार्वजनिक रूप से उन्होंने इसे कश्मीर के साथ धोखा बताया था। किताब के मुताबिक फारूक ने दुलत से कहा था कि हम मदद कर सकते थे, लेकिन हमें यकीन में क्यों नहीं लिया गया? दुलत ने अपनी किताब में यह भी दावा किया कि फारूक अब्दुल्ला और उनके बेटे उमर अब्दुल्ला ने 370 हटाने से कुछ दिन पहले पीएम मोदी से मुलाकात की थी, लेकिन क्या बात हुई इस बारे में किसी को जानकारी नहीं है। इस पर फारूक ने कहा था कि 370 के हटाए जाने से पहले वह, उमर और सांसद हसनैन मसूदी, पीएम मोदी से मिले थे और कश्मीर घाटी में बढ़ती फौज की तैनाती पर सवाल पूछा था, लेकिन पीएम मोदी ने कोई जवाब नहीं दिया था। अगर उन्हें 370 के बारे में जानकारी होती, तो वे उसी वक्त अलार्म बजा देते। इस पर महबूबा मुफ्ती ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

61 साल की उम्र में पहली बार विवाह करेंगे भाजपा नेता दिलीप घोष

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष अब जल्द ही दांपत्य जीवन में कदम रखने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक वह कोलकाता स्थित अपने आवास पर एक सादे समारोह में शादी करेंगे। रिंकू मजूमदार उनकी दुल्हनिया बनने जा रही हैं। वह भी भाजपा की सदस्य हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह शादी दिलीप घोष के लिए निजी जीवन में एक बड़ा बदलाव है क्योंकि वह अब तक अविवाहित रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिंकू ने ही पहले शादी का प्रस्ताव दिया था, खासकर तब जब दिलीप घोष को पिछली लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था।शादी सादे और पारिवारिक माहौल में आयोजित की जा रही है जिसमें केवल करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल होंगे। किसी भी तरह का भव्य आयोजन फिलहाल नहीं रखा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिंकू न्यूटाउन में भाजपा महिला मोर्चा की नेता हैं। दिलीप घोष ही उन्हें पार्टी में लेकर आये थे। यह भी पता चला है कि दिलीप घोष अपनी मां के कहने पर शादी के लिए राजी हो गए हैं। कुछ दिन पहले दिलीप घोष ईडन गार्डन्स में आईपीएल मैच देखने गए थे। तभी इसकी पुष्टि हो गई थी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रिंकू ने खुद दिलीप घोष की मां पुष्पलता घोष से बात की और उन्हें शादी के लिए राजी किया।

कौन हैं घोष की दुल्हनिया

रिंकू मजूमदार तलाकशुदा हैं और एक बेटे की मां हैं। उनका बेटा अब वयस्क हो चुका है और कोलकाता के सॉल्ट लेक के सेक्टर में एक आईटी कंपनी में कार्यरत है। रिंकू को हाल ही में 3 अप्रैल को ईडन गार्डन में भी देखा गया था, जिससे इस नए रिश्ते की अटकलें और तेज हो गई थीं। यह शादी दिलीप घोष के निजी जीवन में नया अध्याय तो खोल ही रही है, साथ ही राजनीतिक हलकों में भी चर्चा का विषय बन गई है।

विदेशी महिला को छेड़ने के मामले में जेएनयू के प्रोफेसर बर्खास्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेएनयू यानी जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी ने एक प्रोफेसर को विदेशी महिला से छेड़छाड़ के मामले में बर्खास्त कर दिया है। आरोपी प्रोफेसर सेंटर फॉर इंटरनैशनल स्टडीज के सेंटर फॉर इंटरनैशनल पॉलिटिक्स, ऑर्गनाइजेशन एंड डिसआर्मामेंट में कार्यरत था। उनके खिलाफ भारतीय दूतावास से शिकायत भेजी गई थी। जेएनयू की वाइस चांसलर शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने कहा कि यह निर्णय दर्शाता है कि भष्ट्राचार और शारीरिक शोषण के खिलाफ जेएनयू में जीरो टॉलरेंस नीति है। पहली बार स्टूडेंट्स को आईसीसी में प्रतिनिधित्व दिया गया। यह कदम जेएनयू की लोकतांत्रिक संस्कृति को संरक्षित करने की दिशा में एक कदम है। जानकारी के अनुसार लंबी जांच के बाद यूनिवर्सिटी की कार्यकारी परिषद ने उनकी बर्खास्तगी की सिफारिश की है। बुधवार को हुई बैठक में यह अहम निर्णय लिया गया। दूसरी ओर भ्रष्टाचार के मामले में एक प्रोफेसर और दो सेक्शन अफसरों पर भी कार्रवाई हुई है। जेएनयू के अनुसार कुछ महीने पहले एक बैठक में शामिल होने के लिए जापानी स्कॉलर आई थी। आरोप है कि इसी बैठक में प्रोफेसर ने स्कॉलर से छेड़छाड़ की। इसके बाद जापानी स्कॉलर अपने देश लौट गई और वहां उसने शिकायत दर्ज करवाई। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए जापानी दूतावास ने भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय को इसकी जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने शिक्षा मंत्रालय को जांच के निर्देश दिए। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय ने जेएनयू को जांच के आदेश दिए। जेएनयू ने इंटरनल कंप्लेंट कमिटी (आईसीसी) ने इस मामले की जांच की।

हिमाचल प्रदेश में तूफान से तबाही, कई घरों की छतें उड़ीं...रातभर गुल रही बिजली

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में आधी रात को तूफान ने तबाही मचा दी है। 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चले तूफान से कई घरों की छत्ते उड़ गई। कई जगह पेड़ उखड़ गए। तूफान से बिजली लाइन क्षतिग्रस्त हुई। इससे आंधी रात को आधे हिमाचल में ब्लैक आउट हो गया है। राजधानी शिमला शहर सहित कांगड़ा, बड़सर, सुजानपुर, ऊना और चंबा के सैकड़ों गांव व घर बीती रात से सुबह 10 बजे तक अंधेरे में डूबे रहे। कई ग्रामीण इलाकों में दोपहर 12 बजे भी बिजली नहीं आई। शिमला के ठियोग, मंडी के सराज, आनी, कांगड़ा, सिरमौर, सोलन में कई घरों की छत उड़ गई। प्रदेश में जगह जगह तूफान के बाद पेड़ जड़ से ही उखड़ गए। इससे कई सड़कें भी यातायात के लिए बंद हो गई। प्रदेश में तूफान से काफी नुकसान हुआ है। इससे मैदानी इलाकों में गेहूं फसल भी तबाह हुई है। शिमला, कुल्लू, चंबा जिला में सेब की फसल को नुकसान हुआ है। इन जिलों में सेब के पौधे जड़ से ही उखड़ गए।

अगले 4 दिन बारिश–ओलावृष्टि की चेतावनी

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस अगले 4 दिन तक सक्रिय रहेगा। 18 और 19 अप्रैल को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला और लाहौल स्पीति जिला में कुछेक स्थानों पर भारी बारिश व ओलावृष्टि हो सकती है। इन जिलों में 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से तूफान चलने की भी चेतावनी दी गई है।

राजस्थान के 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी, तेलंगाना में 15 दिनों तक लू की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में इनदिनों भीषण गर्मी और लू का दौर जारी है। मौसम विभाग ने गुरुवार को जयपुर, जोधपुर सहित 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी दी है। इसमें से 4 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले बुधवार को जैसलमेर में दिन का अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो 6 साल में अप्रैल का सर्वाधिक तापमान है। मध्य प्रदेश में भी बारिश के बाद गर्मी अपने शाबव पर है। प्रदेश के 9 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। सबसे गर्म रतलाम रहा। जहां तापमान 42.6 डिग्री दर्ज किया गया। गुरुवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में भी तापमान बढ़ सकता है। उधर, तेलंगाना के 28 जिलों में करीब 15 दिनों तक लू की आशंका है। यह देखकर कांग्रेस सरकार ने लू को आपदा घोषित कर दिया है। तेलंगाना

दिल्ली की गर्मी से परेशान आतंकी राणा, एनआईए अधिकारियों से पूछा कितनी होगी सजा

नई दिल्ली।26/11 मुंबई अटैक के मास्टरमाइंड में से एक आंतकी तहव्वुर हुसैन राणा एनआईए पूछताछ के दौरान अपनी जिंदगी के बारे में चितिंत है। आंतकी राणा अधिकारियों से यूएपीए सहित उसके उपर लगी अन्य तमाम धाराओं के बारे में पूछा है कि इसमें अधिकतम सजा कितनी हो सकती है। आंतकी को बताया गया कि उसके खिलाफ आईपीसी और यूएपीए की कई धाराओं में मामला दर्ज है। अगर उसके उपर दोष सिद्ध होते हैं, तब आंतकी राणा को उम्रकैद से लेकर फांसी तक की सजा हो सकती है। 10 अप्रैल को भारत लाए गए राणा के मामले में सूत्रों ने बताया कि वैसे एनआईए की पूछताछ में अभी तक उसने कोई टॉर्चर करने या अन्य किसी तरह की कोई शिकायत नहीं की है। लेकिन राणा ने दिल्ली की गर्मी से परेशान होने वाली बात जरूर की है। आंतकी राणा ने एनआईए को बताया कि यहां गर्मी अधिक है। हालांकि आंतकी राणा को सेंट्रलाइड एसी बिल्डिंग में रखा गया है, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका के मुकाबले यहां गर्मी अधिक लग रही है। सूत्रों ने बताया कि उसने अपनी फैमिली से बात करने की इच्छा जाहिर की है। जिसके जवाब में एनआईए अधिकारियों ने कहा है कि यह बातचीत कोर्ट के माध्यम से हो सकेगी। वह कनाडा में रह रहे अपने छोटे भाई से बात करना चाहता है।

21 अप्रैल को भारत दौरे पर आ रहे अमेरिका के उपराष्ट्रपति, ताज का करेंगे दीदार

–पीएम मोदी और वेंस की आमेर महल में हो सकती है मुलाकात

जयपुर (एजेंसी)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस 21 अप्रैल को भारत दौरे पर आ रहे हैं वह दो दिन जयपुर में रहेंगे। पिंकसिटी के दौरे में वेंस अपने परिवार के साथ आमेर महल और जंतर-मंतर जैसे हेरिटेज साइट्स का भ्रमण करेंगे। व्हाइट हाउस ने वेंस के जयपुर दौरे की दो दिन पहले पुष्टि की थी। जयपुर के बाद वेंस का आगरा जाने का भी कार्यक्रम है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के के हवाले से बताया गया है कि वेंस के साथ पीएम नरेंद्र मोदी भी जयपुर आ सकते हैं। जेडी वेंस के दौरे को लेकर जयपुर में एक सप्ताह से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हैं। अमेरिकी सेना के भी दो बड़े विमान यहां पहुंचे थे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस अमेरिका एयरफोर्स के विमान से 21 अप्रैल को रात 9.30 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद रात 10 बजे होटल रामबाग पैलेस पहुंचेंगे। यहां वह रिसेप्शन में हिस्सा लेंगे। वेंस अपने परिवार के साथ रामबाग पैलेस में ही स्टे करेंगे। मंगलवार सुबह 9 बजे जेडी वेंस अपने परिवार के साथ जयपुर के ऐतिहासिक आमेर महल को देखने पहुंचेंगे। इस दौरान वेंस सुबह 11.30 मिनट करीब ढाई घंटे तक आमेर महल का दीदार करेंगे। इसके बाद वेंस सिटी पैलेस और जंतर-मंतर का विजिट भी कर सकते हैं। दुनिया के टॉप लग्जरी होटल में शुमार रामबाग पैलेस में अमेरिकी उपराष्ट्रपति का दो दिन स्टे होगा। करीब 190 साल पुरानी यह प्रॉपर्टी जयपुर के पूर्व राजपरिवार से संबंध रखती है। अपने आखिरी दिनों में पूर्व महारानी गायत्री देवी भी रामबाग पैलेस में मौजूद लिलिपूल पैलेस में रहती थीं। सोमवार शाम 5 बजे से मंगलवार दोपहर 12 बजे तक आमेर महल आम सैलानियों के लिए बंद रहेगा। इस दौरान महल में संचालित एलिफेंट राइड भी अस्थायी रूप से बंद रखी जाएगी। मीडिया रिपोर्ट में ऐसी संभावना जताई जा रही है कि पीएम मोदी भी 22 अप्रैल को जयपुर में अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस से मुलाकात कर सकते हैं। पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर फिलहाल आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है। इसके बाद 23 अप्रैल को वेंस सुबह 9 बजे जयपुर एयरपोर्ट से अमेरिकी एयरफोर्स के स्पेशल विमान में आगरा के लिए रवाना होंगे। यहां ताजमहल का दीदार करेंगे।

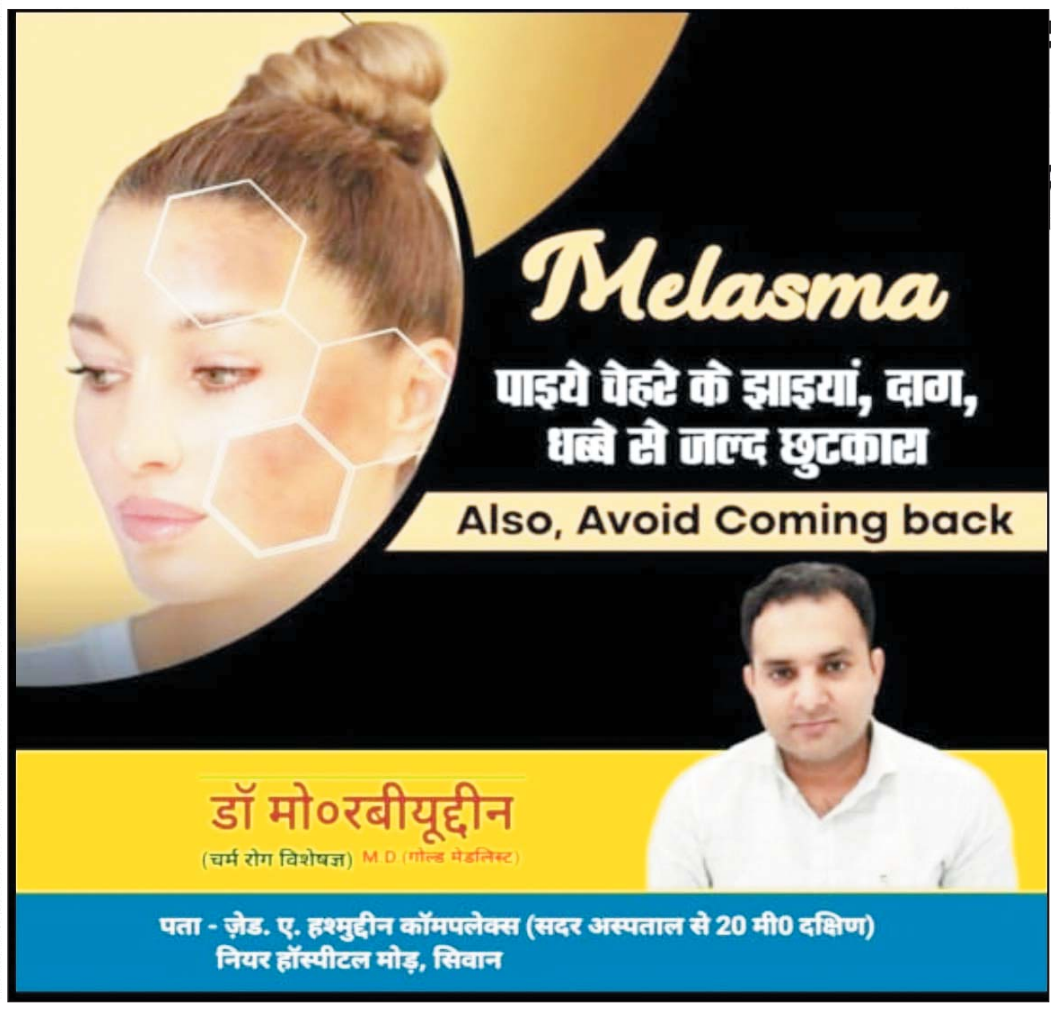

अयोध्या में बनेगा लव-कुश पार्क व श्रीपुरुषोत्तम दर्शन अनुभव केंद्र

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में मथुरा और अयोध्या में भगवान श्रीकृष्ण और प्रभु श्रीराम के जीवन लीलाओं पर आधारित थीम पार्क और एक्सपीरियंस सेंटर बनने की कार्ययोजना नगर विकास विभाग ने मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की। कचरे से कंचन की तर्ज पर मथुरा में कृष्ण लोक पार्क और अयोध्या में लवकुश पार्क व श्रीपुरुषोत्तम दर्शन अनुभव केंद्र बनाया जाएगा। प्रयागराज में इसी तर्ज पर बनाये गये शिवालय पार्क की तर्ज पर नगर वेस्ट और धातु स्कैप से मथुरा और अयोध्या में भी थीम पार्क बनेंगे। जो धार्मिक नगरियों में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र होंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में लखनऊ के यूपी दर्शन पार्क और प्रयागराज में बने शिवालय पार्क की तर्ज पर मथुरा और अयोध्या में भी थीम पार्क और एक्सपीरियंस सेंटर बनाये जाएगें। इसकी विस्तृत कार्ययोजना नगर विकास विभाग ने मुख्यमंत्री के सामने विभाग की समीक्षा बैठक में प्रस्तुत की। मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण की जीवन लीलाओं पर आधारित कृष्ण लोकपार्क बनाया जाएगा। जबकि अयोध्या नगरी में प्रभु श्रीराम और लवकुश के जीवन प्रसंगों का चित्रण लवकुश पार्क और श्रीपुरूषोत्तम एक्सपीरियंस सेंटर का निर्माण किया जाएगा। यूपी नगर विकास विभाग अपनी कचरे से कांचन की निति के तहत शहर के वेस्ट मटेरियल और धातु स्कैप से इन पार्कों का निर्माण होगा।